वार्षिक प्रतिवेदन

2014-15

राष्ट्रीय बाल भवन

कोटला रोड़, नई दिल्ली – 110002

परिचय

राष्ट्रीय बाल भवन मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अन्तर्गत एक स्वायत्त शासी संस्था है जिसकी स्थापना पं0 जवाहर लाल नेहरू द्वारा दिल्ली में 1956 में की गई थी। बच्चों में शिक्षा और सृजनात्मक क्षमता बढ़ाने वाली अपने आप में यह एक शीर्षस्थ संस्था है। बाल भवन एक आंदोलन के रूप में सम्पूर्ण देश में फैला हुआ है और वर्तमान में 118 बाल भवन तथा 15 बाल केन्द्र इस राष्ट्रीय बाल भवन से सम्बंद्ध हैं और देश भर में हजारों बच्चों को अपनी दर्शन एवं पद्धति के जरिए उनकी सृजनात्मक क्षमता के विकास का अवसर प्रदान करते हैं। इसके अलावा दिल्ली में 50 बाल भवन केन्द्र भी कार्यरत हैं, जो कि स्कूलों का एक अंग हैं और दिल्ली के माण्डी गाँव में भी एक ग्रामीण बाल भवन है। ये सभी संस्थाएं बच्चों के लिए अपनी विविध गतिविधियों का संचालन करते हैं, जो उन्हें अन्यथा उपलब्ध नहीं हैं। राष्ट्रीय बाल भवन की पद्धति पर विदेश मंत्रालय के अन्तर्गत मारीशस में भी बच्चों का एक सृजनात्मक केन्द्र – पहला अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र कार्यरत है।

राष्ट्रीय बाल भवन का उद्देश्य बच्चों को विविध गतिविधियाँ, अवसर, विचार–विमर्श, अनुभव, सृजन तथा अपनी आयु दक्षता एवं सामर्थ्य के अनुसार एक सांझे मंच पर कार्य करके सृजनात्मक क्षमता का विकास करना है। बाल भवन सभी गतिविधियों के लिए एक केन्द्र स्थल पर बच्चों को एकत्रित करके अपनी गतिविधियों का संचालन करता है और उनके बहुमुखी व्यक्तित्व का विकास करने के लिए उन्मुक्त अवसर प्रदान करता है। नृत्य, नाटक, संगीतसृजनात्मक कला, छायांकन (फोटोग्राफी), कम्प्यूटर आदि के माध्यम से अपने सदस्य बच्चों के व्यक्तिगत विकास के लिए तनाव मुक्त वातावरण उपलब्ध कराया जाता है।

प्रत्येक वर्ष हजारों बच्चे बाल भवन से जुड़ते हैं। 1956 में मात्र 300 बच्चों की सदस्यता के साथ शुरू हुआ यह आन्दोलन अब लाखों बच्चों का सागर बन चुका है और बच्चे विविध अनुभवों का लाभ उठा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के दूर–दराज़ इलाकों के बच्चों तक पहुँचने के लिए दिल्ली राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में 50 बाल केन्द्रों की स्थापना की गई है। वे सभी पृष्ठभूमि एवं परिवेश से आए बच्चों की जरूरतों को पूरा करते हैं। माण्डी स्थित जवाहर बाल भवन वस्तुतः राष्ट्रीय बाल भवन की ग्रामीण इकाई है, जो उसी पद्धति से संचालित है तथा ग्रामीण जनसंख्या को वही सेवाएं उपलब्ध कराती हैं। राज्य बाल भवन और केन्द्र देश के सभी भागों तथा दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों में खोले गए हैं और वे सभी जगह समान सेवाएँ प्रदान करने के प्रयास कर रहे हैं।

बाल श्री योजना मुख्य चार विधाओं अर्थात् सृजनात्मक कला, सृजनात्मक लेखन, सृजनात्मक प्रदर्शन कला एवं सृजनात्मक वैज्ञानिक नवीकरण में 1995 में देश भर में शुरू की गई थी जिसके द्वारा सृजनशील बच्चों का चयन किया जाता है। 31 मार्च, 2015 तक देश भर में कडी तीन स्तरीय चयन प्रक्रिया के माध्यम से इन क्षेत्रों में 539 बच्चों को पुरस्कार प्रदान किए गए हैं।

इस प्रकार, राष्ट्रीय बाल भवन में सभी के लिए सृजनात्मकता नवोन्मेष एवं अभिव्यक्ति हेतु सतत प्रक्रिया है जो बच्चों को पूर्णरूपेण विकसित करने के लिए सतत प्रयत्नशील है।

हमारा मिशन

प्रत्येक बच्चे को इस खुशहाल संसार में एक सृजनात्मक, मानवीय, नवोन्मेषी एवं अद्भुत परिवेश में पूर्ण रूप से भाग लेने, योगदान करने और प्रयास करने का अवसर प्रदान करना।

हमारा दृष्टिकोण

उत्सुकता की उत्पत्ति एवं दृश्य कला, विज्ञान गतिविधियों एवं शारीरिक क्रियाकलापों के माध्यम से सम्भावनाओं का आनन्द का अवसर प्रदान करना। ऐसे मूल्यों का निर्माण करना जो आत्मविश्वास और विश्व के जिम्मेदार नागरिक की भावना विकसित कर सके।

उद्देश्य

राष्ट्रीय बाल भवन के उद्देश्य हैं :–

1. बच्चों को शिक्षा और सृजनात्मकता के लिए अवसर प्रदान करना।

2. बच्चों को ऐसे अनुभव व कार्यकलाप प्रदान करना, जो उन्हें अन्यथा उपलब्ध नहीं होते।

3. स्थानीय विद्यालयों के लिए उनके पाठ्यक्रम संबंधी और पाठ्येत्तर कार्यकलापों को समृद्ध बनाने हेतु कुछ शैक्षणिक सेवाएं प्रदान करना।

4. कला और विज्ञान में सृजनात्मक अवधारणा के पोषण के लिए अध्यापन में नेतृत्व और मार्गदर्शन प्रदान करना।

5. मनोरंजनात्मक कामगारों और बच्चों के संग्रहालय के कार्मिकों को प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करना।

6. राष्ट्र के लिए प्रोटोटाईप शिशु बाल संस्थान प्रदान करना अर्थात् एक आदर्श बाल भवन स्थापित करना।

7. मनोरंजक और शारीरिक कार्यकलापों के माध्यम से बच्चों के व्यक्तित्व और उनकी प्रतिभाओं का विकास करना।

8. सभी वर्गों और समुदायों के बच्चों के बीच सामाजिक और सांस्कृतिक मेल–मिलाप को प्रोत्साहित करना।

9. बच्चों में ऐसे मूल्य अंतर्विष्ट करना, जो उन्हें वैज्ञानिक प्रवृत्ति के साथ–साथ आधुनिक भारत को विकसित करने में सहायक हों।

10. उपरोक्त वर्णित कार्यकलापों को एक आंदोलन के रूप में प्रोत्साहित करना।

राष्ट्रीय बाल भवन की प्रमुख विशेषताएँ :–

1. राष्ट्रीय बाल भवन एक महत्त्वपूर्ण मिशन है।

राष्ट्रीय बाल भवन, देश का एक प्रमुख संस्थान है, जो देश के गरीबी रेखा के नीचे बच्चों एवं उनके अभिभावकों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करता है। इस प्रकार राष्ट्रीय बाल भवन अपने वृहदत्तर नेटवर्क के जरिए देशभर के लाखों बच्चों से जुड़ा हुआ है। राष्ट्रीय बाल भवन भारत भर में फैले विभिन्न बाल भवनों एवं बाल केन्द्रों के माध्यम से स्थानीय, क्षेत्रीय, राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सृजनात्मक गतिविधियों की सुविधा उपलब्ध कराता है, जिससे कि उनकी प्रतिभा निखरती है।

2. 5 से 16 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों पर केन्द्रित दृष्टिकोण

'बच्चे' को केन्द्र में रखकर उनके चंहुमुखी व्यक्तित्व के विकास हेतु संस्थान अपनी समस्त गतिविधियाँ/कार्यक्रमों का प्रारूप तैयार करता है। 'राष्ट्रीय बाल भवन' अपने 'खेल–खेल में सीखो' कार्यक्रमों के कारण बच्चों में लोकप्रिय है।

3. बाल उन्मुख विभिन्न गतिविधियों का संचालन

दृश्य–कला, शिल्प, कला प्रदर्शन, विज्ञान शिक्षा, साहित्यिक गतिविधि, फोटोग्राफी, शारीरिक शिक्षा, गृह–प्रबंध, प्रकाशन, संग्रहालय तकनीक आदि के माध्यम से बाल भवन में बच्चे कई गतिविधियों में भाग लेकर सीखते हैं, जिनसे उनकी क्षमता बढ़ती है एवं इस सांझे मंच से वस्तुतः हर बच्चा अपनी जाति, समुदाय और आर्थिक–सामाजिक स्तर से ऊपर उठकर इन कार्यक्रमों में शामिल होने के अवसरों का लाभ उठाता है।

4. सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन की गतिविधियाँ देश तक ही सीमित नहीं हैं, अपितु विभिन्न सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रमों के माध्यम से विश्व के अन्य भागों जैसे मंगोलिया, कजाकिस्तान, मारीशस गणराज्य, चीन, रूस, नार्वे, कुवैत, नेपाल आदि में रहने वाले बच्चे भी राष्ट्रीय बाल भवन के सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सम्मिलित होते हैं एवं आपसी सहयोग बढ़ाते हुए बाल भवन के दर्शन का प्रचार करते हैं।

5. राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा

बच्चों के लिए चुने हुए क्षेत्रों में जानकारी देने और एकीकरण के भाव को बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 14 से 20 नवम्बर तक राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर का आयोजन 'विशिष्ट विषय' पर होता है जिससे राष्ट्रीय एकीकरण सुदृढ़ होता है।

6. दिन–प्रतिदिन स्थानीय स्कूलों के नन्हे–मुन्नों को अवसर प्रदान करना

राष्ट्रीय बाल भवन के सुन्दर और सुव्यवस्थित प्रागंण में प्रतिदिन विभिन्न विद्यालयों के बच्चे भ्रमण पर आते हैं, जहाँ उन्हें विभिन्न प्रकार के अवसर एवं गतिविधियाँ सीखने को मिलती हैं। इससे उन्हें अपनी रुचि के अनुसार 'सृजनात्मकता' विकसित करने का अवसर मिलता है।

7. वार्षिक सदस्यता सूचक

प्रत्येक वर्ष बच्चे राष्ट्रीय बाल भवन, दिल्ली के बाल भवन केन्द्रों तथा जवाहर बाल भवन, माण्डी में सदस्य बनते हैं।

संगठनात्मक ढांचा

प्रबन्ध परिषद

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, भारत सरकार के अधीन राष्ट्रीय बाल भवन एक स्वायत्त संगठन है। राष्ट्रीय बाल भवन सोसाइटी, अध्यक्ष के नेतृत्व में एक प्रबन्ध–मण्डल है।

इसके अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष की नियुक्ति मंत्रालय द्वारा की जाती है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय एक प्रतिनिधि तथा वित्त एवं प्रभाग का एक प्रतिनिधि शिक्षा मंत्रालय नामांकित करता है।

इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय बाल भवन के अध्यक्ष की सिफारिश पर केन्द्र सरकार, इसके प्रबन्ध–मण्डल के 4 सदस्यों की नियुक्ति करती है जो शिक्षा बाल विकास दृश्य रचनात्मक कला एवं साहित्य व सामाजिक कार्य के क्षेत्रों से जुड़े हुए विशेषज्ञ होते हैं। प्रबन्ध–मण्डल में एक प्रसिद्ध व्यक्ति सदस्य भी सहयोजित किया जाता है।

राष्ट्रीय बाल भवन के प्रबन्ध मंडल में सम्बद्ध, राज्यों/संघ क्षेत्रों द्वारा संचालित बाल भवन का भी एक सदस्य सहयोजित किए जाते हैं ।

भारत सरकार के समय–समय पर मार्ग निर्देश/परामर्श के अनुसार राष्ट्रीय बाल भवन को सुचारू रूप से चलाने के लिए इसके प्रबन्ध–मंडल को आवश्यक प्रशासनिक एवं वित्तीय शक्तियाँ प्राप्त हैं। अध्यक्ष एवं निदेशक इसके प्रशासनिक प्रधान होते हैं, जो भारत सरकार द्वारा समय–समय पर अनुमोदित नियमों/विनियमों के अनुसार कार्य करते हैं। निदेशक प्रबन्ध–मंडल के कार्यपालक प्रमुख एवं सदस्य–सचिव के रूप में संगठन के वृहदत्तर हितों में कार्य करते हैं। प्रबन्ध–मंडल की बैठक वर्ष में 4 बार आयोजित करके कार्य को सुचारू रूप से सम्पन्न किया जाता है।

राष्ट्रीय बाल भवन प्रबंधन बोर्ड के सदस्यों की सूची

31.03.2015 की स्थिति के अनुसार

क्र.सं.	नाम/पदनाम	पता
1.	श्रीमती शालू जिन्दल अध्यक्ष, राष्ट्रीय बाल भवन	राष्ट्रीय बाल भवन, कोटला रोड, नई दिल्ली– 110002 दूरभाष : 23222175 Email ID : shallu@jindalsteel.com
2.	डॉ0 इन्दुमती राव उपाध्यक्ष	गृह संख्या 134 प्रथम ब्लाक, 6 मेन, बी.एस.के.–III बैंगलोर
3.	प्रो0 आर0 गोविन्दा	डी–504, प्रकृति अपार्टमेंट सैक्टर–6 द्वारका, नई दिल्ली।
4.	श्री हरीश कुमार उपसचिव	कमरा नं0 526 सी. विंग मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली दूरभाष – 011–23385744
5.	श्री अनिल काकरिया, उपसचिव (वित्त,) आन्तरिक वित्त विभाग	आन्तरिक वित्त विभाग मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली दूरभाष : 23381877 Email ID : kakria_anil@yahoo.co.in
6.	श्रीमती लता वैद्यनाथन बोर्ड सदस्य, रा.बा.भ.	1601, टावर–5, साउथ अपार्टमेन्टस के पास, निरवाना काउन्ट्री, गुडगांव, दूरभाष : 9818040735 Email ID : latavaidyanathan@hotmail.com

7.	डॉ0 सायरा वर्गीश बोर्ड सदस्य, रा.बा.भ.	सी–86, डिफेन्स कालोनी नई दिल्ली–110016 दूरभाष : 9810526656
8.	श्री के.मोहन कुमार एडवोकेट	एस.आर.ए. – 59, अथीरा मेन गेट, नलन चीरा पोस्ट ऑफिस तिरूअन्तपुरम– 695015 दूरभाष : 09447044301 Email ID : dcctrivandrum@gmail.com
9.	सुश्री संजना कपूर बोर्ड सदस्य, रा.बा.भ.	19 कौटिल्य मार्ग, चाणक्य पुरी नई दिल्ली–110021 दूरभाष : 22–26175775, 9899936360 Email ID : sanjna@junoontheatre.org
10.	प्रो. आर . गोविंदा	डी – 504 प्रकृति अपार्टमेंट, सैक्टर – 6, द्वारका नई दिल्ली।
11.	श्री संतोष अमोनकर निदेशक	बाल भवन गोवा परेड ग्राउंड के सामने, कम्पल, पणजी, गोवा फोन –0996032274, 0832–2226823 09823629718 Email ID : goabalbhavan@yahoo.in
12.	डॉ. उषा कुमारी एम.सी. निदेशक, रा.बा.भ.	राष्ट्रीय बाल भवन, कोटला रोड, नई दिल्ली–110002 दूरभाष : 23239141, 9013070924 Email ID : ushamc@hotmail.com

राष्ट्रीय बाल भवन की संगठनात्मक तालिका

एक परिचय

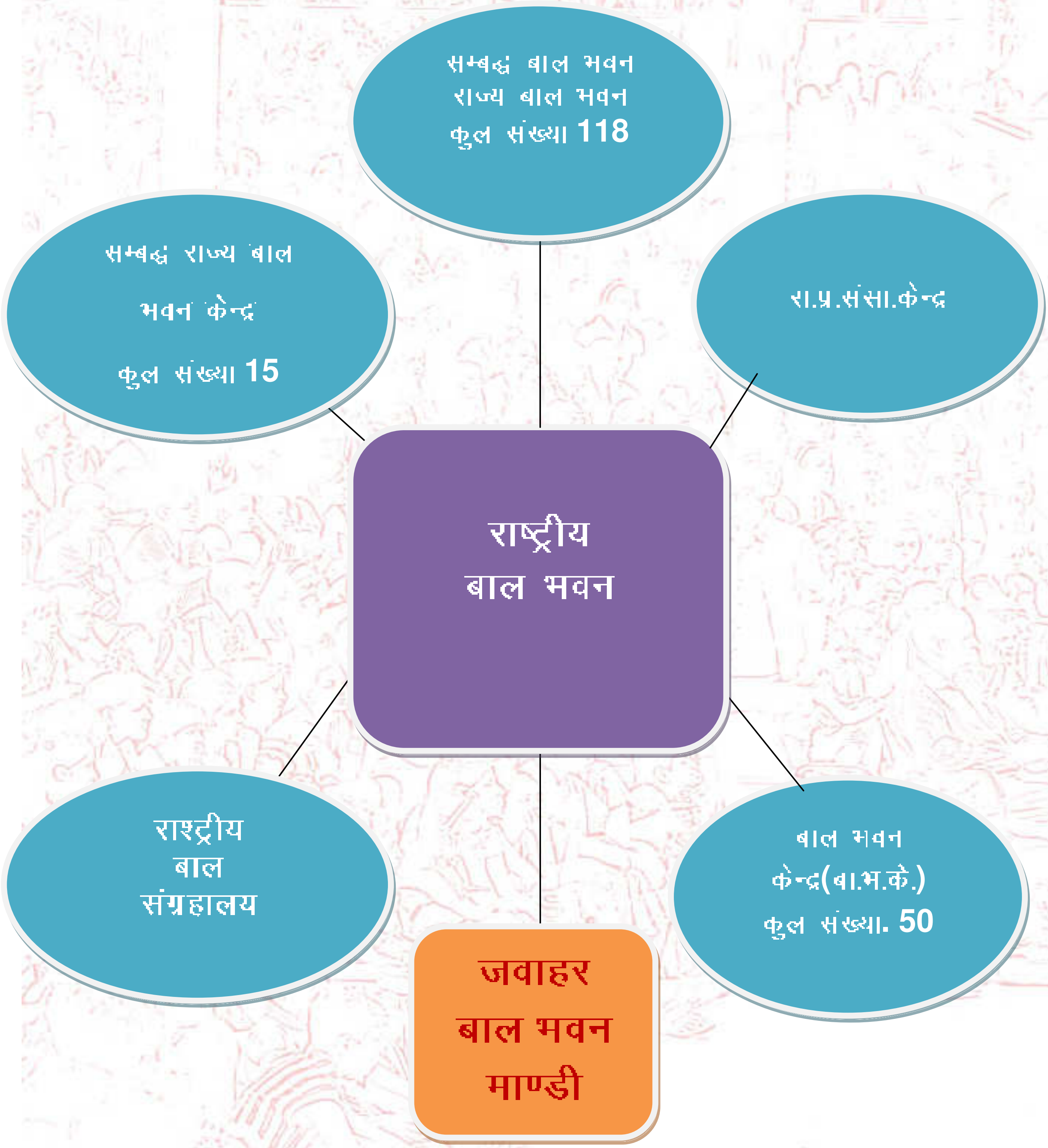

संशोधित भर्ती नियम 2014–2015 के अनुसार
स्वीकृत पद एवं आई.आई.यू. द्वारा कटौती

क्र.सं.	श्रेणी	कुल पद	एस. आई. यू. द्वारा कटौती	शेष	31/03/2015 की स्थितिनुसार कार्यरत
1	समूह 'क'	08	आर. ए. 04	04	04
2	समूह 'ख'	06	आर. ए. 01	05	04
3	समूह 'ग'	118	आर. ए. 38 ए–17	80	57
4	समूह 'घ' (32 दक्षता प्राप्त) 41 (दक्षतारहित)	81	आर. ए. 16 11 (दक्षता प्राप्त एवं अदक्षता प्राप्त)	65	53
	योग	213	59	154	118

– आर.ए. – पद समाप्त करने की सिफारिश
– ए – समाप्त पद

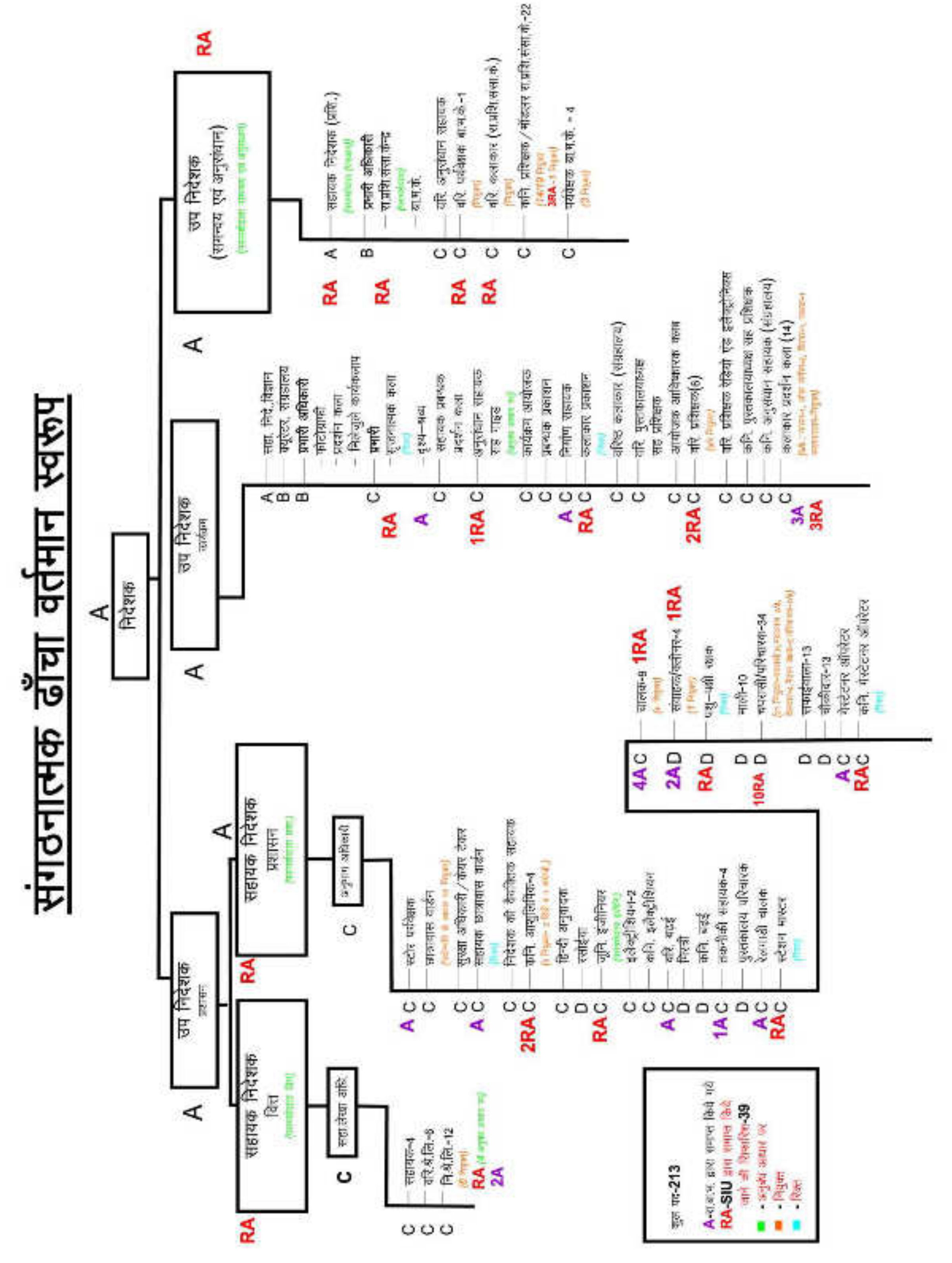
संगठनात्मक ढाँचा वर्तमान स्वरूप
निदेशक
उप निदेशक (समन्वय एवं अनुसंधान)
उप निदेशक कार्यक्रम
उप निदेशक प्रशासन
सहायक निदेशक वित्त
सहायक निदेशक प्रशासन
अनुभाग अधिकारी
सहा.लेखा अधि.
कुल पद-213

हमारे आकर्षण

वायु यान

बाल संग्रहालय

मछली घर

पुस्तकालय

जादुई आईने

खिलौना रेलगाड़ी

छोटा चिड़ियाघर

रंगीन झूले

शिल्प ग्राम

प्रायोगिक विज्ञान

काष्ठ उद्यान

यातायात उद्यान

Activities
गतिविधियाँ

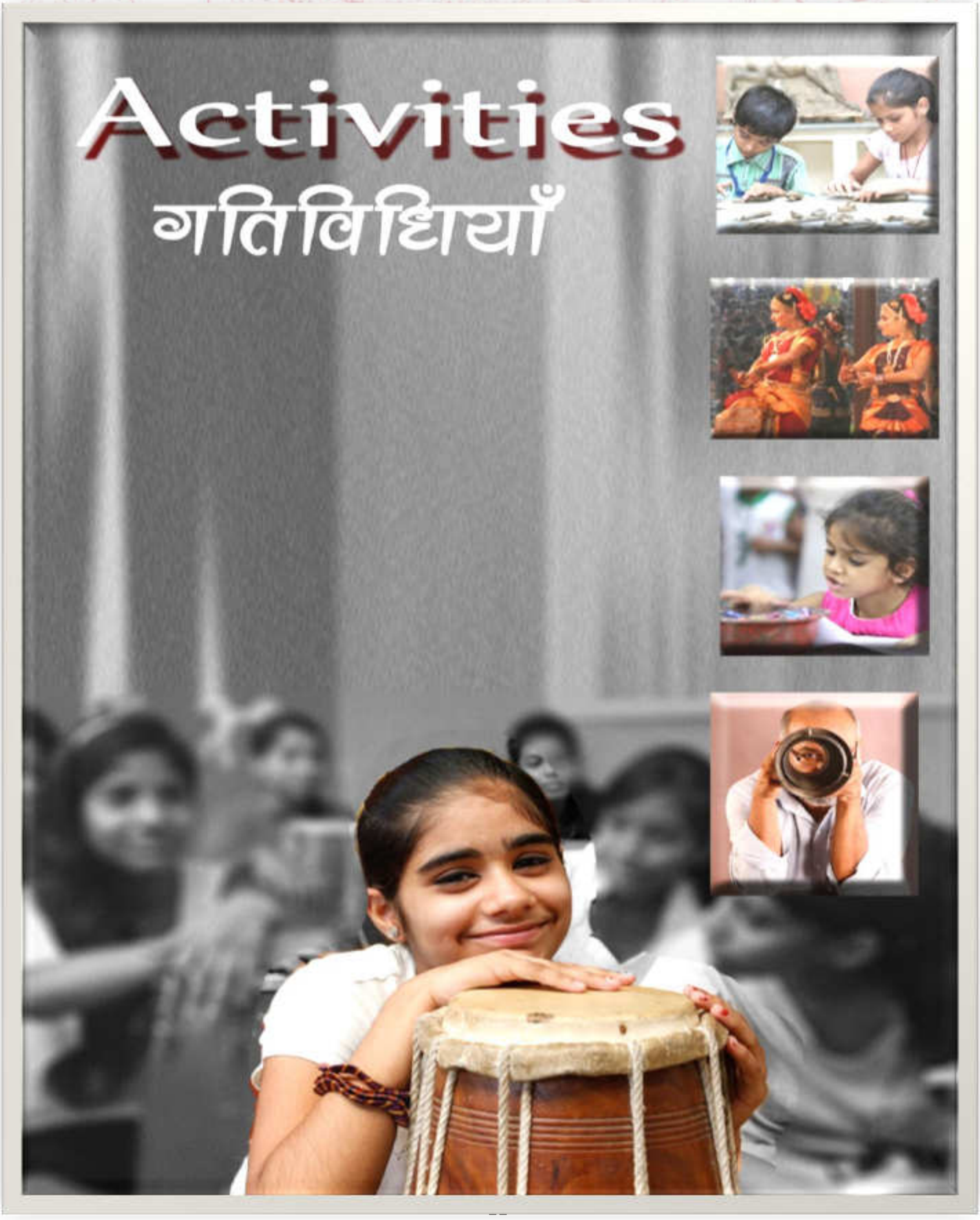

गतिविधियाँ – एक नज़र में

बाल भवन में बच्चे विविध गतिविधियों के साथ–साथ दृश्य–कला एवं शिल्प, सृजनात्मक कला, सृजनात्मक विज्ञान, साहित्यिक गतिविधियाँ, छायांकन, शारीरिक शिक्षा, गृह प्रबंध, प्रकाशन, संग्रहालय तकनीक आदि जैसे क्षेत्रों में अपने कार्यकलाप संचालित करते हैं। प्रत्येक वर्ष बच्चे राष्ट्रीय बाल भवन, जवाहर बाल भवन माण्डी तथा दिल्ली के 50 बाल केन्द्रों में वार्षिक सदस्यता प्राप्त करते हैं। इस वर्ष 5365 (440 निःशुल्क सदस्य, 3284 लड़के, 2089 लड़कियों सहित) बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन तथा 386 बच्चों (298 लड़के तथा 88 लड़कियों) ने जवाहर बाल भवन, माण्डी में तथा 14216 बच्चों (7217 लड़के तथा 6999 लड़कियों ने दिल्ली के बाल केन्द्रों में सदस्यता प्राप्त की।

व्यक्तिगत सदस्यता के अलावा दिल्ली के सभी सरकारी स्कूलों को निःशुल्क संस्थागत सदस्यता प्रदान की जाती है। 10 पब्लिक स्कूलों, 22 सरकारी विद्यालयों एवं 8 एनजीओ द्वारा संचालित संस्थाओं ने वर्ष 2014–15 के लिए राष्ट्रीय बाल भवन की सदस्यता प्राप्त की ।

सृजनात्मक कला

सृजनात्मक कला की गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य बच्चों को आत्म–अभिव्यक्ति के अवसर प्रदान कर उनके सौंदर्यबोध का विकास करना है, जिससे उन्हें अपने अंदर छिपी हुई प्रतिभा को पहचानने के लिए प्रोत्साहित करना तथा उन्हें कला और शिल्प की विभिन्न तकनीकों से अवगत कराना है। सृजनात्मक शिल्प कला में विविध गतिविधियाँ हैं जो विभिन्न उप–भागों में विभाज़ित हैं।

चित्रकला

इस अनुभाग में 5–16 वर्ष के बच्चे अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति को क्रेऑन, वाटर कलर, ऑयल कलर और पेंसिल द्वारा चित्र बनाकर अभिव्यक्त करते हैं। यह कार्यकलाप अपेक्षाकृत बड़े बच्चों को भी उतना ही भाता है जितना कि 5 से 10 वर्ष के बच्चों को। छोटे बच्चे जहाँ एक ओर अपनी कल्पना के अनुसार चित्र बनाते हैं, वहीं बड़ी उम्र के बच्चे पोट्रेट बनाने, स्केच, प्राकृतिक दृश्य और विषय पर आधारित चित्र बनाते हैं। बच्चों को बाटिक, टाइ एण्ड डाई, ब्लॉक प्रिंटिंग, इत्यादि कार्यकलाप सीखने का अवसर भी मिलता है।

2013–14 में चित्रकला के लिए सदस्य छात्रों की संख्या	2014–15 में चित्रकला के लिए सदस्य छात्रों की संख्या	2014–15 में चित्रकला के लिए बाहरी छात्रों की संख्या	2014–15 में चित्रकला के लिए सदस्य बच्चों की संख्या में वृद्धि	नियमित गतिविधियों के अलावा आयोजित विशेष कार्यशालाओं की संख्या
812	1270	1729	458	4

हस्तशिल्प

हस्तशिल्प भी एक लोकप्रिय क्रियाशील है, जिसमें बच्चों को विभिन्न प्रकार से काम में न आने वाली वस्तुओं, जैसे –पुरानी पत्रिकाएँ, गत्ते के खाली डिब्बे, पुराने कागज़, प्रयोग किए हुए डिब्बे, बल्ब, बटन, उभरे हुए कागज, थर्मोकॉल, कतरनें, बीज, पत्तियाँ व टहनियाँ इत्यादि पदार्थों के साथ प्रयोग करने की खुली छूट मिलती है। बच्चों द्वारा काम में न आने वाली वस्तुओं के माध्यम से बनाई गई सुंदर कृतियाँ देखते ही बनती हैं। ये उत्पाद बच्चों की कल्पना और उनकी सृजनात्मक अभिव्यक्ति का परिणाम होते है।

बुनाई

बुनाई भी एक लोकप्रिय गतिविधि है, जहाँ बच्चे कई प्रकार के कलात्मक कार्य जैसे –वॉल हैंगिंग, लैम्पशेड, पटचित्र दृश्य व दृश्यावली इत्यादि बनाते हैं, और बच्चों को बुनाई के शिल्प की तकनीकों से अवगत कराया जाता है। उनमें सौंदर्य की दृष्टि से सुंदर वस्तुओं के निर्माण करने की ओर प्रेरित किया जाता है। वे विभिन्न प्रकार की गाँठे लगाना व बुनाई की कई तकनीक सीखते हैं और छोटी दरियाँ व कालीन स्वयं बनाते हैं।

2013–14 में बुनाई कला के लिए सदस्य छात्रों की संख्या	2014–15 में बुनाई कला के लिए सदस्य छात्रों की संख्या	2014–15 में बुनाई कला के लिए भ्रमणार्थी छात्रों की संख्या	बुनाई कला के लिए सदस्य बच्चों की संख्या में वृद्धि	विशेष कार्यशालाओं की संख्या
84	91	3995	7	6

सिलाई–कढ़ाई

इस अनुभाग की गतिविधियों में सिलाई–कढ़ाई, खिलौने बनाने, कठपुतली बनाने, मैक्रमे, क्रोशिया इत्यादि सम्मिलित हैं। बच्चे जहाँ एक ओर वस्त्रों की कटाई और सिलाई के मूल तत्वों को सीखते हैं, वहीं वे विभिन्न प्रकार के कपड़ों को डिज़ाईन करने, पैच वर्क बनाने और रचनात्मक कढ़ाई का काम भी करते हैं। रूई भरे खिलौने बनाने की कला भी ऐसी गतिविधि है, जो बच्चों में बहुत लोकप्रिय हैं। बच्चों को हैंगिंग्स बनाना, तरह–तरह सजावटी वस्तुएँ, प्राकृतिक दृश्य तैयार करना अच्छा लगता है, जिससे उनकी सृजनशीलता का विकास होता है।

2013–14 में सिलाई–कढ़ाई कला के लिए सदस्य छात्रों की संख्या	2014–15 में सिलाई–कढ़ाई कला के लिए सदस्य छात्रों की संख्या	2014–15 में सिलाई–कढ़ाई कला के लिए छात्रों की संख्या में वृद्धि	सिलाई–कढ़ाई कला में भाग लेने वाले सदस्य बच्चों की संख्या में	विशेष कार्यशालाओं की संख्या
58	70	12	1705	12

काष्ठ शिल्प

इस अनुभाग में कुछ बड़ी उम्र के बच्चे अर्थात 12 से 16 वर्ष तक के बच्चों की सृजनात्मक आवश्यकताओं की पूर्ति होती है। बच्चों को लकड़ी की वस्तुओं का निर्माण करने में काम आने वाली विभिन्न तकनीकों का ज्ञान कराया जाता है। बच्चे विभिन्न प्रकार की लकड़ियाँ, उनकी बनावट का आधार व उनकी टिकाऊपन की पहचान करना भी सीखते हैं। वे विभिन्न प्रकार की लकड़ी से काम में आने वाली कई वस्तुओं जैसे :– पेन–स्टैण्ड, घर, छोटे बॉक्स, खिलौने, डिब्बे, पॉट कवर इत्यादि बनाना भी सीखते हैं। उन्हें लकड़ी में नक्काशी का काम भी सिखाया जाता है और वे नक्काशी द्वारा सुंदर वस्तुयें भी बनाना सीखते हैं। उन्हें बची हुई लकड़ी के टुकड़ों को रचनात्मक रूप से जोड़कर सुंदर दृश्य या वस्तुएँ बनाने के भी अवसर दिए जाते हैं, ताकि उनकी रचनात्मकता का विकास हो सके।

2013–14 में काष्ठ शिल्प गतिविधि के लिए सदस्य छात्रों की संख्या	2014–15 में काष्ठ शिल्प गतिविधि के लिए सदस्य छात्रों की संख्या	2014–15 में काष्ठ शिल्प गतिविधि में सदस्य बच्चों की संख्या में वृद्धि	2014–15 में काष्ठ शिल्प गतिविधि के लिए भ्रमणार्थी छात्रों की संख्या	विशेष कार्य–शालाओं की संख्या
53	83	30	1884	6

मिट्टी का काम

मिट्टी का काम छोटे बच्चों में सबसे लोकप्रिय क्रियाकलाप है, परन्तु बड़ी उम्र के बच्चे भी इसका आनंद उठाते हैं। यह गतिविधि मस्तिष्क, हृदय और हाथों का समन्वय बैठाने में सहायक होती है जो छोटे बच्चों के मस्तिष्क और शरीर के स्वाभाविक विकास में भी सहायता करती है। बच्चे मिट्टी के जानवर, मानव आकृतियाँ एवं मुख, चेहरे, दृश्य व डिज़ाईन इत्यादि बनाते हैं और साथ ही पेपरमैशी और प्लास्टर ऑफ पैरिस के सांचे बनाने, टेराकोटा काम के प्रयोग भी करते हैं। मिट्टी द्वारा पेपरमैशी, कास्टिंग का आविष्कार करते हुए यह अनुभाग बच्चों के मौलिक व नवप्रायौगिक कार्य करने और इस प्रकार उनकी सृजनात्मक क्षमता को विकसित करने के अनेक अवसर प्रदान करता है।

2013–14 में मिट्टी के काम के लिए सदस्य छात्रों की संख्या	2014–15 में मिट्टी के काम के लिए सदस्य छात्रों की संख्या	2014–15 में मिट्टी के काम के लिए छात्रों की संख्या में वृद्धि	इस काम के लिए सदस्य बच्चों तथा भ्रमण हेतु आने वाले बच्चों की संख्या	विशेष कार्यशालाओं की संख्या
327	356	29	10282	6

जिल्दसाज़ी

बाल भवन में जिल्दसाज़ी की गतिविधि भी अत्यंत लोकप्रिय है, क्योंकि इस गतिविधि के द्वारा बच्चे अपनी किताबों को सुरक्षित रखना सीखते हैं। यहाँ जिल्दसाज़ी की तकनीकी कुशलताओं को जानने के अतिरिक्त बच्चे कार्डबोर्ड की सुंदर वस्तुओं का निर्माण करना भी सीखते हैं, जिनमें वे गत्ता काटना, चिपकाना व सिलाई करना इत्यादि शामिल हैं। उन्हें कई अन्य सृजनात्मक गतिविधियाँ भी बताई जाती हैं और वे उसके विभिन्न तकनीकें जैसे कैसेट स्टैण्ड, पेन स्टैण्ड, छोटी डायरी, फाइल कवर तथा कई नए प्रकार की वस्तुएँ बनाना सीखते हैं।

2014–15 में जिल्दसाज़ी के लिए सदस्य छात्रों की संख्या	2014–15 में जिल्दसाज़ी के काम के लिए छात्रों की संख्या में वृद्धि	2014–15 में जिल्दसाज़ी को सफलतापूर्वक सीखने वाले बच्चों की संख्या	नियमित गतिविधियों के अलावा विशेष कार्यशालाओं की संख्या
1308	874	500	5

मिले—जुले क्रियाकलाप

यह मिले—जुले अनुभाग सभी उम्र के बच्चों को समान रूप से आकर्षित करता है। अनुभाग में आने वाले बड़े बच्चे आमतौर पर शतरंज जैसे खेलों पर भी अपने हाथ आज़माते हैं, जबकि छोटे बच्चे हस्तशिल्प से संबंधित काम करना ज्यादा पसंद करते हैं। इस अनुभाग के कार्यकलाप थीम पर आधारित होते हैं और इससे पहले कि बच्चे अपना काम शुरू करें, सर्वप्रथम वे थीम पर विचार—विमर्श एवं चर्चा करते हैं। यह एक मल्टीमीडिया अनुभाग होने के कारण बच्चे यहाँ सरलता से एक मीडिया से दूसरे मीडिया पर जा सकते हैं। इस विभाग में सृजनात्मक और जीवन—मूल्यों पर आधारित खेल भी तैयार किए जाते हैं। प्राकृतिक रूप से प्राप्त रंग और तीलियों (ब्रश की बजाय) से बनाई गई परंपरागत लोक चित्रकला इस अनुभाग की अनूठी विशेषता है। बच्चे यहाँ खिलौने और पेपरमैशी की कलात्मक वस्तुएँ बनाना भी सीखते हैं। मुखौटे बनाने, मेहंदी लगाने तथा कागज़ की मूर्तियाँ बनाने का कार्य भी यहाँ सीखने को मिलते हैं।

2013—14 मिली—जुली कला के लिए सदस्य छात्रों की संख्या	2014—15 मिली—जुली कला के लिए सदस्य छात्रों की संख्या	मधुबनी कला को सफलतापूर्वक सीखने वाले बच्चों की संख्या
106	442	7

2014—15 के दौरान विशेष गतिविधियाँ

चित्रकला अनुभाग ने एनसीआर सदस्य विद्यालयों के एवं पेंटिंग मेंकिंग कार्यशाला तथा राज्य बाल भवन छात्रों के लिए पॉपकट मेकिंग पारंपरिक कार्यशाला का आयोजन किया। राष्ट्रपति भवन में सप्ताह के प्रत्येक शुक्रवार को स्टाफ के बच्चों के लिए गोंदी पेंटिंग विषय पर कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। कोलाज़ मेकिंग, थम्ब पेंटिंग, स्ट्रॉ पेंटिंग, चारकोल चित्रकला तथा टाई एण्ड डाई, वॉल पेंटिंग आदि के लिए भी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

चित्रकला में बच्चों ने विशेष कार्यशालाओं के माध्यम से पोस्टर कलर, एक्रिलिक कलर, मिले—जुले माध्यम, स्प्रे पेंटिंग के इस्तेमाल को भी सीखा।

मिले—जुले अनुभाग विशेष कर 5—10 वर्ष की आयु के बीच के बच्चों को कलाओं का प्रशिक्षण देता है। विशेषतः आस—पास झुग्गी—झोंपड़ी में रहने वाले बच्चों को विभिन्न प्रकार की कलाएँ और इन विभिन्न कलाओं को सीखने के लिए करीब 50 बच्चे नियमित रूप से आते हैं। अगस्त माह 2014 के दौरान जिल्दसाजी, मिट्टी के काम, बुनाई तथा काष्ठ शिल्प के प्रशिक्षण के लिए विशेष कार्यशालाएँ आयोजित की गईं।

बुनाई अनुभाग ने जेवरात, कढ़ाई तथा वॉल हैंगिंग और कलात्मक वस्तुएँ, कठपुतली बनाने के लिए सदस्य बच्चों के साथ—साथ बाहरी स्कूल के बच्चों के लिए समय—समय पर कार्यशालाओं का आयोजन किया।

विज्ञान कार्यकलाप

राष्ट्रीय बाल भवन में विज्ञान या प्रयोगशाला का एक विषय न होकर एक बड़ी प्रयोगशाला का अंग है, जिसके माध्यम से बच्चा जिंदगी की दिन–प्रतिदिन होने वाली घटनाओं से वैज्ञानिक सिद्धांतों को जोड़कर अपने ज्ञान को बढ़ाता है। राष्ट्रीय बाल भवन बच्चों को सीधे–सीधे विभिन्न गतिविधियों में शामिल करके विज्ञान के आधारभूत सिद्धान्तों को बच्चों को समझाने में विश्वास रखता है।

बच्चों को इसी रूप में विज्ञान के आधारभूत सिद्धांतों का भी ज्ञान प्रदान किया जाता है। बाल भवन की विज्ञान–शिक्षण प्रणाली का एक और उल्लेखनीय पक्ष है एकीकृत पहुँच, जिसमें विज्ञान को अन्य कार्यक्रमों का अभिन्न अंग बनाया गया है।

राष्ट्रीय बाल भवन पर्यावरण विज्ञान को भी बहुत महत्व देता है तथा प्रकृति और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के साथ–साथ अपनी संस्कृति, कलाशिल्प, लोककला व साहित्य की परंपराओं और ऐतिहासिक स्मारकों के संरक्षण को भी महत्त्व देता है।

बाल भवन की पर्यावरण से संबंधित कई परियोजनाओं के अतिरिक्त 'हरितवाहिनी' यानि बच्चों की हरित सेना द्वारा 'विशाल हरित क्रांति विषयक परियोजना' चलाई जा रही है। अधिकतम बच्चों तक पहुँचने के उद्देश्य से 1990 से ''राष्ट्रीय युवा पर्यावरण विज्ञानी सम्मेलन'' भी प्रारंभ किया गया है। इस अद्वितीय और अर्थपूर्ण सम्मेलन में राष्ट्र के विभिन्न भागों के बच्चे भाग लेते हैं और पर्यावरण से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हैं। इसमें केवल भौतिक पर्यावरण ही नहीं होता, बल्कि सामाजिक, भावनात्मक और सांस्कृतिक पर्यावरण का भी समागम होता है।

विज्ञान से संबंधित गतिविधियों का प्रमुख उद्देश्य बच्चे में वैज्ञानिक रूझान का विकास करना है। विज्ञान अनुभाग के विभिन्न उप–अनुभाग हैं जो बच्चों को विज्ञान के नियम और सिद्धांत सीखने में मदद करते हैं। उन्हें भौतिक/प्राकृतिक विज्ञान के अतिरिक्त दैनिक जीवन में विज्ञान से भी परिचित कराया जाता है। इस अनुभाग के कार्यकलापों में रेडियो,–इलेक्ट्रॉनिक्स, एअॅरो मॉडलिंग, मशीन मॉडलिंग, खगोल विज्ञान, कम्प्यूटर, मछलीघर एवं छोटा चिड़ियाघर, क्यों और कैसे क्लब और पर्यावरणीय कार्यकलापों के साथ–साथ क्षेत्रीय भ्रमण और वैज्ञानिकों से भेंट, आदि शामिल हैं। आई.बी.एम. ने राष्ट्रीय बाल भवन को भेंट स्वरूप दो कम्प्यूटर प्रदान किए हैं। इसमें उपलब्ध सॉफ्टवेयर विशेष रूप से आपसी क्रियात्मक (इन्टरएक्टिव) खेलों के माध्यम से बच्चों के लिए विज्ञान को सरल एवं मज़ेदार रूप में प्रस्तुत करते हैं । ये सॉफ्टवेयर खगोलशास्त्र, समुद्री जीवन, जीव–विज्ञान तथा भौतिक विज्ञान संबंधी खेल उपलब्ध कराते हैं। इन कम्प्यूटरों के द्वारा बच्चे विश्व भर के विज्ञान संग्रहालयों की यथार्थ यात्रा कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त वे इन पर यथार्थ परीक्षण, पोस्टकार्ड पोस्ट करना तथा अन्य कई गतिविधियाँ भी कर सकते हैं। बाल भवन का कोई भी सदस्य बच्चा 'ट्राई साईंस' में विज्ञान का प्रयोग कर सकता है। समय–समय पर विशेष फिल्म–शो तथा शिविर भी आयोजित किए जाते हैं। बाल भवन में विज्ञान कार्यकलापों में भाग लेने के लिए यह आवश्यक नहीं है कि बच्चे स्कूल में विज्ञान के विद्यार्थी हों। बल्कि आवश्यकता इस बात की है कि उसमें 'क्यों' और 'कैसे' की उत्सुकता और सीखने की इच्छा हो। विज्ञान शिक्षा के अंतर्गत निम्न उप–अनुभाग बच्चों के लिए कार्य करते हैं।

– भौतिकी एवं प्राकृतिक विज्ञान
(कैसे और क्यों क्लब) (केवल ग्रीष्मकाल के दौरान)
– अन्वेषक क्लब

2014–15 में अन्वेषक क्लब के लिए छात्रों की संख्या	2014–15 में अन्वेषक क्लब में बढ़े छात्रों की संख्या	2014–15 में अन्वेषक क्लब के लिए गतिविधियों में भाग लेने वाले छात्रों की संख्या	2014–15 में विज्ञान पार्क में आने वाले बच्चों की संख्या	25 छात्र प्रत्येक के लिए 3 दिवसीय कार्यशालाओं की संख्या	प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए भेजे गए छात्रों की संख्या
256	26	4562	5825	25	बाल श्री के लिए 5

रेडियो और इलेक्ट्रॉनिक्स क्लब

इस अनुभाग में 12 से 16 वर्ष की उम्र के बच्चों को सदस्यता दी जाती है। बिजली के मूल सिद्धांत, बिजली के तार लगाना और घरेलू उपकरणों की स्वयं मरम्मत करना, सर्किट के साथ नए प्रयोग, रेडियो और टी.वी. के पुर्ज़े जोड़ना इस अनुभाग के कार्यकलाप हैं। यहां बच्चे डिजिटल घड़ियों और नई ऊर्जा–उपस्करों जैसे–सौर ऊर्जा के मॉडल के जटिल सर्किट का भी ज्ञान अर्जित करते हैं। विश्व में बढ़ती हुई विकसित संचार व्यवस्था की आवश्यकता को देखते हुए अधिक से अधिक व्यक्ति 'हैम रेडियो क्लब' के सदस्य बन रहे हैं। बाल भवन में हम भी रेडियो शौकीनों (एमेच्योर) के क्लब की शुरूआत करना चाहते हैं, ताकि इस क्लब के सदस्य बच्चे परीक्षा पास करके अपने–अपने घरों में 'हैम स्टेशन' की स्थापना कर सकें। इस प्रकार बेहतर संचार व्यवस्था द्वारा विश्व के बच्चे एक–दूसरे के करीब आ सकेंगे और आपसी सम्पर्क स्थापित कर सकेंगे।

2014–15 में रेडिया और इलैक्ट्रॉनिक्स के लिए छात्र सदस्यों की संख्या	2014–15 में रेडियो और इलैक्ट्रॉनिक्स के लिए छात्र सदस्यों की संख्या	2014–15 में रेडियो और इलैक्ट्रॉनिक्स अनुभाग की गतिविधियों से लाभान्वित सदस्य बच्चों की संख्या	2014–2015 में सरकारी स्कूल के बच्चों की 3 दिवसीय सहभागिता
270	333	603	25

एऍरो मॉडलिंग

एऍरो मॉडलिंग जैसा महंगा शौक भी राष्ट्रीय बाल भवन के बच्चों के लिए उपलब्ध है। वायुगति के मूलभूत सिद्धांतों से लेकर विभिन्न प्रकार के वायुयानों के मॉडल बनाना सीखने से लेकर यहाँ बच्चे जहाजों के अपने मॉडल उड़ाने का आनन्द भी लेते हैं। इस कार्यकलाप का उद्देश्य बच्चों में विमानन और उड़ने का आनंद उठाने में रुचि पैदा करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करना है। इस अनुभाग द्वारा 'मॉडल रॉकेट्री' की कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं।

2014–15 में ऍअरो मॉडलिंग के लिए छात्र सदस्यों की संख्या	2014–15 में ऍअरो मॉडलिंग के लिए छात्र सदस्यों तथा भ्रमण हेतु आने वाले बच्चों की संख्या	2014–15 में ऍअरो मॉडलिंग अनुभाग की गतिविधियों से लाभान्वित सदस्य बच्चों की संख्या
192	2000	20192

कम्प्यूटर

कम्प्यूटर एक बहुत लोकप्रिय कार्यकलाप है जो दिन–प्रतिदिन अधिक से अधिक बच्चों को आकृष्ट कर रहा है। बच्चे कम्प्यूटर की आरंभिक भाषा सीखने के साथ–साथ कार्यक्रम बनाना (प्रोग्रामिंग करना) भी सीखते हैं। बच्चों को बड़ी संख्या में यहाँ विज्ञान के विषयों पर सॉफ्टवेयर और कम्प्यूटर खेल उपलब्ध कराए जाते हैं। कम्प्यूटर के इस कार्यकलाप का आरंभ स्कूली शिक्षा के संपूरक के रूप में भी किया गया है। बाल भवन इंटरनेट के विषय में भी जानकारी उपलब्ध कराता है, जिससे बच्चे आधुनिकतम तकनीक से अवगत हो सकें। कई सार्थक एवं अभिनव कार्यशालाएँ तथा संगोष्ठियाँ इस अनुभाग के अन्य आकर्षण हैं।

2013–14 में कम्प्यूटर अनुभाग के लिए छात्र सदस्यों की संख्या	2014–15 में कम्प्यूटर अनुभाग के लिए छात्र सदस्यों की संख्या	2014–15 में कम्प्यूटर अनुभाग में सदस्य बच्चों की संख्या में वृद्धि	आयोजित विशेष कार्यशाला/कार्यक्रम/दोनों की संख्या
944	1110	166	6

- पर्यावरण
- खगोल विज्ञान

आकाश अपने भीतर अनजान आकाशगंगाओं से संबंधित अनेकानेक अनसुलझे रहस्यों को समेटे है। अतिप्राचीन काल से मनुष्य इन रहस्यों को समझने में लगा हुआ है। बाल भवन में कम लागत के एक तारामंडलीय एकक की स्थापना की गई है। बच्चे इस कार्यकलाप में आनंद लेते हैं तथा वे ऊपर आकाश यानि ग्रहों और तारों आदि के बारे में अधिक जानकारी के लिए उत्सुक रहते हैं।

2014–15 खगोल विज्ञान के लिए सदस्य छात्रों की संख्या	2014–15 खगोल विज्ञान के लिए सहभागियों की संख्या	बालश्री 2014–15 की प्रतियोगिताओं के लिए भेजे गए सदस्य बच्चों की संख्या
75	532	2

– मछली घर तथा जीव–वाटिका से सम्बंधित गतिविधि

– विज्ञान वाटिका से सम्बंधित गतिविधि

2014–15 के दौरान संचालित विशेष गतिविधियाँ

राष्ट्रीय बाल भवन के कम्प्यूटर अनुभाग ने 150 बच्चों के लिए अपने कामकाज के सम्बंध में दो दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इन्टरनेट सुरक्षा को लेकर 'लिंक फाउण्डेशन अध्येताओं के लिए 150 छात्रों ने भाग लिया। अध्ययन, अध्ययन लिंक फाउण्डेशन के सहयोग से एक और कार्यक्रम 'जागो टीम' का संचालन किया गया, जिसमें 275 छात्रों ने भाग लिया और राष्ट्रीय बाल भवन के बच्चों को, जिन्होंने इस कार्यशाला में भाग लिया और इंटरनेट सेफ्टी रैली, राईड ऑफ सेफ्टी एक्सप्रेस, एलएलएफ द्वारा प्रस्तुति तथा 'जागो टीम्स' तथा सुरक्षा अभियान के बारे में भारी भरकम अनुभव से परिचित कराया गया। कठपुतली प्रदर्शन के साथ आमोद–प्रमोद के खेलों का आयोजन किया गया और इसके उद्देश्य पर नाटक का मंचन किया गया। 42 छात्रों को अध्ययन के लिए मौसम भवन ले जाया गया। राष्ट्रीय बाल भवन, जवाहर बाल भवन माण्डी को भी कम्प्यूटर कार्यशाला में प्रशिक्षण दिया गया।

रेडियो एवं इलैक्ट्रॉनिक विभाग सरकारी स्कूलों के बच्चों के लिए महापर्यन्त एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें 333 बच्चों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय बाल भवन के अन्वेषक क्लब का योगदान विशेष उल्लेखनीय है क्योंकि इसके सात सदस्य बच्चों को बाल श्री पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया, 5 अन्वेषक क्लब से और 2 खगोल विज्ञान अनुभाग से। ऍअरो मॉडलिंग विभाग ने राष्ट्रीय बाल सभा एकीकरण – 2014 के दौरान विमान एवं हैलीकॉप्टर की उड़ान का प्रदर्शन किया, जिसे सभी ने सराहा।

पुस्तकालय गतिविधियाँ

राष्ट्रीय बाल भवन का पुस्तकालय एक बहुत बड़ा पुस्तकालय है, जिसमें लगभग 45,000 पुस्तकें हैं। ये पुस्तकें कला, शिल्प, संस्कृति, साहित्य, विज्ञान, गणित, पत्रकारिता व कंप्यूटर, कहानियों और कविताओं आदि विभिन्न विषयों पर हैं। यहाँ एक संदर्भ अनुभाग भी है। पुस्तकालय में कई भाषाओं जैसे हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, तमिल व बंगला आदि भाषाओं की पुस्तकें भी हैं। बच्चों के लिए विभिन्न पत्रिकाएँ भी इस पुस्तकालय में उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त इस विभाग द्वारा सृजनात्मक लेखन की गतिविधि भी आयोजित की जाती है जिसमें बच्चे विषय विशेष और विभिन्न विषयों पर लिखते हैं। बच्चों के लिए साहित्यिक शिविर लगाए जाते हैं। इन शिविरों के दौरान वे बाल भवन के प्रांगण में ही रहते हैं और विभिन्न लेखकों व कवियों आदि से परिचर्चा द्वारा अपनी लेखन क्षमता और कौशल को विकसित करते हैं। इस विभाग द्वारा कहानी सुनाने के सत्रों का आयोजन भी होता है, जिसमें हर उम्र के बच्चे आनंद लेते हैं। इस विभाग द्वारा प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम, पुस्तकों पर परिचर्चा, आशु–भाषण, विभिन्न सामाजिक एवं प्रासंगिक वाद–विवाद और परिचर्चा आदि कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

अनुभाग द्वारा कवि सम्मेलनों का आयोजन भी किया जाता है जो बहुत लोकप्रिय होते हैं। इन कवि सम्मेलनों में बच्चे न केवल अपनी रचनाओं का पाठ करते हैं, बल्कि उनका आत्मविश्वास भी बढ़ता है और उनकी अभिव्यक्ति की क्षमता भी निखरती है, जो बाल रचनाकारों को एक सामूहिक मंच प्रदान करता है।

विशेष आकर्षण निम्ननुसार हैं :–

- वाद–विवाद और संगोष्ठियाँ
- प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम
- सृजनात्मक लेखन
- कविता–रचना, काव्य–पाठ
- नवीन पुस्तकों की समीक्षा एवं परिचर्चा
- आशुभाषण
- वक्तृता

2014–15 के दौरान विशेष गतिविधियाँ :–

पुस्तकालय अनुभाग में अपनी सदस्य बच्चों के साथ–साथ विभिन्न विद्यालयों से राष्ट्रीय बाल भवन में आने वाले बच्चों के लिए कहानी सुनाने तथा पुस्तक पढ़ने के सत्र रखे जिन्हें सराहा गया है। ऐसी विभिन्न गतिविधियों के जरिए 240 छात्रों ने लाभ उठाया। इस अनुभाग ने तम्बाकू निरोध, परियोजना के दौरान सृजनात्मक लेखन गतिविधि का भी संचालन किया, जिसमें 25 सदस्यों ने भाग लिया।

2013–14 में पुस्तकालय गतिविधियों में छात्र सदस्यों की संख्या	2014–15 में पुस्तकालय गतिविधियों छात्र सदस्यों की संख्या	2014–15 में पुस्तकालय गतिविधियों में छात्र सदस्यों की संख्या में वृद्धि	आयोजित विशेष कार्यशालाओं की संख्या
7425	8663	1238	6

छायांकन (फोटोग्राफी)

बाल भवन में छायांकन गतिविधि के अंतर्गत न केवल बच्चों को छायांकन से जुड़े विभिन्न कार्यों जैसे–फोटो खींचना, उनका प्रिंट तैयार करना और उन्हें बड़ा करना आदि से परिचित कराया जाता है, बल्कि बच्चों में विद्यमान अभिनव तरीकों का प्रयोग करने की क्षमता का भी विकास किया जाता है। छायांकन के द्वारा बच्चे विभिन्न प्रकार के व्यक्तियों, पशु–पक्षियों, उनकी आदतों, तरह–तरह की इमारतों, विभिन्न भौगोलिक स्थानों और वहाँ रहने वाले लोगों की जीवन शैली आदि का अनुभव एवं उनके विषय में जानकारी प्राप्त करते हैं। बच्चे रोचक दृश्यों को चित्रों में संजोने आधुनिक तरीकों का प्रयोग कर छायांकन की दक्षता में निखार लाना भी सीखते हैं। डिज़िटल कैमरे का प्रयोग जैसी अत्याधुनिक तकनीक को भी बाल भवन की छायांकन कक्षाओं में शामिल किया गया है। बच्चों को बेहतर प्रशिक्षण की दृष्टि से फोटो प्रभाग में भी ले जाया जाता है। बच्चों को कैमरा संचालन के तरीके, उसके विभिन्न अंग, उनकी कार्यप्रणाली, सही एक्सपोजर की आवश्यकता, फिल्म को डेवलप करना तथा कॉन्टैक्ट प्रिंटिंग की तकनीकें सिखाई जाती हैं जो उन्हें विषय का गहन ज्ञान पाने में सहायक होती हैं। इस विभाग द्वारा वीडियोग्राफी की कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं, जहाँ बच्चों द्वारा वीडियो कार्यक्रम निर्मित किए जाते हैं। स्क्रिप्ट लेखन, कैमरा संचालन, संवाद व ध्वनि रिकार्डिंग से लेकर फिल्म

निर्माण तक सभी कार्य बच्चों की टीम द्वारा प्रशिक्षकों की देख–रेख में किए जाते हैं। इस विभाग द्वारा विभिन्न विषयों पर फोटोग्राफी प्रदर्शनियाँ भी लगाई जाती हैं जिनमें बच्चों द्वारा किए गए कार्य को प्रदर्शित किया जाता है।

विशेष आकर्षण निम्नानुसार हैं :–

– रंगीन फोटोग्राफी

– डार्क रूप प्रशिक्षण

– फोटोग्राफों का विस्तार एवं स्लाईड बनाना

– उन्नत डिजिटल फोटोग्राफी (प्रिटिंग, प्रोसेसिंग, स्कैनिंग)

2014–15 के दौरान विशेष गतिविधियाँ :–

राष्ट्रीय बाल भवन के फोटोग्राफी विभाग ने अनेक क्षेत्रों में प्रतिष्ठित विशेषज्ञों के मार्ग दर्शन और अनुभवी स्टॉफ की देख–रेख में वर्ष 2014–15 में विभिन्न विशेष कार्यशालाओं जैसे पोर्टरेट कार्यशाला, स्मारक कार्यशाला, वन्य जीव फोटोग्राफी कार्यशाला, स्टूडियो लाईट कार्यशाला, फिल्म निर्माण कार्यशाला, डीएलएसआर कैमरे इस्तेमाल के सम्बंध में –उन्नत डिजिटल फोटोग्राफी कार्यशाला और 16 वर्ष से ऊपर की आयु के बच्चों के लिए कार्यशालाओं का उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। फोटोग्राफी विभाग ने अपने पूर्व सदस्य बच्चों का गर्व के साथ इस्तेमाल किया, जो अपने–अपने क्षेत्र में महारथ हासिल किए हुए हैं और जिनकी प्रतिभा को सम्मानित करने में राष्ट्रीय बाल भवन ने महत्व भूमिका निभाई है। इनमें से कुछ के नाम हैं श्री रतन सोनल (निदेशक, इण्डिया फोटोग्राफी आर्ट इंस्टीट्यूट, पूर्व डिजाईनर इण्डिन एक्सप्रेस) जिन्होंने फोटो शॉप कार्यशाला का संचालन किया, श्री योगेश बंसल (निदेशक कंजर्व भारत –एनजीओ) जिन्होंने खाद्यान्न फोटोग्राफी की कार्यशालाओं का आयोजन किया, श्री हिमांशु जोशी (मुख्य सम्पादक – टेरा स्केप पत्रिका), श्री हशीष (फैशन फोटोग्राफर, जिन्होंने स्टूडियो लाईट कार्यशाला का संचालन किया और श्री पाल जी (पूर्व डिजाईनर हिन्दुस्तान टाईम्स), ख्याति प्राप्त फोटोग्राफर ने फोटोग्राफी के सिद्धांत और फिल्म निर्माण विषय पर कार्यशाला का संचालन किया।

इस विभाग ने अपने सदस्य बच्चों के माध्यम से फोटोग्राफी के महत्वपूर्ण तत्व विषय पर एक पुस्तक का संकलन भी किया है।

2013–14 में फोटोग्राफी में छात्र सदस्यों की संख्या	2014–15 में फोटोग्राफी में छात्र सदस्यों की संख्या	2014–15 में फोटोग्राफी में छात्र सदस्यों की संख्या में वृद्धि	नियमित गतिविधियों के द्वारा
106	203	97	7

प्रदर्शन कला

प्रदर्शन कला की विभिन्न गतिविधियाँ बच्चों को आत्म–अभिव्यक्ति, अपनी कल्पना का विकास करने तथा उसे साकार रूप देने और अपने स्वयं के सामर्थ्य की पहचान के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराती हैं। इस विभाग में बच्चे नाटक, नृत्य, संगीत, कठपुतली, वाद्य संगीत आदि कई प्रकार की सृजनात्मक गतिविधियाँ सीखते हैं। बच्चे अपने परंपरागत लोक संगीत एवं नृत्य की विभिन्न शैलियों के विषय में जानकारी प्राप्त करते हैं व उनका ज्ञान भी इस विभाग में प्राप्त करते हैं। प्रदर्शन कला/गतिविधि विभाग में निम्न उप–अनुभाग हैं :–

- कंठ संगीत (शास्त्रीय एवं लोक)
- वाद्य संगीत (सितार, ढोलक, ढोल, बौंगो कौंगो, हारमोनियम) केवल ग्रीष्मसत्र में ही)
- शास्त्रीय नृत्य (कत्थक, भरतनाट्यम)
- लोकनृत्य
- नाट्यकला (समय–समय पर)

2014–15 के दौरान विशेष गतिविधियाँ :–

ऊर्जा प्रदर्शन कला विभाग ने राष्ट्रीय बाल भवन की सभी सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने संगठन की सभी प्रमुख गतिविधियों में अपने कार्य प्रदर्शन से सभी को आश्चर्य चकित कर दिया। इस विभाग ने सुर और साज संस्था के सहयोग से ऊर्जा कार्यक्रम का आयोजन किया जिसके अन्तर्गत विभिन्न ख्याति प्राप्त कलाकारों के विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुति दी गई। इसमें 325 बच्चों ने भाग लिया। विभाग ने सांस्कृतिक कार्यक्रम से रविन्द्र जयंति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्व योग दिवस का भारतनाट्यम छात्रों तथा विशेषकर विशेष योग्य बच्चों के संयुक्त प्रयास द्वारा आयोजित किया गया जिसे माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया गया। राष्ट्रीय अन्वेषक सम्मेलन के दौरान म्यूज़िक क्लब द्वारा तार कटोरा स्टेडियम में अपनी प्रस्तुति दी गई जिसमें पूर्व राष्ट्रपति डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम मौजूद थे।

2013–14 में प्रदर्शन कला में छात्र सदस्यों की संख्या	2014–15 में प्रदर्शन कला छात्र सदस्यों की संख्या	2014–15 में प्रदर्शन कला में छात्र सदस्यों की संख्या में वृद्धि	विभिन्न गतिविधियों में बच्चों की संख्या
724	894	170	भरतनाट्यम – 160 कत्थक – 128 लोक नृत्य – 133 सितार/गिटार – 118 गायन – 122 नाटक – 80 हारमोनियम – 49 तबला/ढोलक – 104

शारीरिक शिक्षा

खेल और शारीरिक गतिविधियाँ हर उम्र के बच्चों में प्रिय हैं। राष्ट्रीय बाल भवन के शारीरिक शिक्षा अनुभाग द्वारा बच्चों के लिए अनेक प्रकार की गतिविधियाँ यथा–टेबल टेनिस, बैडमिंटन, फुटबॉल, क्रिकेट, बास्केटबॉल व योग से लेकर जूड़ो और स्केटिंग तक सिखाई जाती हैं। व्यायाम एवं शरीर को सुडौल बनाने के लिए इस विभाग के पास अपना जिम्नेज़ियम भी है।

बच्चे प्रशिक्षकों की देखरेख में न केवल विभिन्न प्रकार के खेलों की जानकारी प्राप्त करते हैं, बल्कि उन्हें अपनी रचनात्मकता बढ़ाने और रचनात्मक खेलों को बनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है।

इस विभाग द्वारा आयोजित जूड़ो एक ऐसी गतिविधि है, जिसके कारण इस संस्थान को बहुत सम्मान मिला है। राष्ट्रीय बाल भवन को ऐसे बच्चों को प्रशिक्षित करने का गौरव प्राप्त है, जिन्होंने न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी सफलता पाई है। शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा अंर्तविद्यालय जूड़ो टूर्नामेंट आयोजित किए जाते हैं, जिनमें विभिन्न स्कूलों और संस्थाओं के बच्चे भाग लेते हैं।

नवनिर्मित स्केटिंग रिंक भी बच्चों के बीच बहुत लोकप्रिय हैं और संभवतः यह दिल्ली की सर्वोत्तम स्केटिंग रिंकों में से एक है। शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा अंर्तविद्यालयी क्रिकेट और फुटबॉल प्रतियोगितायें भी यहां आयोजित की जाती हैं, जिनमें विभिन्न स्कूलों के बच्चे भाग लेते हैं और इसका आनंद लेते हैं। राष्ट्रीय बाल भवन के खेल के मैदान और शारीरिक शिक्षा विभाग की अन्य सुविधाएँ बाल भवन के सदस्य विद्यालयों को भी उपलब्ध कराई जाती हैं। यह विभाग विभिन्न प्रकार की साहसिक यात्राएँ ट्रैक और फील्ड ट्रिप आदि भी आयोजित करता है।

विशेष आकर्षण निम्नानुसार हैं :–

- इन्डोर व आउटडोर खेल (टेबल टेनिस, बैडमिंटन, क्रिकेट, बॉस्केट बॉल)
- जूड़ो
- स्केटिंग
- व्यायामशाला

छात्रवास गतिविधियाँ

इस विभाग में बच्चों को अच्छी और सुचारू गृह व्यवस्था के विभिन्न आयामों/पक्षों से परिचित कराया जाता है। यहाँ बच्चे विभिन्न प्रकार के भोज्य पदार्थों को बनाने का प्रयास करते हैं और प्रशिक्षकों की देख–रेख में नई–नई विधियाँ सीखते हैं । वे खाना बनाने में आत्मनिर्भर बनते हैं। स्वास्थ्य के लिए पौष्टिक और लाभकारी भोजन बनाना सीखते हैं और बनाते हैं। बच्चों को रसोई का बजट बनाना और उसमें आने वाले खर्च का आंकलन करना भी सिखाया जाता है। बच्चों के साथ स्वास्थ्य, स्वच्छता, साफ़–सफ़ाई के बारे में नियमित रूप से चर्चाएँ की जाती हैं। उनके लिए भोजन अनुरक्षण की प्रयोगात्मक कक्षाएँ भी आयोजित की जाती हैं जो उनके लिए लाभकारी होती हैं। गृह–प्रबंध अनुभाग द्वारा पुष्पसज्जा (इकेबाना), बेकरी आदि की विभिन्न कार्यशालाएँ भी संचालित की जाती हैं।

विशेष आकर्षण निम्नानुसार है :–

- गृह–प्रबंधन
- पाक–कला, बेकिंग
- भोजन–परिरक्षण
- पुष्प–सज्जा

2014–15 के दौरान विशेष गतिविधियाँ :–

राष्ट्रीय बाल भवन का छात्रावास गृह प्रबंधन गतिविधियों की देखभाल करता है। इस विभाग द्वारा सदस्य बच्चों तथा राज्य बाल भवन के बच्चों के लिए वर्ष ग्रीष्मोत्सव के दौरान बेकरी और कंफेक्शनरी, पुष्प सज्जा, खाद्य अनुरक्षण एवं टेबल व्यवस्था के सम्बंध में चार विशेष कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। इसके

साथ–साथ यह विभाग छात्रावास में आए बच्चों अभिभावकों तथा सभी अतिथियों के ठहरने और भोजन आदि की व्यवस्था करता है।

2013–14 में गृह प्रबंधन गतिविधियों में सदस्य छात्रों की संख्या	2014–15 में गृह प्रबंधन में सदस्य छात्रों की संख्या	2014–15 में गृह प्रबंधन में सदस्य छात्रों की संख्या में वृद्धि	इस कला में भाग लेने वाले सदस्य बच्चों की संख्या	विशेष आयोजित कार्यशालाओं की संख्या
136	197	61	1554	4

संग्रहालय तकनीक

राष्ट्रीय बाल भवन का राष्ट्रीय बाल संग्रहालय विभिन्न अवसरों पर थीम आधारित प्रदर्शनियाँ लगाकर बच्चों का ज्ञानवर्द्धन करता है। इस बाल संग्रहालय में कुछ स्थायी प्रदर्शनी की दीर्घाएं हैं, जिन्हें देखने के लिए प्रतिदिन हज़ारों बच्चे आते हैं और ये प्रदर्शनियाँ स्कूली शिक्षण पद्धति की प्रतिपूरक भी हैं। राष्ट्रीय बाल संग्रहालय की एक गतिविधि है 'संग्रहालय तकनीक क्लब', जिसमें मिट्टी से मोल्ड सांचा बनाने तथा प्लास्टर ऑफ पेरिस द्वारा 'कास्ट' (प्रतिकृति) बनाने की साधारण तकनीक से लेकर 'पीस मोल्ड' बनाने जैसे जटिल कार्य भी सिखाए जाते हैं। इसके अतिरिक्त इस विभाग में बच्चों को माउंटिंग, आलेख–लेखन एवं प्रदर्शनी लगाने की तकनीक इत्यादि से भी अवगत कराया जाता है। बच्चों को यहाँ इस प्रकार के अनुभव कराए जाते हैं, जिनसे उनके प्रकृति, इतिहास, संस्कृति, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संबंधी ज्ञान का विस्तार होता है। विषयगत और पाठ्यक्रम पर आधारित कार्यशालाओं द्वारा बच्चों को अपने देश की प्राचीन सभ्यता, अपने इतिहास, उसकी प्राचीन धरोहर और संस्कृति से अवगत कराया जाता है, जिनमें बच्चों को उत्खनन–स्थलों पर ले जाकर प्रत्यक्ष अनुभव कराया जाता है। इस प्रकार का प्रत्यक्ष अनुभव उनके ज्ञान का विस्तार करता है। विशेष कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं और बच्चों को अनुभव देने के लिए विभिन्न ऐतिहासिक स्मारकों पर भी ले जाया जाता है।

विशेष आकर्षण निम्नानुसार हैं :–

- सांचा बनाना एवं ढलाई
- प्रदर्शनी डिज़ाईन करना
- संग्रहालय की वस्तुओं का परिरक्षण एवं संरक्षण
- ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विषयों पर विचार–विनिमय
- फील्ड कार्य

2014–15 के दौरान विशेष गतिविधियाँ :–

सदैव सक्रिय संग्रहालय विभाग स्कूली बच्चों तथा सदस्य बच्चों के लिए नियमित विशेष कार्यशालाओं जैसे कि 'आईए अपनी विरासत को खोजें' के साथ–साथ बाल केन्द्रों के छात्रों के लिए ऐसे आयोजन करता है, जिसमें 'मेरा भारत, विविधता में एकता तथा पहिए की कहानी – सदियों से परिवहन का माध्यम' के जरिए इस संग्रहालय में कार्यशालाओं में विभिन्न उद्देश्यों से की तैयार की गई। विभिन्न पीपीटी तथा प्रस्तुतियों को प्रदर्शित करने के लिए – यान प्रोजेक्टर को संग्रहालय में शामिल किया गया।

2013–14 में संग्रहालय गतिविधियों में सदस्य छात्रों की संख्या	2014–15 में संग्रहालय गतिविधियों में सदस्य छात्रों की संख्या	2014–15 में संग्रहालय गतिविधियों में छात्रों की संख्या में वृद्धि	नियमित कार्यशालाओं के अलावा विशेष कार्यशालाओं की संख्या
169	166	504	4

प्रकाशन–संबंधी गतिविधियाँ

प्रकाशन संबंधी कार्यकलाप ग्रीष्मसत्र में चलाये जाने वाला एक अद्वितीय कार्यकलाप है, जिसमें बाल भवन के विभिन्न प्रकाशनों के लिए निर्माण, अनुसंधान तथा संपादन कार्य शामिल रहते हैं।
यह अनुभाग बच्चों को भी उनकी अपनी पत्रिका अक्कड़–बक्कड़, न्यूज़ लैटर, सुलक्ष्य तथा ग्रीष्मसत्र के दौरान निकाले जाने वाले बच्चों के विशेष समाचारपत्र अक्कड़–बक्कड़ टाइम्स के संपादन, चित्रांकन तथा निर्माण में शामिल करता है। इस गतिविधि द्वारा बच्चे न केवल अखबार और पत्रिकाओं के निर्माण में काम आने वाली विभिन्न तकनीकों से परिचित होते हैं बल्कि उनमें सृजनशीलता एवं आत्मविश्वास का भी विकास होता है और वे एक अनुशासित नागरिक के रूप में विकसित होने की ओर संगठित होते हैं। बच्चों को विभिन्न प्रकाशन गृहों तथा समाचार चैनलों के कार्यालयों में भी ले जाया जाता है तथा विभिन्न कार्यशालायें लगाई जाती हैं इसके अतिरिक्त यह विभाग विभिन्न कार्यशालाएँ जैसे पुस्तक चित्रांकन, पुस्तक निर्माण, विज्ञापन तैयार करना तथा डिज़ाईन बनाना आदि पर कार्यशालाएँ भी आयोजित करता है, जिससे बच्चे प्रकाशन के विभिन्न पक्षों को जानें व समझ सकें। यह विभाग विभिन्न विषयों पर परिचर्चा का भी आयोजन करता है।

2014–15 के दौरान विशेष गतिविधियाँ :–

राष्ट्रीय बाल भवन सेन्टर फॉर एनवायरमेंट, एनर्जी एण्ड रिसोरसीज एण्ड डवलपमेंट का तकनीकी सांझेदार है। इसकी एवज में यह अनेक उनके साथ सहयोग करके कार्यक्रमों का आयोजन करता है। राष्ट्रीय बाल भवन परिसरों में आने वाले स्कूलों को उनके दौरे के दौरान सफाई का रख–रखाव करने के सम्बंध में ''विद्यालयों को स्वच्छता एवं अच्छी आदतें'' विषयक प्रमाण पत्र प्रदान करता है।

राष्ट्रीय बाल संग्रहालय

राष्ट्रीय बाल संग्रहालय राष्ट्रीय बाल भवन का एक अभिन्न अंग है और इसे बड़े होते बच्चे की मनोवैज्ञानिक स्थिति और उसके अपने आसपास की दुनिया को देखने के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है।

संग्रहालय में बच्चों को आकर्षित करने वाली वस्तुओं का बड़ा संग्रह है, जिसमें कई देशों के खिलौने, गुड़ियाएँ, पत्थर एवं पीतल से बनी कृतियाँ, पारंपरिक आभूषण, बर्तन, कला एवं शिल्प कृतियाँ, वाद्ययंत्र, सिर की पगड़ियाँ वायुयानों, सेटेलाइटों तथा ऐतिहासिक भवनों आदि की जानकारी भी एकत्रित है। राष्ट्रीय संग्रहालय देश में अपनी तरह की एक ही संस्था है और इसे राष्ट्रीय दर्जा प्राप्त है। राष्ट्रीय संग्रहालय इस तथ्य का समर्थन करता है कि बाल संग्रहालय बच्चों के ज्ञान को बढ़ाने और उन्हें विकसित करने का महत्वपूर्ण साधन है।

संग्रहालय अलग–अलग दीर्घाओं में दो प्रकार की प्रदर्शनी प्रस्तुत करता है (।) स्थायी प्रदर्शनी (ii) अस्थायी प्रदर्शनी। संग्रहालय की एक दीर्घा को विशिष्ट रूप से केवल अस्थायी प्रदर्शनियों के लिए रखा गया है जहाँ समय–समय पर किसी विशिष्ट विषय से संबंधित प्रदर्शनी लगाई जाती रहती हैं। स्थायी प्रदर्शनियाँ भी संग्रहालय का विशेष आकर्षण है – इनमें प्रमुख हैं – हमारा भारत (8500 वर्ग फीट के दायरे में फैली यह प्रदर्शनी भारतीय जीवन, इसकी जीवन्त संस्कृति, समृद्ध कला एवं शिल्प, धर्मों एवं रीति–रिवाजों की विविधता तथा विज्ञान एवं तकनीकी प्रगति आदि का मनोहारी चित्रण प्रस्तुत करती है।), गौरव गाथा (1855 वर्ग फीट के दायरे में फैली इस प्रदर्शनी में भारत के गौरवमयी अतीत इसकी संस्कृति युद्धों को दर्शाने वाली मनमोहक कृतियाँ क्रम से सजाई गई हैं। सूर्य (8000 वर्ग फीट से भी अधिक क्षेत्र में 'सूर्य' नाम से लगाई गई इस प्रदर्शनी में भारतीय संस्कृति में 'सूर्य' के महत्व के साथ–साथ अन्य सभ्यताओं जैसे मिस्र, मेसोयोटामिया, चीन, ग्रीक आदि में भी सूर्य के स्थान और महत्व को दर्शाती हैं। सूर्य की उत्पत्ति अर्थात् सौरपरिवार और पृथ्वी आदि भी दिखाई गई है अर्थात् सूर्य का चित्रण पौराणिक तथा वैज्ञानिक, दोनों दृष्टिकोणों से किया गया है।) तथा पारंपरिक कला एवं शिल्प : भावी पीढ़ी हेतु खजाना (1700 वर्ग फुट के दायरे में फैली इस प्रदर्शनी में प्रसिद्ध कलाकारों की कला के नमूने प्रदर्शित किए गए हैं ये सभी प्रदर्शनियाँ जनता हेतु खुली हैं।

1 अप्रैल, 2014 से 31 मार्च, 2015 तक यहाँ आने वाले पर्यटकों की संख्या निम्नलिखित थी :–

बच्चों की संख्या	वयस्कों की संख्या	स्कूलों की संख्या
1,62,605	17,953	469

संग्रहालय द्वारा 1 अप्रैल, 2014 से 31 मार्च, 2015 तक लगाई गई प्रदर्शनियों की सूची निम्नलिखित है :–

1 बच्चों की कलाकृतियाँ – ग्रीष्म सत्र 2014

2 बच्चों की नजर में नेहरुजी का स्वच्छ भारत का सपना

3 बच्चों की सृजनात्मक अभिव्यक्ति – एन सी ए : 2014

4 चाचा नेहरु की जीवन–यात्रा – झलकियाँ

सदस्यता संख्या 2014–15

बच्चे प्रति वर्ष राष्ट्रीय बाल भवन, जवाहर बाल भवन, माण्डी एवं दिल्ली के 50 बाल भवन केन्द्रों की वार्षिक सदस्यता लेते हैं ।

केन्द्र गत सदस्यता संख्या इस प्रकार हैं :–

क्र.सं.	बाल भवन	लड़के		लड़कियाँ		कुल	
		2013–14	2014–2015	2013–14	2014–2015	2013–14	2014–2015
1.	राष्ट्रीय बाल भवन	2518	3284	1514	2081	4032	5365
2.	जवाहर बाल भवन, माण्डी	336	298	112	88	448	386
3.	बाल भवन केन्द्र	6587	7217	6591	6999	13178	14216

वार्षिक संस्थागत सदस्यता संख्या

क्र.सं.	पब्लिक स्कूल		सरकारी स्कूल		निःशुल्क संस्थाएँ	
	2013–2014	2014–15	2013–2014	2014–15	2013–2014	2014–15
1.	28	10	0	22	8	8

Programs
कार्यक्रम

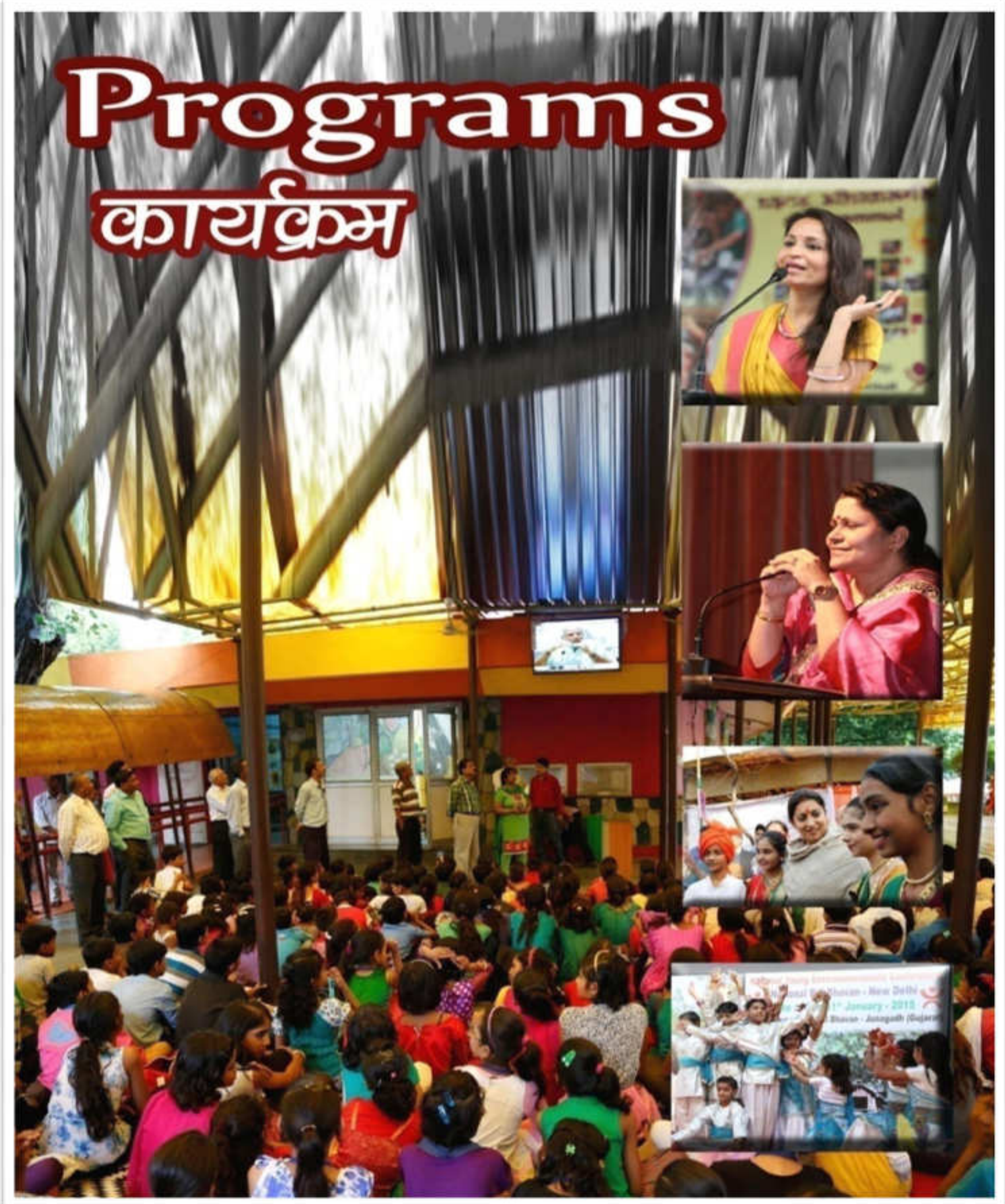

हमारे कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन देशभर में बच्चों के संपूर्ण विकास लिए काम करने वाली शीर्षस्थ संस्थाओं में से एक है। राष्ट्रीय बाल भवन इस तथ्य को सामने रखकर काम करता है कि भारत में करोड़ों बच्चे ऐसे घर–परिवार से हैं, जो गरीबी रेखा के नीचे जीवन–यापन करते हैं और जिनके माता–पिता उनकी प्राथमिक आवश्यकताएँ भी पूरी नहीं कर पाते। इन सबको देखते हुए राष्ट्रीय बाल भवन ने अपने सभी संसाधनों का प्रयोग करते हुए बाल भवन आंदोलन को देश के कोने–कोने में फैलाने का नेक संकल्प लिया। वर्तमान में राष्ट्रीय बाल भवन की पहुँच 150 संबद्ध बाल भवनों तथा 23 बाल भवन केन्द्रों के माध्यम से पूरे देश में बन चुकी है। यह संख्या उन बाल भवनों/निजी संस्थाओं में खुले हुए हैं तथा दूरदराज के क्षेत्रों में विभिन्न गैरसरकारी संगठनों के सहयोग से काम कर रहे हैं। राष्ट्रीय बाल भवन के बच्चों संबंधी कार्यकलाप केवल अपने देश तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि राष्ट्रीय बाल भवन संसार के दूसरे क्षेत्रों में रह रहे बच्चों को भी सांस्कृतिक आदान–प्रदान वाले कार्यक्रमों के माध्यम से तथा बाल भवन स्थापित करके भी अपना दर्शन उन तक पहुँचाने का प्रयास करता है। इस प्रकार राष्ट्रीय बाल भवन मनोरंजन तथा सृजनात्मक तरीकों के द्वारा शिक्षा देने की कोशिश करता है तथा विविध स्थानीय, मंडल स्तरीय, राज्यस्तरीय, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों के द्वारा अधिक से अधिक बच्चों तक पहुँचाने को प्रयास करता है।

स्थानीय स्तर के कार्यक्रम :–

बाल भवन के नियमित कार्यकलापों के अतिरिक्त राष्ट्रीय बाल भवन कई अन्य नए प्रकार के स्थानीय कार्यक्रम भी आयोजित करता है जिसमें विभिन्न कार्यशालाएँ, सेमिनार एवं संगोष्ठी आदि शामिल हैं। इन सब कार्यकलापों का उद्देश्य बच्चों को बहुआयामी कार्यकलापों में भाग लेने का अवसर देकर उनके अनुभव को बढ़ाना है। ये कार्यकलाप एक ओर बच्चों के क्षितिज का विस्तार करते हैं तो दूसरी ओर उन्हें देश की राष्ट्रीय विरासत, परंपराओं, संस्कृति, कला, शिल्प, साहित्य तथा वैज्ञानिक प्रगति से परिचित होने का अवसर भी प्रदान करती है।

Summer Fiesta
2014

ग्रीष्मोत्सव–एक रिपोर्ट

राष्ट्रीय बाल भवन तथा दिल्ली में इसके 52 बाल केन्द्रों एवं जवाहर बाल भवन, माण्डी ग्रामीण इकाई में ग्रीष्मोत्सव की गतिविधियों में प्रतिवर्ष गर्मी की छुट्टियों में हज़ारों बच्चे सम्मिलित होते हैं। इस वर्ष यह उत्सव 15 मई, 2014 से 15 जून, 2014 तक आयोजित किया गया, जिसमें 5147 बच्चे निम्नलिखित कार्यक्रमों में सम्मिलित हुए।

विज्ञान गतिविधियाँ – भौतिक एवं प्राकृतिक विज्ञान (क्यों और कैसे क्लब), आविष्कारक क्लब, रेडियो एवं इलैक्ट्रोनिक्स क्लब, ऍअरो मॉडलिंग, कम्प्यूटर, पर्यावरण, खगोल विज्ञान, मछलीघर, जीव एवं विज्ञान पार्क से संबंधित गतिविधियाँ शिल्प एवं कला, चित्रकला, हस्तकला, बुनाई, सिलाई–कढ़ाई, काष्ठ कला, मिट्टी का काम, जिल्दसाजी, टाई और डाई।

इस ग्रीष्मोत्सव का प्रमुख आकर्षण 2000 से भी अधिक सदस्य बच्चों को प्रतिदिन (250 मि.लि.) का स्वादिष्ट दूध व फल वितरित किये गये।

ग्रीष्मकालीन उत्सव 2014 के दौरान कार्यक्रम एवं कार्यशालाएं।

क्रम संख्या	तिथि	कार्यक्रम / कार्यशाला	उद्देश्य तथा अन्य विवरण
1	8–10 मई 2014	आओ अपने आस–पास की विरासत को जानें	बच्चों को अपने आस–पास देखकर निकटवर्ती अपनी समृद्ध विरासत एवं संस्कृति के बारे में जागरूक एवं संवेदनशील बनाने के लिए प्रेरित करना। इस कार्यशाला में 29 बच्चों ने भाग लिया।
2	15–16 मई 2014	कम्प्यूटर जागरूकता कार्यक्रम	बच्चों को सूचना तकनीकी का ज्ञान देना तथा इंटरनेट सुरक्षा ई–कामर्स तथा माइक्रोसाफ्ट ओ.ई.एम. आदि के बारे में जानकारी देना। इस कार्यक्रम में 130 विद्यार्थियों ने इसमें भाग लिया।

3	21–24 मई 2014	मेरा भारत – एकता और विविधता का समन्वय	बच्चों को भारत की विविधतापूर्ण संस्कृति के बारे में जानने के लिए प्रेरित करना और उनमें उसके प्रति अपनेपन और गौरव की भावना जाग्रत करना। इस कार्यशाला में 38 बच्चों ने भाग लिया।
4	21 मई 2014	आतंकवादी निरोधी दिवस	श्री राजीव गाँधी की बरसी को आतंकवाद निरोधी दिवस के रूप में मनाया गया, जिसमें राष्ट्रीय बाल भवन एवं जवाहर बाल भवन, माण्डी के लगभग 2000 बच्चों ने भाग लिया। सभी बच्चों ने हिंसा और आतंकवाद से दूर रहने की शपथ ली इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को जीवन में अहिंसा और आतंकवाद से नफरत जैसे मूल्य सिखाना तथा महान नेता श्री राजीव गाँधी के जीवन की शिक्षाओं से परिचित कराना था।
5	27 मई, 2014	आईये संग्रहालय की सम्भावनाएँ खोजें, हमारे गौरवशाली अतीत का खजाना	इसका उद्देश्य हमारे संग्रहालयों उसके स्वरूप और उसके ज्ञान का जानकारी देना था। इसमें बच्चों को राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र, राष्ट्रीय प्राकृतिक संग्रहालय, राष्ट्रीय गाँधी संग्रहालय ले जाया गया, इस कार्यशाला में 45 बच्चों ने भाग लिया।
6	27 मई, 2014	राष्ट्रीय बाल भवन के संस्थापक को श्रद्धांजलि	राष्ट्रीय बाल भवन के संस्थापक पं0 जवाहर लाल नेहरू की पुण्य तिथि मनाई गई, जिसमें राष्ट्रीय बाल भवन के बच्चों ने इस महान आत्मा को श्रद्धा सुमन अर्पित किये और कुछ

			सदस्य बच्चों ने कविता पाठ किया तथा अन्य बच्चों ने चाचा नेहरू के जीवन पर प्रकाश डाला। जवाहर बाल भवन माण्डी के बच्चों ने भी माण्डी में श्रद्धांजलि अर्पित की। इसका उद्देश्य बच्चों के प्यारे चाचा नेहरू को श्रद्धांजलि देना तथा इस महान आत्मा के अनुभवों से प्रेरणा लेना था।	
7	31 मई 2014	विश्व तंबाकू निषेध दिवस	बच्चों में तंबाकू के खतरे के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय बाल भवन के लगभग 3000 सदस्य बच्चों ने भाग लिया। इन सभी बच्चों ने तंबाकू से दूर रहने का भी संकल्प किया।	
8	3–7 जून 2014	पहिये की कहानी– यातायात के साधन	इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को पहिये के आविष्कार, परिवहन के विभिन्न साधनों के विकास के बारे में रोचक तरीके से जानकारी देना और यह बताना था कि किस प्रकार इस आविष्कार से मानव का जीवन बदल गया। इस कार्यशाला में 57 बच्चों ने भाग लिया।	
9	3–15 जून 2014	जादू विषय पर कार्यशाला	राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों को जादू की ट्रिक्स के बारे में बताना इस कार्यक्रम का उद्देश्य था। इसके लिए मशहूर जादूगर बी.कामेश को आमंत्रित किया गया था। 3 बैचों में 30 बच्चों ने इस कार्यशाला में भाग लिया।	
10	6–10 जून 2014	आई.जी.एन.सी.ए. में कठपुतली कार्यशाला	इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को कठपुतली कला के बारे में बताना था। कठपुतली	

			बनाना, स्क्रिप्ट लिखना तथा कठपुतलियों का संचालन करना सिखाया गया। इस कार्यशाला में प्रतिदिन 35 बच्चों ने भाग लिया।
11	10—14 जून 2014	चाचा नेहरू के जीवन की रोचक घटनाएं जानना।	इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को अपने प्रिय चाचा नेहरू के जीवन, स्वतंत्रता आंदोलन और देश के स्वतंत्रता आन्दोलन में उनकी भूमिका जानने के लिए प्रेरित करना था। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री के जीवन के बारे में भी बताना उद्देश्य था। इसमें 55 बच्चों ने भाग लिया।
12	10—20 जून 2014	एयरोबिक्स कार्यशाला	बच्चों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सुदृढ़ बनाने के लिए इसका आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में 72 बच्चों ने भाग लिया।
13	13 जून 2014	मौसम भवन की यात्रा	मौसम संबंधी सेवाओं की भविष्यवाणी संचार तथा प्रेक्षणों आदि का निरीक्षण करना। बच्चों को सैटेलाइटों के प्रकार, तापमान वातावरण दाब के मापन तथा तापमान की भविष्यवाणी करने के लिए प्रयुक्त यंत्रों से जुड़ी सूचनाएं दी गई हैं।
14	14 जून 2014	चेतन चौहान (पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज)	इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को एक महान व्यक्ति से

		की बच्चों से बातचीत	मिलवाकर उन्हें जीवन के लक्ष्यों की ओर बढ़ने और परिश्रम से सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करना था। इस कार्यक्रम में लगभग 2000 बच्चों ने भाग लिया। इस अवसर पर राष्ट्रीय बाल भवन के बच्चों ने एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया।	
15	14 जून 2014	'एयरो प्लेनेट' की यात्रा	इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को 'एयरो डायनमिक्स' के बारे में बताना तथा उन्हें हवाई जहाज के अंदर की तकनीकी बातें कॉकपिट तथा धुएं/आग की स्थिति में तत्काल बचाव से जुड़ी जानकारियां भी दी गई। इसमें 200 बच्चों ने भाग लिया।	
16	19 जून 2014	'जागो टीन्स' के सहयोग से 'इंटरनेट सुरक्षा' विषय पर कार्यशाला	इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को इंटरनेट प्रयोग के बारे में जागरूक करना, इंटरनेट प्रयोग करते हुए सुरक्षा उपायों तथा साइबर के दुरुपयोग के बारे में भी जानकारी दी गई। 165 बच्चों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।	
17	15 मई से 19 जून, 2014	डेल लर्निंग लिंक फाउंडेशन द्वारा विश्व टेलीकॉम दिवस मनाया जाना।	इस कार्यक्रम में एम.एस. वर्ड, एम.एस.पावरप्वाईट तथा एम.एम एक्सेल आदि बच्चों को सिखाए गए। इसमें 125 बच्चों ने भाग लिया।	
18	17–20 जून 2014	विशेष वीडियोग्राफी कार्यशाला	बच्चों को वीडियो बनाने, निर्देशन करने, फिल्म संपादन, स्क्रिप्ट लेखन, कहानी निर्माण आदि के बारे में बताने के लिए विशेष कार्यशाला आयोजित की	

			गई। इस कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय बाल भवन के बच्चों ने छोटी फिल्म – 'बाल भवन की झलकियां' भी बनाई जिसे बाद में मानव संसाधन विकास मंत्रालय की वेबसाईट पर अपलोड किया गया। इसमें 50 बच्चों ने भाग लिया।
19	17–18 जून 2014	दिल्ली–दर्शन यात्रा	इसमें राष्ट्रीय बाल भवन के बच्चों को गाँधी संग्रहालय, राष्ट्रीय इतिहास संग्रहालय, लालकिले के बाहर से, राष्ट्रपति भवन तथा उच्चत्तम न्यायालय की यात्रा पर ले जाया गया। इस यात्रा का उद्देश्य बच्चों को अपने देश के 'इतिहास के बारे में' ज्ञान प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करना था। इसमें 1210 बच्चों ने भाग लिया।
20	20 जून 2014	समापन कार्यक्रम	20 जून को समापन समारोह का आयोजन किया गया। इसमें राष्ट्रीय बाल भवन के बच्चों ने एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि थे :– श्री दादा डी. पदमजी, विख्यात कठपुतली कलाकार। श्रीमती जयालक्ष्मी ईश्वर, विख्यात भरतनाट्यम कलाकार। तथा राष्ट्रीय बाल भवन की पूर्व निदेशक श्रीमती अमिता शॉ।

ग्रीष्म सत्र के बाद के कार्यक्रम (अगस्त–मार्च 2015)

क्रम संख्या	तिथि	कार्यक्रम / कार्यशाला	कार्यक्रम के उद्देश्य एवं अन्य विवरण	टिप्पणी
1	26–30 अगस्त, 2014	कला एवं शिल्प कार्यशाला (हस्तकला, चित्रकला, सिलाई, मृत्तिका कला, काष्ठकला, जिल्दसाजी आदि)	इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय बाल भवन के सृजनात्मक कला अनुभाग द्वारा सदस्य स्कूलों के बच्चों के लिए कला एवं शिल्प से जुड़े विशेष कार्यकलाप आयोजित किये गए। बच्चों ने सृजनात्मक चीजें बनानी सीखीं और उनके द्वारा बनाई गई कलात्मक वस्तुओं को कार्यशाला के अंतिम दिन प्रदर्शित किया गया।	स्थानीय स्तर
2	20 अगस्त 2014	सद्भावना दिवस	प्रत्येक वर्ष स्वर्गीय श्री राजीव गाँधी की जन्मतिथि को सद्भावना दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस बार बाल भवन में निदेशक महोदया के नेतृत्व में राष्ट्रीय बाल भवन के सभी कर्मचारियों ने 'सदभावना का संकल्प लिया'।	स्थानीय स्तर
3	2 सितम्बर से 16 सितम्बर 2014	हिन्दी पखवाड़ा	इस कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग तथा इसके महत्व को बढ़ावा देना था। प्रशिक्षुओं सहित बड़ी संख्या में इस कार्यक्रम में आयोजित प्रतियोगिताओं में भाग लिया। ये थीं – लेखन, नोटिंग, ड्राफ्टिंग, स्लोगन लेखन, सामान्य ज्ञान, निबंध लेखन, पोस्टर बनाना, आशुभाषण आदि। इन प्रतियोगिताओं में लगभग 45 कर्मचारियों ने भाग लिया, जिनमें से लगभग 22 को पुरस्कार प्राप्त हुए।	स्थानीय स्तर
4	5 सितम्बर 2015	मानव संसाधन विकास मंत्रालय के विज्ञान भवन में आयोजित शिक्षक दिवस समारोह में सदस्य बच्चों ने भाग लिया।	शिक्षक दिवस पर शिक्षकों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करने अवसर पर राष्ट्रीय बाल भवन के बच्चों ने समूह गान प्रस्तुत किया।	स्थानीय स्तर

5	7–8 अक्टूबर 2014	दिल्ली स्थानीय बाल श्री शिविर	34 बच्चों ने इस चयन प्रक्रिया में भाग लिया।	स्थानीय स्तर
6	24–27 सितम्बर एवं 29–31 अक्तूबर 2014	चाचा नेहरू के जीवन के रोचक तथ्य संकलित करना	इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को अपने प्रिय चाचा नेहरू, उनके जीवन, स्वतंत्रता आंदोलन एवं भारत की आज़ादी में उनके योगदान के बारे में जानने के लिए प्रेरित करना था। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री के जीवन से भी बच्चों को परिचित कराया गया। इस कार्यशाला में 55 बच्चों ने भाग लिया।	स्थानीय स्तर
7	6 मार्च 2015	होली उत्सव का आयोजन	राष्ट्रीय बाल भवन के बच्चों तथा कर्मचारियों के लिए होली उत्सव का आयोजन।	स्थानीय स्तर

अप्रैल–नवम्बर 2014 की अवधि के दौरान राष्ट्रीय बाल भवन में अन्य महत्वपूर्ण दिवस भी मनाए गए। जैसे – पृथ्वी दिवस, आतंकवाद निरोधी दिवस, सद्भावना दिवस, अध्यापक दिवस एवं एकता दिवस।

राज्य स्तर के कार्यक्रम :–

राष्ट्रीय बाल भवन सभी संबंधित राज्य केन्द्रों तथा केन्द्रशासित बाल भवन और बाल केन्द्रों की आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए उनके अनुरोध पर विशेष कार्यशालाएँ आयोजित करता है। छायांकन (फोटोग्राफी), एयरो–मॉडलिंग, मधुबनी पेंटिंग, कार्टून निर्माण तथा पुस्तक प्रकाशन आदि कुछ ऐसे कार्यकलाप हैं जिनपर विशिष्ट कार्यशालाएँ आयोजित की जाती हैं।

राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम :–

राष्ट्रीय बाल भवन प्रति वर्ष निम्नलिखित राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों का आयोजन करता है :–

1 राष्ट्रीय बाल श्री शिविर
2 बाल श्री सम्मान कार्यक्रम
3 युवा/बाल पर्यावरणविदों का राष्ट्रीय सम्मेलन
4 अखिल भारतीय निदेशक एवं अध्यक्ष सम्मेलन
5 राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर

क्रम संख्या	तिथि	कार्यक्रम/कार्यशाला	कार्यक्रम के उद्देश्य एवं अन्य विवरण
1	26–30 अगस्त 2014	राष्ट्रीय बाल श्री शिविर	171 बच्चों ने इस शिविर में भाग लिया। जिसमें बच्चों ने अपनी सृजनात्मक क्षमता

			का पूर्ण प्रदर्शन किया। सृजनात्मकता के लिए एक टैस्ट का आयोजन भी किया गया जिसके लिए प्रतिभागियों को प्रतिभागिता प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए।
2	5 सितम्बर 2015	शिक्षक दिवस	माननीय प्रधानमंत्री की स्कूल के बच्चों के साथ वार्तालाप की लाइव टेलीकास्ट किया गया और इस राष्ट्रीय बाल भवन तथा जवाहर बाल भवन के 867 बच्चों ने देखा। यही स्क्रीनिंग देशभर में संबद्ध बाल भवनों तथा बाल केन्द्रों में भी बच्चों के लिए की गई जिसे हजारों बच्चों ने देखा।
3	31 अक्टूबर 2014	एकता दिवस	सरदार बल्लभ भाई पटेल की जन्म दिवस को राष्ट्रीय बाल भवन, जवाहर बाल भवन, माण्डी तथा देशभर में स्थित अन्य सभी बाल भवन/बाल केन्द्रों में एकता दिवस के रूप में मनाया गया। • 163 बच्चों एवं 64 कर्मचारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। • जवाहर बाल भवन में भी 60 बच्चों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। बच्चों को सरदार पटेल के जीवन के बारे में बताया गया और उन्होंने एकता के गीत गाए। उन्होंने बाल भवन के कार्यकलापों में भी भाग लिया।
4	11 नवम्बर 2014	मौलाना अब्दुल कलाम आजाद के जन्मदिवस को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाया गया।	विज्ञान भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों ने सरस्वती वंदना और राष्ट्रगान प्रस्तुत किया। संबद्ध बाल भवनों तथा बाल भवन केन्द्रों के बच्चों ने भी राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाने के लिए विभिन्न कार्यकलापों में भाग लिया।
5	14–20 नवम्बर 2014	राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर	'स्वच्छता' पर आधारित इस कार्यक्रम में देशभर से 299 बच्चों और 112 एस्कार्ट ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त दिल्ली के स्कूलों, गैर–सरकारी संगठनों, बाल भवन

			केन्द्रों तथा जवाहर बाल भवन माण्डी के बच्चों ने भी इस कार्यक्रम तथा कार्यशाला में भाग लिया। इसके अतिरिक्त 41 बच्चे 5 नवम्बर से 15 नवम्बर, 2014 तक बाल भवन में ही रूके और उदघाटन समारोह के अवसर पर 'स्वच्छता' विषय पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।
6	13 दिसंबर 2014 से 4 से 20 जनवरी 2015	सरकारी स्कूलों के लगभग 600 बच्चों ने 3 दिन तक चलने वाली पाठ्यक्रम आधारित कार्यशाला में भाग लिया।	बच्चों को मनोरंजक क्रियाकलापों के माध्यम से कम्प्यूटर आदि की जानकारी देना।
7	29 जनवरी 2015	बाल श्री सम्मान कार्यक्रम 2011 और 2012	2011 एवं 2012 के 122 पुरस्कार विजेताओं को पुरस्कार प्रदान करना।
8	6–13 जनवरी 2015	युवा पर्यावरण सम्मेलन	युवा पर्यावरणविदों के लिए पर्यावरण सम्मेलन का आयोजन।
9	23–25 मार्च 2015	31वाँ अखिल भारतीय अध्यक्ष एवं निदेशक सम्मेलन	देशभर में स्थित संबद्ध बाल भवनों तथा बाल भवन केन्द्रों के अध्यक्षों एवं निदेशकों को अपनी बात रखने के लिए मंच उपलब्ध कराना इस कार्यक्रम का उद्देश्य था।

राष्ट्रीय बाल श्री शिविर

अंतिम विजेताओं का चयन करने के लिए राष्ट्रीय बाल श्री शिविर का आयोजन किया जाता है। विषयगत विशिष्ट कार्यकलापों के अतिरिक्त बच्चों की सृजनात्मक क्षमता की भी मानक जाँच की जाती है।

बाल श्री पुरस्कार :–

राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा 1995 में बाल श्री योजना की शुरूआत कला, प्रदर्शन, लेखन और वैज्ञानिक नव–प्रवर्तन के क्षेत्र में अतिविशिष्ट प्रतिभाशाली एवं सृजनात्मक बच्चों को पहचान देने के लिए की गई थी। इसके पीछे विचार यह था कि बचपन से ही बच्चों में मौलिकता एवं सृजनात्मकता के गुणों को पहचानकर उन्हें निखारा जाए ताकि वे भावी नागरिक बनकर सामाजिक परिवर्तन के अग्रदूत बन सकें और समाज तथा राष्ट्र की प्रगति में सहयोग दे सकें।

26–30 अगस्त 2014 तक राष्ट्रीय बाल श्री शिविर 2013 का आयोजन किया गया, जिसमें 171 बच्चों (इनमें से 1 बच्चा न्यायालय के आदेशों अधीन) ने भाग लिया। दिल्ली के लिए स्थानीय स्तर के बाल श्री कैम्प का आयोजन 7–8 अक्टूबर 2014 तक किया गया जिसमें 34 बच्चों ने भाग लिया।)

बाल श्री पुरस्कार समारोह 2011 तथा 2012

सृजनात्मक प्रदर्शन, सृजनात्मक कला, सृजनात्मक लेखन तथा सृजनात्मक वैज्ञानिक नव – प्रवर्तन के क्षेत्र में 120 सृजनात्मक बच्चों को पुरस्कार प्रदान किये। सृजनात्मक प्रदर्शन विषय में दो निःशक्त बच्चों सहित 6 विजेता थे। 1 निःशक्त बच्चे सहित 16 सृजनात्मक कला में विजेता, 12 बच्चे सृजनात्मक वैज्ञानिक नव–प्रवर्तन में विजेता चुने गए। 11 बच्चों का चयन सृजनात्मक प्रदर्शन, 22 का सृजनात्मक कला (2 निःशक्त बच्चों सहित), 8 बच्चों को सृजनात्मक वैज्ञानिक नव–प्रवर्तन के लिए तथा 21 बच्चों का चयन सृजनात्मक लेखन के लिए किया गया।

इन विजेता बच्चों को सम्मानित करने के लिए विज्ञान भवन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी ने पुरस्कार से सृजनात्मक वैज्ञानिक नवप्रवर्तन विषय के दो बच्चों (एक राजकोट से तथा एक थ्रिसुर से) को छोड़कर बाकी सभी विजेताओं ने माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री से पुरस्कार प्राप्त किए। इस समारोह में सुश्री वृन्दा सरूप, सचिव, एस. ई. एल. श्रीमती शालू जिन्दल, अध्यक्ष, राष्ट्रीय बाल भवन, श्री जे. आलम, संयुक्त सचिव स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता तथा डॉ. उषा कुमारी एम. सी., निदेशिका, राष्ट्रीय बाल भवन भी उपस्थित रहे।

समारोह का आरंभ पारंपरिक तरीके से दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ, इसके बाद सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई और श्रीमती शालू जिंदल, अध्यक्ष, राष्ट्रीय बाल भवन ने सभी उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया और 1995 में शुरू की गई बाल श्री योजना के बारे में संक्षेप में बताया। इसके बाद 2011 के 59 पुरस्कार विजेताओं ने माननीय मंत्री महोदय से पुरस्कार प्राप्त किया गया। 'वंदे मातरम' की धुन

पर शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत किया गया। इसके बाद 2012 के 61 पुरस्कार विजेताओं ने पुरस्कार प्राप्त किए। पुरस्कार प्रदान करने की प्रक्रिया के दौरान मंत्री महोदया ने सभी बच्चों से बातचीत भी की। उपस्थित जनों को संबंधित करने से पूर्व मंत्री महोदया ने दो निःशक्त बच्चों (दृष्टिबाधित) श्री संतलाल पाठक तथा श्री उत्तम जितेन्द्र भाई को अपना गाना प्रस्तुत करने के लिए मंच पर बुलाया। उनका गाना सुनकर सभी उपस्थितजन झूम उठे।

अपने संबोधन में, माननीया मंत्री महोदया ने कई विजेताओं को उनका नाम लेकर इस बात पर संतोष प्रकट किया कि देश का भविष्य ऐसे सृजनात्मक और विशिष्ट परिश्रमी मस्तिष्क से सुसज्जित बच्चों पर निर्भर है। उन्होंने विजेता बच्चों को अपने पसंदीदा के क्षेत्र में अपनी सृजन शक्ति को सामने लाने का अवसर दिया।

अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा कि ये बच्चे वास्तव में भाग्यशाली हैं कि इनके माता–पिता को इनके नाम से जाना जा रहा है। पुरस्कार विजेता बच्चों द्वारा 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर बनाई गई तथा सृजनात्मक कला विषय के बच्चों द्वारा बनाई गई कलाकृतियाँ भी माननीय मंत्री तथा सचिव (स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता) को भेंट स्वरूप दी गई। इसके पश्चात् सृजनात्मक लेखन विषय के बच्चों ने अलग–अलग भाषाओं (हिंदी, अंग्रेजी, मराठी, गुजराती, कन्नड़, तमिल, मलयालम) में 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर कविता प्रस्तुत की।

राष्ट्रीय गान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

<u>बाल पर्यावरणविदों का राष्ट्रीय सम्मेलन</u>

पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए प्रतिवर्ष स्थानीय तथा राष्ट्रीय स्तर पर पर्यावरण संबंधी कई कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। इस दिशा में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला बाल पर्यावरणविदों का राष्ट्रीय सम्मेलन बाल भवन का एक प्रमुख कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम में देशभर के बाल भवनों से आए बच्चे देश के ख्यातिप्राप्त पर्यावरण विशेषज्ञों के साथ बातचीत कर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करके उनका समाधान खोजने का प्रयास करते हैं। प्रतिवर्ष इस कार्यक्रम का आयोजन भिन्न स्थान तथा भिन्न समय पर किया जाता है।

6–12 जनवरी, 2015 तक इस वर्ष इस सम्मेलन का आयोजन रूपायतन बाल भवन जूनागढ़ में किया गया।

<u>पारंपरिक ज्ञान विषय पर राष्ट्रीय युवा पर्यावरणविदों के सम्मेलन की रिपोर्ट</u>

राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा पारंपरिक ज्ञान विषय पर 6 जनवरी से 11 जनवरी, 2015 तक रूपायतन बाल भवन, जूनागढ़ में राष्ट्रीय युवा पर्यावरण विदों के सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें प्रत्येक मान्यताप्राप्त राज्य बाल भवन एवं बाल केन्द्र के 2 बच्चों एवं एक संरक्षक को आमन्त्रित किया गया था। बच्चों से कहा गया था कि वे निम्नलिखित मुख्य विषयों पर एक पोस्टर तथा प्रश्नोत्तरी के साथ तैयार होकर आएँ। मुख्य विषय के उप–विषय इस प्रकार थे :–

1 जल संरक्षण में परम्परागत ज्ञान।

2 व्यर्थ सामग्री प्रबन्धन में परम्परागत ज्ञान–खाद्यान्न/वस्त्र/कागज आदि।

3 वन संरक्षण में परम्परागत ज्ञान।

4 परम्परागत घरेलू चिकित्सा।

इस सम्मेलन के समन्वय के लिए राष्ट्रीय बाल भवन के 10 स्टॉफ सदस्यों की एक टीम जूनागढ़ गई थी। कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए रूपायतन बाल भवन सहयोग प्रदान किया ।

6 जनवरी, 2015 को कार्यक्रम का उद्‌घाटन

इस सम्मेलन में जूनागढ़ के स्थानीय बच्चों सहित विभिन्न राज्य बाल भवनों एवं बाल केन्द्रों के लगभग 200 बच्चे मौजूद थे। उसमें 31 मान्यताप्राप्त बाल भवनों ने भाग लिया।

रूपायतन बाल भवन के आश्रम के बच्चों द्वारा प्रकृति वन्दना के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ।

जूनागढ़ प्रभाग के सम्माननीय अतिथियों ने दीप–प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्‌घाटन किया और गुजरात के विरासत स्थल के रूप में जूनागढ़ के परिप्रेक्ष्य में सम्मेलन, इसके महत्त्व एवं परिवेश के सम्बंध में अपने–अपने विचार रखे और समृद्ध बहुविध एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पर भी प्रकाश डाला। सम्मेलन में जूनागढ़ नगर पालिका के आयुक्त श्री संजय कारोडिया, महापौर जीतू भाई, उप महापौर गिरिश भाई, दादू भाई, रूपायतन के अध्यक्ष प्रफुल्ल भाई, रूपायतन के निदेशक श्री हेमन्त नानावती, वन विभाग के श्री विक्रम मान, प्रसिद्ध खगोल शास्त्री एवं वैज्ञानिक प्रोफेसर रावत गणमान्य अतिथियों के रूप में सम्मेलन में मौजूद रहे।

राष्ट्रीय बाल भवन की उपनिदेशक (कार्यक्रम) श्रीमती इन्द्राणी चौधुरी ने आगन्तुक अतिथियों का स्वागत किया और कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। श्रीमती आशा भट्टाचार्जी ने इस 3 दिवसीय कार्यक्रम तथा सहभागियों व उनके संरक्षकों से अपेक्षाओं पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर महापौर श्री जीतू भाई एवं प्रो0 जे0जे0 रावल ने रूपायतन बाल भवन में विज्ञान और खगोल शास्त्र पर एक गैलरी का विधिवत उद्‌घाटन किया। राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा इस परियोजना का वित्तपोषण किया गया।

रूपायतन बाल भवन के बच्चों तथा राज्य से आए सहभागियों ने उपरान्ह सत्र में एक प्रदर्शनी लगाई, जिसमें विभिन्न कला, पोस्टर, फोटोग्राफ तथा परम्परागत ज्ञान विषय गुजरात और मिथिला की पारंपरिक कलाएँ विषय रखा गया। हेमा बेन तथा दक्ष बेन ने गुजरात और कच्छ क्षेत्र की विभिन्न कढ़ाई से सम्बंधित कामकाज प्रदर्शित किया। ये शैली आधुनिकता के चलते प्रायः वैशिष्टता को प्राप्त हो चली है। इस गतिविधि से बच्चे अत्यन्त प्रभावित हुए और बच्चों ने अधिकाधिक वैविध्य जानकारी हासिल करनी चाही। राष्ट्रीय बाल भवन के श्री अनिरूल ईस्लाम और श्री वासुदेव ने मिथिला आर्ट के मूलभूत सिद्धांतों का प्रतिपादन किया।

दूसरे दिन आयुर्वेद कॉलेज से दो विशेषज्ञों तथा जूनागढ़ स्थित विज्ञान भवन केन्द्र के विद्वानों ने बच्चों के साथ विचार–विमर्श किया। बच्चों को सायंकाल वन्य जीवों पर एक फिल्म भी दिखाई गई।

6 से 9 जनवरी, 2015 तक श्री ऋषभ अरोड़ा और श्री मनोज मिश्रा ने परियोजना के सम्बंध में विषय का प्रतिपादन किया और राज्य सहभागियों द्वारा पावर–प्वाइंट प्रस्तुति दी गई।

श्री पीयूष भाई पाण्डया ने घरेलू उपचार पर अपना व्याख्यान देते हुए विचार–विमर्श किया। श्री पण्ड्या ने आम रोगों के बारे में रसोई घर में उपलब्ध उपचार से बच्चों को अवगत कराया तथा घरेलू बगीचे से आम और खास रोगों के उपचार की तकनीक समझाई।

श्री बसवाड़ा और उनके साथियों ने सहभागियों के साथ ऊर्जा के सम्बंधित मुद्दो पर विचार–विमर्श किया।

अपराह्न में गुजरात परिश्रेत्र के विशेष दल ने नृत्य एवं योग का रंगारंग कार्यक्रम पेश किये।

आश्रम के बच्चों ने विशेष गरबा नृत्य भी प्रस्तुत किया।

तीसरे दिन बच्चों को अपरकोट किले पर ले जाया गया, जहाँ जल प्रबन्धन व भण्डारण की प्राचीनतम प्रणाली मौजूद है। बच्चों ने अपरकोट किले के समीप स्थित बौद्ध गुफाओं का भी दौरा किया। वे पुराने जूनागढ़ शहर की विरासत को लेकर भ्रमण पर भी गए और उन्होंने महाबत खान के मकबरे का दौरा किया, जो मकबरे के चारों ओर अपने अद्वितीय घुमावदार टॉवरों तथा बेजोड़ पाषाणनक्काशी एवं जालीदार काम के लिए प्रसिद्ध है। सायंकाल राज्य के सहभागियों ने सम्मेलन के लिए दिए गए थीम पर अपने आलेख प्रस्तुत किए। आश्रम के बच्चों ने अपने सिर पर अग्नि लपटों से युक्त बर्त्तन रखकर विशेष गरबा पेश किए। बच्चों ने बगैर भय तथा सरलतापूर्वक लय–ताल से नृत्य शैली को निभाया। एक क्षण के लिए श्रोतागण बर्त्तन से निकलती लपटों को देख घबरा गए थे और चिन्ता ने उन्हें घेर लिया। सभी ने इस प्रस्तुति को काफी सराहा और नृत्य के बाद राहत की सांस ली।

तीसरे दिन भोजन पश्चात् सहभागियों को रूपायतन के पास वन क्षेत्र में घुमाया गया, जिसे समतल पर्वत अर्थात् छिपर कहा जाता है। यह भ्रमण सघन वन के बीच होकर गुजरता है और आगे चट्टानी क्षेत्र से होकर गहरे चढ़ना होता है। रूपायतन के बच्चे पिकनिक के लिए अक्सर 15 अगस्त को भारतीय तिरंगा फहराने के लिए यहाँ आते हैं। वन क्षेत्र से होकर गुजरना और पर्वत चढ़ना प्रकृति

से निकटता बढ़ाने का सर्वोत्तम तरीका है और बच्चों ने इस छोटे रोमांच का भरपूर आनन्द उठाया और इससे बच्चे अत्यन्त प्रसन्न थे तथा लौटते ही उन्हें लंच परोसा गया।

देर सायंकाल गुजरात के सिद्धि नृत्य की जीवन्त प्रस्तुति पेश की गई। दक्षिण पूर्व अफ्रीका से गुलाम पुर्तगालियों द्वारा भारत लाए गए थे, तभी से सिद्धि नृत्य यहाँ आया और जनजाति ने इसे निखारा। यद्यपि गुजराती सिद्धियों ने उनके आस–पास की भाषा और अनेक रीति रिवाजों को इसमें शामिल कर लिया है, किन्तु कुछ अफ्रीकी परम्पराओं को बरकरार रखा गया है। इनमें गोमा संगीत और नृत्य की विधा शामिल है, जिसे कभी कभार धमाल अर्थात् मौज–मस्ती कहा जाता है। कहा जाता है कि इस शब्द की उत्पत्ति गोमा ड्रमिंग और बन्तु पूर्व अफ्रीका की नृत्य शैली से हुई थी। गोमा का दार्शनिक महत्त्व भी है और नृत्य की चरम सीमा पर माना जाता है कि कतिपय नृतकों पर अतीत के सिद्धि संत की रूह भर जाती है। ''गोमा'' संगीत की व्यूत्पत्ति गोभा से हुई थी, जिसका तात्पर्य है ड्रम अथवा ड्रमों का समूह और इस अर्थ नृत्य का कोई भी अवसर इस नृत्य की शैली वनों और वन्य जीवों से हमें जोड़ती है जहाँ मूलरूप से परम्परागत ड्रमों का इस्तेमाल किया जाता है।

अगले दिन सासन गिर वन क्षेत्र का दौरा तय किया गया था, जहाँ गिर के शेर पाए जाते हैं। ये जंगल रूपातयन से करीब 100 कि.मी. की दूरी पर हैं। सूसन प्राधिकारियों द्वारा एक विशेष बस की व्यवस्था की गई थी। बच्चों ने समूह बनाकर चीतल, नीलगाय, चीते तथा सोते हुए शेरों को करीब से देखा। सासनगीर के कैम्प स्थल पर सम्मेलन के सहभागियों के लिए भोजन आदि की व्यवस्था की गई थी।

शाम को बच्चे रूपायतन व बाल भवन लौट आए। समापन कार्यक्रम में राज्य बाल भवन के बच्चों ने अपने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए और अनुभव सुनाए। बच्चों को सम्मेलन के दौरान प्रस्तुत किए गए कार्यक्रमों के लिए पुरस्कार भी प्रदान किए गए। प्रत्येक सहभागी को सहभागिता प्रमाण–पत्र भी दिया गया। राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा सभी बच्चों और उनके संरक्षकों को स्मृति–स्वरूप एक टी–शर्ट तथा स्मृति–भेंट और रूपायतन बाल भवन एवं पास के गुजरात बाल भवनों द्वारा एक–एक कैप भी वितरित की गई।

मुख्य कार्यक्रमों की विस्तृत रिपोर्ट

माननीय प्रधानमंत्री का स्कूल के बच्चों के साथ वार्तालाप का सीधा प्रसारण।

---

5 सितम्बर 2014, माननीय प्रधानमंत्री के स्कूली बच्चों के साथ हुए वार्तालाप के सीधे प्रसारण की स्क्रीनिंग राष्ट्रीय बाल भवन में की गई।

❖ राष्ट्रीय बाल भवन की 4 सदस्य संस्थाओं (गैर सरकारी संगठनों) से 417 बच्चों, 3 बाल भवन के बच्चों और अन्य स्थानीय बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन में सीधा प्रसारण देखा।

निम्नलिखित गैर–सरकारी संगठनों के बच्चों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया :–

- आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के बच्चों के लिए काम करने वाली संस्था 'वर्ल्ड होप फाउंडेशन' के 50 बच्चों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।
- सेंट स्टीफन अस्पताल भी आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के बच्चों के लिए काम करता है। सेंट स्टीफन अस्पताल की ओर से भी 51 बच्चों ने यह प्रसारण देखा। ये सभी बच्चे नंदनगरी झुग्गी बस्तियों के रहने वाले थे।
- गिरिहारा समाज, पहाड़ गंज – यह गैर–सरकारी संगठन भी आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों के लिए काम करता है। इस गैर–सरकारी संगठन के 42 बच्चों के भी सीधे प्रसारण का आनंद लिया।

- 'नव–जागृति' भी समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों के लिए काम करती है। इस संस्था से भी 63 बच्चों ने इस कार्यक्रम का प्रसारण देखा।

❖ दिल्ली के निम्नलिखित तीन बाल भवन केन्द्रों के बच्चों ने भी राष्ट्रीय बाल भवन में यह कार्यक्रम देखा।

  - बाल केंद्र पल्ला गांव – 68 बच्चे
  - बाल केंद्र नांगलोई – 48 बच्चे
  - बाल केंद्र पश्चिम विहार – 18 बच्चे

उसके अतिरिक्त आंध्रप्रदेश के आनंदपुर जिले के 25 बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन में यह कार्यक्रम देखा। बाकी 58 बच्चों में राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चे तथा अन्य स्थानीय बच्चे थे। राष्ट्रीय बाल भवन की ग्रामीण इकाई, जवाहर बाल भवन में भी लगभग 450 बच्चों ने इस कार्यक्रम का आनंद लिया।

राष्ट्रीय बाल सभा

राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकता शिविर का आयोजन प्रतिवर्ष 14 नवम्बर–20 नवम्बर तक किया जाता है, ताकि बच्चों के बीच एकता, मैत्री एवं सद्भावना बनी रहे।

राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर – 2014
विषय – 'स्वच्छता'

राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर का आयोजन 14 नवम्बर से 20 नवम्बर 2014 तक राष्ट्रीय बाल भवन कोटला रोड़, नई दिल्ली में किया गया। इस कार्यक्रम में देशभर से आए संबद्ध बाल भवन तथा बाल भवन केन्द्रों के तथा राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों एवं दिल्ली के बाल भवन केन्द्रों के बच्चों सहित 299 बच्चों एवं उनके साथ 112 एस्कार्ट ने भाग लिया। उनके रहने और भोजन का प्रबंध राष्ट्रीय बाल भवन के छात्रावास में किया गया था। इन प्रतिभागी बच्चों ने तय कार्यक्रम के अनुसार विभिन्न कार्यक्रमों तथा कार्यशालाओं में भाग लिया।

4

इस शिविर की मुख्य विशेषता थी इसमें 7(सात) विकलांग बच्चों का भाग लेना। जम्मू बाल भवन से 1 (दृष्टि बाधित), 1 शांति निकेतन बाल भवन जम्मू से ही (दृष्टिबाधित), आशा लता बाल भवन से (श्रवण शक्ति बाधित) तथा एक अन्य सिलवासा बाल भवन (दृष्टिबाधित) बच्चे थे। इस शिविर की एक अन्य महत्वपूर्ण विशेषता पंडित जवाहरलाल नेहरू की 125 की जन्मतिथि के अवसर पर बाल स्वच्छता मिशन की शुरूआत रही। इसीलिए सभा का विषय भी 'स्वच्छता' को ही चुना गया। इस वर्ष की बालसभा का अन्य आकर्षण 'बाल संसद' का आयोजन भी था। उद्घाटन समारोह के अवसर पर बालश्री पुरस्कार प्राप्त बच्चों सहित देशभर से आए 41 बच्चों द्वारा 'स्वच्छता' पर ही

आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति में कार्यक्रम में चार चांद लगा दिये। 5 से 15 नवम्बर 2014 तक के लिए इन बच्चों के रूकने की व्यवस्था राष्ट्रीय बाल भवन में ही की गई थी। इस समय के दौरान उन बच्चों ने बहुत परिश्रम से इस कार्यक्रम के लिए गायन नृत्य–प्रस्तुति तैयार की।

गीत – 'एक स्वप्न संजोया बापू ने' किलकारी बाल भवन, पटना के एक सदस्य बच्चे ने लिखा था जबकि शास्त्रीय नृत्य के लिए एक आइटम गीत 'स्वच्छ भारत' राष्ट्रीय बाल भवन के एक कर्मचारी डॉ. सतीश पारचा द्वारा लिखा गया। रामजस कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तथा अन्य बाल भवन केंन्द्रो के बच्चों ने इस सभा में आयोजित कार्यशालाओं में भाग लिया।

चित्र शीर्षक :– माननीया मानव संसाधन विकास मंत्री श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी 14 नवम्बर 2014 को 'बाल स्वच्छता मिशन' के उपलक्ष्य में हीलियम गुब्बारा उड़ाते हुए।

14 नवम्बर 2014 – इस विशेष दिवस का उद्देश्य था स्वच्छ स्कूल, खेल के मैदान एवं स्वच्छ वातावरण। बाल स्वच्छता मिशन 2014 का उद्घाटन 14 नवम्बर 2014 को मानव संसाधन विकास मंत्री श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी ने एक बड़ा हीलियम गुब्बारा आकाश में उड़ाकर किया, जबकि पारंपरिक परिधानों से सजे बहुत से बच्चों ने भी आकाश में रंग–बिरंगे गुब्बारे उड़ाए। इस उद्घाटन समारोह में दिल्ली के विभिन्न बाल भवन केन्द्रों से 1500 और गुड़गांव के निकट स्थित राष्ट्रीय बाल भवन के ग्रामीण केन्द्र जवाहर बाल भवन माण्डी गांव, से भी लगभग 100 बच्चों ने इस उद्घाटन कार्यक्रम में भाग लिया।

अन्य सम्मानीय अतिथि थे – श्रीमती वृन्दास्वरूप, अपर सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, श्री जे. आलम खान, संयुक्त सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, उपायुक्त के.वी.एस., श्री संतोष कुमार वर्मा, अध्यक्ष, केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, श्री नवीन जोशी–सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, श्री आर. भट्टाचर्जी, मंडल सदस्य एवं पूर्व प्रिंसिपल, मॉर्डन स्कूल, सुश्री लता वैद्यनाथन तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अन्य अधिकारीगण, राष्ट्रीय बाल भवन की अध्यक्ष सुश्री शालू जिंदल तथा निदेशक, राष्ट्रीय बाल भवन – डॉ. उषा कुमारी, एम. सी. ने अतिथियों का स्वागत किया। माननीया मंत्रीजी श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी ने विभिन्न राज्यों से आए बच्चों से बातचीत की। सभी अतिथियों का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। इस रंगारंग कार्यक्रम के पश्चात माननीया मंत्री ने 'नेहरू जी का स्वच्छ भारत का सपना बच्चों की नज़रों में' विषय पर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया, जिसमें राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों, दिल्ली के बाल भवन केन्द्रों तथा सदस्य सरकारी एवं निजी स्कूलों के बच्चों द्वारा बनाई गई पेंटिंग लगाई गई थी। इन बच्चों को राष्ट्रीय बाल भवन के म्यूजियम अनुभाग द्वारा आयोजित तीन कार्यशालाओं (जिसमें लगभग 100 बच्चों ने भाग लिया) में प्रशिक्षण दिया गया । इसके बाद माननीय मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्ज्वलित कर नवोदय विद्यालय समिति, मेरठ के विभिन्न स्कूलों द्वारा आयोजित बाल संसद का उद्घाटन किया। केन्द्रीय विद्यालयों के लगभग 300 बच्चों ने बाल संसद के श्रोताओं के रूप में आनंद लिया।

बाल संसद में बच्चों ने संसद सत्रों के पैटर्न पर शिक्षा प्रणाली पर आधारित कई सवाल–जवाब किये। इसके बाद समूह गान के बीच माननीय मंत्री ने ओपन एयर थियेटर में प्रवेश किया। राष्ट्रीय बाल भवन की अध्यक्ष श्रीमती शालू जिंदल ने उनका स्वागत किया। सबसे पहले माननीय मंत्री ने पंडित जवाहरलाल नेहरू जी की 125वीं जन्म तिथि पर बच्चों के साथ पुष्पार्पण किये।

चित्र शीर्षक – माननीय मंत्री जम्मू बाल भवन से आए एक दृष्टि बाधित बच्चे के साथ कुछ पल गुजारते हुए।

इसके बाद उन्होंने सरस्वती वंदना के गान के बीच सभी अतिथियों एवं सदस्य बच्चों के साथ मिलकर दीप प्रज्ज्वलित कर पारंपरिक तरीके से राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकता शिविर – 2014 का उद्घाटन किया।

इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों का दौर शुरू हुआ, जिसमें एक गीत 'स्वप्न संजोया बापू ने', बच्चों द्वारा 'स्वच्छता' विषय पर श्लोक वाचन, केन्द्रीय विद्यालय संगठन के बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम वाद्यवृंद तथा एक नृत्यगीत – 'स्वच्छ भारत, स्वस्थ्य भारत' का आयोजन किया गया। इसके पश्चात माननीय मंत्री ने केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित निबंध प्रतियोगिता के प्रथम पुरस्कार विजेता को 25000/– रू0 की पुरस्कार राशि (चेक द्वारा) भेंट की। निबंध प्रतियोगिता के दूसरे विजेताओं ने मंत्रीजी के साथ समूह फोटो खिंचवाए। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 'उड़ान' योजना के अंतर्गत इंजीनियरिंग की तैयारी कर रही वरिष्ठ माध्यमिक स्तर की 5 (पांच) लड़कियों को 'टेबलेट' दिये गए। माननीय मंत्री ने वर्ष 2013 में मिस्र के अरब गणतंत्र द्वारा 'विश्व के बच्चों की नजरों में मिस्र' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय फोटो प्रतियोगिता में विजयी रहे राजकोट बाल भवन में आयोजित प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार दिए, तत्पश्चात् माननीय मंत्री ने उपस्थित जनों को संबोधित किया। 14 नवम्बर 2014 को बाल दिवस के अवसर पर देशभर के बच्चों के साथ होने में उन्होने प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने बच्चों को 'पूर्ण स्वच्छता' का लक्ष्य प्राप्त कर लेने के शारीरिक स्वच्छता और वातावरण की साफ–सफाई के साथ मस्तिष्क और आत्मा की स्वच्छता पर और सुझाव अक्षम बच्चों को देश में शिक्षा के स्तर के बारे में अपने विचार और सुझाव देने के लिए आमंत्रित किया।

उद्घाटन समारोह राष्ट्रगान के साथ समाप्त हुआ। प्रतिदिन बच्चों ने 21 (इक्कीस) कार्यशालाओं में भाग लिया।

1. सृजनात्मक चित्रकला
2. माईम
3. प्रयोग हुए प्लास्टिक बैग्स से सुई का प्रयोग करते हुए कुछ बनाना
4. कैमरे से शूटिंग
5. संगीत–बद्ध रचना
6. हैप्पी फीट एंड हैन्डस (कत्थक)
7. विज्ञान के मनोरंजक खिलौने
8. कठपुतली बनाना
9. मधुबनी
10. मिश्रित नृत्य
11. तबले की धुन
12. लोक गीत – संगीत
13. कूड़े को व्यर्थ मत करो, मुझे दो
14. पोस्ट कार्ड कार्यशाला
15. अपनी डायरी खुद बनाओ
16. लकड़ी के बचे टुकड़ों से पोर्टेट बनाना सीखें
17. प्रयोग किये हुये प्लास्टिक बैग से मैट बनाना
18. सृजनात्मक खेल
19. मिट्टी का खेल
20. थियेटर
21. पारंपरिक नायकों पर कहानी वाचन।

इन कार्यशालाओं के लिए विशेषज्ञ आमंत्रित जन थे। नाट्यकला के लिए श्री आशीष घोष, माईम के लिए श्री स्वप्न सरकार, सृजनात्मक पेंटिंग के लिए श्री पदमचंद, कहानी सुनाने एवं जीवनशैली के लिए मानव उन्नयन संस्थानों से भी विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया।

शाम को भारत की पारंपरिक प्रदर्शन कलाओं पर विश्व प्रसिद्ध जादूगर बी. कामेश का जादू का शो हुआ। आश्चर्य और मनोरंजन से भरे इस कार्यक्रम का बच्चों ने खूब आनन्द उठाया।

चित्र शीर्ष (पेज –20) – राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चे विभिन्न शास्त्रीय नृत्यों के माध्यम से संदेश देते हुए।

15 नवम्बर 2014

इस दिन का थीम था – स्वच्छ भोजन।

राष्ट्रीय बाल भवन में ठहरे हुए बच्चों ने पारंपरिक एवं सृजनात्मक मनोरंजनक खेलों जैसे हिट मी, बैंग–बैंग, बॉल इन द जोकर और बॉल इन दॅ ग्लास जैसे खेलों में भाग लिया। बच्चों को इसमें बहुत मजा आया। इन खेलों में विजेता बच्चों को चॉकलेट और टॉफियाँ बांटी गई। इसके बाद उत्तर और पूर्वी मंडल के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये।

शाम को प्रसिद्ध भारतनाट्यम नृत्यांगना श्रीमती जयालक्ष्मी ईश्वर ने व्याख्यान के साथ–साथ अपनी कला का नमूना भी दिखाया। इससे बच्चों को भारतनाट्यम नृत्य की बारीकियाँ समझने में काफी मदद मिली।

16 नवम्बर 2014

इस दिन का थीम था – दिल्ली की खोज।

सुबह बच्चे राजघाट, गाँधी स्मृति संग्रहालय, शांति वन और लोटस टैम्पल गये। इससे बच्चे दिल्ली की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक पाते हुए कुछ ऐतिहासिक स्थलों को अच्छी तरह देख पाए।

शाम के समय कथकली अंतर्राष्ट्रीय केंद्र से अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकार डॉ. राजेन्द्रन पिल्लई अपने समूह के साथ आए और बच्चों को व्याख्यान दिया और उनके सामने अपनी कला का प्रदर्शन किया। इससे बच्चों को कथकली नृत्य को समझने में काफी मदद मिली।

सुबह बच्चे राजघाट, गाँधी स्मृति संग्रहालय, शांति वन और लोटस टैम्पल गये। उनके सामने अपनी कला का प्रदर्शन किया। इससे बच्चों को कथकली नृत्य को समझने में काफी मदद मिली। बैंग–बैंग, बॉल इन द जोकर और बॉल इन दॅ ग्लास जैसे खेलों में भाग लिया। बच्चों को इसमें बहुत मजा आया। इन खेलों में विजेता बच्चों को चॉकलेट और टॉफियां बांटी गई। इसके बाद उत्तर और पूर्वी मंडल के बच्चों ने सांस्कृति कार्यक्रम प्रस्तुत किये।

17 नवम्बर, 2014

दिन का थीम था – स्वंय की स्वच्छता, बाल स्वास्थ्य एवं निजी स्वच्छता

उत्तरी, केन्द्रीय और दक्षिणी – । मंडल के बच्चों ने "ऍयरो प्लेनेट" की यात्रा की। एयरो प्लेनेट एक ऐसा स्थान है जहाँ बच्चों ने वायुयान के अंदर के वातावरण का अनुभव किया और मनोरंजक कार्यकलापों के माध्यम से ऍयरो डायनमिक्स का विज्ञान सीखा। बच्चों ने इस यात्रा का काफी आनंद लिया। पूर्वी, दक्षिणी – ।। तथा पश्चिमी मंडल के बच्चों ने विभिन्न कार्यशालाओं में भाग लिया।

दोपहर के बाद पश्चिमी मंडल के बच्चों ने सांकृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इसके बाद डॉ. इंदु ग्रेवाल (डॉक्टर, केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो नई दिल्ली) ने पावर प्वाईंट प्रस्तुति के माध्यम से बच्चों को निजी साफ–सफाई एवं स्वच्छता के बारे में समझाया। इस सत्र से बच्चों को भोजन से पूर्व अपने हाथ भली प्रकार धोने की प्रेरणा मिली।

शाम के समय राष्ट्रीय बाल भवन के कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जिसमें श्री जी. एस. बेदी ने सितार और सुरबहार बजाया, बांग्ला लोकगायक श्री राणा मुखर्जी, गज़ल श्री रहमत खान लंगा और सुश्री नेहा, कत्थक श्री भगवती प्रसाद पांडे और भरतनाट्यम श्री चंद्रमणि ने प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय बाल भवन के कर्मचारियों द्वारा प्रस्तुत इस कार्यक्रम की काफी सराहना की गई।

18 नवम्बर, 2014

इस दिन का थीम था – स्वच्छ "पीने का पानी"।

उत्तरी, केन्द्रीय और दक्षिणी – ।। मंडल के बच्चे जहाँ एयरोप्लेनेट की यात्रा पर गए वहीं पूर्वी, पश्चिमी, दक्षिणी – । मंडल के बच्चों ने कई कार्यशालाओं में भाग लिया।

दोपहर में, दक्षिणी मंडल – ।। के बच्चों ने प्रस्तुतियाँ दीं। शाम के समय "पंडावनी" की "कापालिक शैली" की गायक पदमत्तीश्री डॉ. तीजन बाई ने व्याख्यान दिया एवं अपनी कला का प्रदर्शन भी किया, जिससे दर्शक रोमांचित हुए। इस कार्यक्रम का आयोजन स्पिक– मैके के सहयोग से आयोजित किया गया था।

19 नवम्बर, 2014

इस दिन का थीम था – ''स्वच्छ शौचालय'', बच्चों ने गुलाब की कलियाँ रोपने के कार्यक्रम में भाग लिया और पर्यावरण संबंधी गीत गाए। डॉ. बी. सी. सबाता (वैज्ञानिक एवं पर्यावरणविद) ने पर्यावरण संबंधी विषय पर बच्चों से बात की। दोपहर में दक्षिणी – । और केन्द्रीय मंडल के बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समापन समारोह का आयोजन अपराहन 3:00 से अपराहन 5:00 तक सम्पन्न हुआ, जिसमें राष्ट्रीय बाल भवन की अध्यक्ष श्रीमती शालू जिंदल, श्रीमती सुपर्णा पचौरी, निदेशक, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय आदि मुख्य अतिथि थीं। कार्यशालाओं के दौरान बच्चों द्वारा तैयार किए कलात्मक कार्यों की भी प्रस्तुति की गई। बच्चों ने कार्यशालाओं के दौरान जो चीजें बनाई थीं, उसकी प्रस्तुति भी की गई। बच्चों ने कार्यशालाओं के दौरान सीखे हुए नाटकों, माईम, गीतों, नृत्य तथा कठपुतली कला का प्रदर्शन भी किया। उन्होंने अपने अनुभव भी बाँटे।

शाम के समय प्रसिद्ध कलाकार सुश्री कविता द्विवेदी का व्याख्यान–सह–प्रदर्शन हुआ। "ओडिसी नृत्य" पर बातचीत कार्यक्रम में बच्चे प्रोत्साहित हुए। यह कार्यक्रम भी स्पिक मैके के सहयोग से आयोजित किया गया था।

20 नवम्बर, 2014

सभी बच्चों को "मैं स्वच्छ हूँ" लिखी टी–शर्ट स्मृतिचिन्ह के रूप में भेंट की गई। राष्ट्रीय बाल भवन के बच्चों द्वारा तैयार किए गए प्रमाण पत्रों तथा उपहारों और राष्ट्रीय बाल भवन को दानस्वरूप प्राप्त पुस्तकों का वितरण भी सभी टीमों को किया गया।

31वाँ अखिल भारतीय बाल भवन निदेशक तथा अध्यक्ष सम्मेलन

23 – 25 मार्च, 2015

31वें अखिल भारतीय बाल भवन निदेशक तथा अध्यक्ष सम्मेलन का आयोजन 23 तथा 24 मार्च, 2015 को राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (इनसा) में किया गया।

सम्मेलन की शुरूआत 23 मार्च, 2015 को परिचय तथा उद्घाटन सत्र के साथ हुई। इसकी अध्यक्षता श्रीमती शालू जिंदल, अध्यक्ष, राष्ट्रीय बाल भवन ने की तथा मुख्य अतिथि श्री जे. आलम, संयुक्त सचिव, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने इस सम्मेलन का पारंपरिक रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ किया। इससे पहले राष्ट्रीय बाल भवन की अध्यक्ष ने मुख्य अतिथि तथा अन्य सभी अतिथियों का औपचारिक स्वागत किया। इस अवसर पर बाल भवन के बच्चों ने एक स्वागत गीत भी प्रस्तुत किया।

श्रीमती उषा कुमारी एम.सी., निदेशक, राष्ट्रीय बाल भवन ने सबका स्वागत किया। इसके बाद सम्मेलन में भाग लेने वाले सभी 57 प्रतिनिधियों ने अपना परिचय दिया और अपने–अपने बाल भवनों में संचालित कार्यकलापों की जानकारी दी। इस सत्र के दौरान सभी प्रतिभागियों ने केवल एक ही सिफारिश की –

"अध्यक्ष और निदेशक दोनों को, पूर्ण सम्मेलन में भाग लेने अर्थात् दोनों दिन के लिए आमंत्रित किया जाना चाहिए और इस बारे में सरकार द्वारा संचालित गैर–सरकारी संगठनों अथवा निजी संस्थाओं द्वारा संचालित बाल भवनों के अध्यक्षों तथा निदेशकों के अधिकारों में कोई अंतर नहीं होना चाहिए।"

अगले सत्र में डॉ. अमिता जोसेफ, निदेशक, बिजनेस कम्युनिटी फाउंडेशन (बी.सी.एफ.) तथा श्री वैभव चौहान ने सभी प्रतिभागियों को सी.एस.आर. (कारपोरेट सोशल रिस्पांसिब्लिटी) के विषय में विस्तारपूर्वक बताया। सी.एस.आर. शब्द को परिभाषित करते हुए उन्होंने बताया कि कंपनी अधिनियम की धारा 134 एवं 135 में कारपोरेट घरानों की सांस्कृतिक सामाजिक उत्तरदायित्व के बारे में बताया हुआ है। इनके अनुसार, कंपनियों को अपने लाभ का 2 प्रतिशत सी.एस.आर. के लिए लौटाना पड़ता है। उन्होंने यह भी कहा कि समाज कल्याण हेतु धनराशि का दान हमारी पुरानी परंपरा रही है। सभी धर्मों में यह परंपरा है और महात्मा गाँधी ने इसी उद्देश्य से "ट्रस्टीशिप" की शुरूआत की थी।

इस सत्र के दूसरे वक्ता श्री वैभव चौहान ने प्रतियोगियों को सूचना दी कि 100 सर्वोत्तम कंपनियों को एस.ए.वी.वाइ.0 को रिपोर्ट करना होता है तथा इन कंपनियों के बी.आर.आर. नेट पर उपलब्ध है। उन्होंने सुझाव दिया प्रतिभागियों को स्वयं यह देख लेना चाहिए कि वे किस कंपनी से संपर्क कर सकते हैं, लेकिन इसके लिए उनके पास विनिर्दिष्ट परियोजना होनी चाहिए।

सी.एस.आर. के दिशानिर्देशों के बारे में बातचीत करते हुए डॉ. अमिता ने प्रतिनिधियों को वे बातें भी बताई जिनका ध्यान रखा जाना आवश्यक है जैसे –

– सिद्धांतों की उपेक्षा न करें।

– पृथ्वी तथा पर्यावरण को नुकसान पहुँचाने वाली कंपनियों, तंबाकू उत्पाद तथा जंक फूड आदि बनाने वाली कंपनियों से संपर्क न करें।
– कंपनी के व्यवहार का विश्लेषण करें।
– यदि संभव हो तो कोर निधि प्राप्त करने का प्रयास करें।
– निधियों में विविधता हो तो अधिक अच्छा रहेगा।

इस सत्र के दौरान किये गए विचार–विमर्श तथा दिए गए सुझावों से यह निष्कर्ष निकला कि इस विषय में बाल भवन को "नोडल एजेंसी" की भूमिका निभानी चाहिए।

सम्मेलन के तीसरे सत्र में "तकनीकी प्रगति के इस वर्तमान युग में बच्चों के व्यक्तिगत तथा प्रतिभा के विकास में बाल भवन की भूमिका तथा अपेक्षा" विषय पर समूह चर्चा का आयोजन किया गया।

जिन विशेषज्ञों ने पैनल–चर्चा में भाग लिया उनमें से प्रमुख थे –

विख्यात कठपुतली कलाकार पदमश्री दादी पद्मजी, प्रसिद्ध थियेटर कलाकार सुश्री बबल्स सब्भरवाल, प्रसिद्ध मोहिनीअट्टम नृत्यांगना सुश्री जया प्रभा मेनन, श्रीमती लता वैद्यनाथन, शिक्षाविद्, रा0बा0भ0 मंडल सदस्य तथा मॉर्डन स्कूल बाराखम्भा रोड़, नई दिल्ली की पूर्व प्रधानाचार्या, डॉ. नारायणी गुप्ता, जानी–मानी इतिहासविद तथा आई.एन.टी.ए.सी.एच. की सलाहकार तथा सुश्री सुधा रघुरामणन – कर्नाटक संगीत की विख्यात गायिका।

इन पैनल चर्चा के परिणाम स्वरूप तथा प्रतिनिधियों के पैनल से परिचय के दौरान निम्नलिखित निष्कर्ष निकला – बाल भवन के माध्यम से नई पीढ़ी को पारंपरिक कलाएँ सिखाने की अपेक्षा की जा सकती है। बाल भवन में ई–कक्षाएँ आयोजित की जा सकती हैं या फिर "स्पिक मैके" की भाँति मोबाईल कार्यशालाएँ आयोजित करना भी एक विकल्प है। बाल भवन को विविध क्षेत्रों के विशेषज्ञों को आमंत्रित करके उनसे प्रस्तुतियाँ तथा नमूना प्रस्तुति आदि का आयोजन करवाना चाहिए और इसका बड़े पैमाने पर विज्ञापन भी करना चाहिए। जो बच्चे वहन कर सकते हैं उनके लिए शुल्क रखा जाए, जबकि जो बच्चे आर्थिक रूप से अक्षम हैं, उनके लिए इसे निःशुल्क रखा जा सकता है। इसकी शुरूआत कहानी वाचन और थियेटर से की जा सकती है तथा अन्य कार्यकलाप/कार्यक्रमों को इसके बाद में शामिल किया जा सकता है। बच्चों के सामूहिक प्रयासों को प्रोत्साहन देने हेतु सामूहिक कार्यकलाप आयोजित किए जा सकते हैं। इसके लिए निजी क्षेत्र की सहायता भी ली जा सकती है। बाल भवन की "ब्रांडिंग" की जानी आवश्यक है। विविध कार्यशालाओं के आयोजन के लिए प्रसिद्ध एवं जाने माने कलाकारों का एक पैनल बनाया जा सकता है – इस आशय का विज्ञापन सभी सरकारी तथा निजी स्कूलों तक भी पहुँचाया जाना चाहिए।

बच्चों को सशक्त बनाने के लिए सभी कार्यक्रम/कार्यकलापों में परस्पर समन्वय होना चाहिए ताकि बच्चे इनमें अधिक से अधिक रूचि लें। पारंपरिक कला को बढ़ावा दिया जाना चाहिए ताकि बच्चों को विविधतापूर्ण तथा स्वस्थ अनुभव हों, चाहें इसके लिए अदल–बदल कर विशेषज्ञ/अध्यापकों की सेवाएँ ली जाती रहें।

इस पैनल चर्चा के बाद, राष्ट्रीय बाल भवन की उपाध्यक्ष डॉ. इन्दुमत्ती राव ने प्रतिभागियों को संबोधित किया तथा सक्षम बच्चों पर आधारित एक पावरप्वाईंट प्रस्तुति दी। चायपान के बाद वाले सत्र में, संबद्ध बाल भवनों तथा बाल केन्द्रों की समस्याओं एवं नीतियों पर चर्चा की गई। इनमें मुख्य समस्याएँ थीं – सहायता अनुदान राशि, स्थानीय बालश्री विज्ञापन राशि की प्रतिपूर्ति एम.एस.जे.ई. परियोजना की दूसरी किस्त आदि। इन सब समस्याओं को अध्यक्ष, बाल भवन ने धैर्यपूर्वक सुनकर उनका समाधान किया। शाम के समय रा.बा.भ. के प्रदर्शन अनुभाग के कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया, जिसका सभी उपस्थित अतिथियों ने आनंद लिया।

24 मार्च, 2015

सुबह के विचार–विमर्श की शुरूआत संशोधित बालश्री योजना के साथ हुई। अध्यक्ष, बाल भवन ने सभी प्रतिनिधियों को अधिकतम बच्चों तक बालश्री योजना का लाभ पहुँचाने के लिए संशोधन की आवश्यकता स्पष्ट की। ये प्रतिनिधि (सरकारी तथा निजी दोनों प्रकार के बाल भवन) राज्यस्तरीय बालश्री चयन शिविर आयोजित करने की उत्तरदायित्व बाँटना चाहते थे। प्रोत्साहन पुरस्कारों, बाल भवन तथा बाल भवन केन्द्रों की संबद्धता के लिए बीज राशि संबंधी दिशानिर्देश तथा नए बाल भवन खोलने आदि विषयों पर भी चर्चा की गई। अपने–अपने सुझाव देने के लिए सभी प्रतिनिधियों को समूहों ने बाँट दिया गया। सभी समूहों ने अपने सुझाव दिये और अंतिम संयोजन हेतु अपनी स्वीकृति दी।

अगले सत्र में प्रसिद्ध लेखिका एवं विदुषी, श्रीमती नासिरा शर्मा, पूर्व मंडल सदस्य, रा.बा.भ. ने प्रतिभागियों से बातचीत की। उन्होंने सभी बाल भवनों के अध्यक्षों तथा निदेशकों से समाज के निचले तबके के बच्चों के लिए विशिष्ट पहल करने की अपील की। अगले सत्र में संबद्ध बाल भवनों तथा बाल भवन केन्द्रों को आवर्ती तथा अनावर्ती सहायता अनुदान राशि जारी करने में रा.बा.भ. के सामने अपने वाली कई समस्याओं जैसे संबद्धता शुल्क प्राप्त न होने, उपयोग प्रमाण पत्र आदि के संबंध में चर्चा की गई। शाम के समय रा.बा.भ. के सदस्य बच्चों ने सभी प्रतिनिधियों के सामने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये तथा इसके बाद सदस्यों (सदस्य बच्चों द्वारा तैयार कार्यक्रम) ने प्रस्तुति दी।

25 मार्च, 2015

जो प्रतिनिधि घूमना चाहते थे, उन्हें "हुमायूँ के मकबरे" में "हैरिटेज वॉक" के लिए ले जाया गया, जबकि अन्य ने अपने टी.ए./डी.ए. प्रपत्र आदि जमा करवाए।

भोजनावकाश के बाद सम्मेलन का सफल समापन सम्पन्न हुआ।

<u>अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम</u>

अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने राष्ट्रीय बाल भवन को बच्चों के समुचित विकास की दिशा में कार्य करने वाली अग्रणी संस्था मानकर राष्ट्रीय बाल भवन के मौलिक दर्शन की सराहना की है। यह बात इस तथ्य से स्पष्ट होती है कि राष्ट्रीय बाल भवन को विश्व के कई देशों द्वारा सांस्कृतिक आदान–प्रदान के विविध कार्यक्रमों द्वारा स्थायी संबंध बनाने तथा मॉरीशस में बच्चों के लिए एक सृजनात्मकता केन्द्र खोलने के लिए आमंत्रित किया गया है। राष्ट्रीय बाल भवन के प्रयासों को इससे प्रोत्साहन मिला है और इस प्रकार बाल भवन में सीमाएँ पार कर कई अंतर्राष्ट्रीय क्षितिजों जैसे मंगोलिया, किर्गीज गणतंत्र मारीशस, चीन, रूस, कुवैत, नार्वे, कजाकिस्तान, नेपाल तथा मलयेशिया आदि देशों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। राष्ट्रीय बाल भवन ने पहले भी दक्षेस देशों के बच्चों के लिए टेलीस्कोप बनाने संबंधी कार्यशाला का आयोजन किया था। कोलम्बो योजना के अंतर्गत राष्ट्रीय बाल भवन के कर्मचारियों ने संयुक्त राज्य अमेरिका में आयोजित पर्यावरण प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम में भी भाग लिया। इसके अतिरिक्त हमारी अंतर्राष्ट्रीय बाल सभा तथा एकीकरण शिविर में किर्गीज गणतंत्र, उजबेकिस्तान, कुवैत, रूस, नेपाल, मंगोलिया, मारीशॅस, ईटली तथा नार्वे आदि के बच्चों ने भाग लिया और विविध देशों के साथ सांस्कृतिक आदान–प्रदान के परस्पर कार्यक्रम में हमारे बच्चों ने भी भारत का प्रतिनिधित्व किया।

REPORT OF JAWAHAR BAL BHAVAN MANDI

जवाहर बाल भवन, माण्डी

साठ के दशक के मध्य में, जवाहर बाल भवन स्थापित करने की एक योजना प्रारंभ की गई । देश के विभिन्न राज्यों में कई बाल भवन स्थापित किए गए और राज्यों में स्थित इन बाल भवनों के लिए एक 'नोडल एजेंसी' के रूप में कार्य करने हेतु उन प्रदेशों में जवाहर बाल भवनों की स्थापना की गई । माण्डी स्थित जवाहर बाल भवन उसी योजना का विस्तार था, जिसे प्रारंभ में 'नेहरू स्मारक निधि' द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की गई । माण्डी स्थित इस ग्रामीण बाल भवन ने सन 1972 में माण्डी गाँव की 'चौपाल' में कार्य करना प्रारंभ किया।

3 फरवरी, 1973 को बाल भवन की इस ग्रामीण इकाई का उद्घाटन श्रीमती इंदिरा गाँधी द्वारा किया गया और उसे नाम दिया गया जवाहर बाल भवन, माण्डी। माण्डी की ग्राम सभा द्वारा उपलब्ध कराई गई लगभग 4.75 एकड़ जमीन पर स्थित यह ग्रामीण केंद्र माण्डी, महरौली, जौनापुर, गदईपुर, सुल्तानपुर, मंगलापुरी व ग्वाल पहाड़ी, बंधवाड़ी, असोला, आयानगर, घिटोरनी, छतरपुर, मैदान गढ़ी, राजपुर, सतबाडी, चंदनहोला, फतेहपुर बेरी, डेरा, भाटी माइंस तथा नेब सराय के गांवों के बच्चों की जरूरतों को पूरा करता है।

इस जवाहर बाल भवन में शारीरिक शिक्षा, कला व शिल्प, सिलाई, काष्ठशिल्प तथा क्ले मॉडलिंग की गतिविधियाँ उपलब्ध हैं। माण्डी बाल भवन ने ग्रामीण बच्चों की रुचि का काफी परिष्कार किया है तथा हाल ही में लोकप्रियता तथा मांग को देखते हुए फोटोग्राफी तथा कम्प्यूटर जागरूकता कार्यकलाप भी यहाँ प्रारंभ किया गया है।

माण्डी तथा अन्य निकटवर्ती गाँवों के बच्चों के मानसिक, शारीरिक तथा सांस्कृतिक विकास में जवाहर बाल भवन, माण्डी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह ग्रामीण बाल भवन कम्प्यूटर, सिलाई तथा बुनाई मशीनों व पुस्तकालय आदि से सुसज्जित हैं। शिल्पकला, मूर्तिकला, पेंटिंग, काष्ठ–शिल्प, फोटोग्राफी आदि को सीखने के पर्याप्त अवसर यहाँ उपलब्ध हैं तथा आसपास के गाँवों के बच्चे अपने समग्र विकास हेतु इनका भरपूर उपयोग कर रहे हैं। बच्चों को विभिन्न विषयों संबंधी नवीन जानकारी प्रदान करने हेतु समय–समय पर यहाँ विभिन्न प्रकार की कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं। इन कार्यशालाओं में मेहंदी लगाने/रचाने की पारंपरिक कला, जिल्दसाज़ी, स्क्रीन–प्रिंटिंग, पतंग बनाने की कला, पेपर–मैशी, मूकाभिनय, संगीत, एअॅरो मॉडलिंग, मछलीघर बनाने, मछली पालन तथा घरेलू उपकरणों की मरम्मत की कार्यशालाएँ विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं।

वर्ष 2014–15 में 8 विद्यालयों एवं संस्थाओं ने सदस्यता प्राप्त की। 05 सितम्बर, 2014 को "अध्यापक दिवस" मनाया गया, जिसमें 450 बच्चों ने प्रधानमंत्री जी का भाषण सुना व देखा। सैंकड़ों बच्चों ने गतिविधियों में भाग लिया एवं हज़ारों ने जवाहर बाल भवन, माण्डी का भ्रमण किया। 02 अक्तूबर, 2014 को "स्वच्छ भारत मिशन" के अन्तर्गत कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसने पूरे स्टाफ ने सफाई अभियान में भाग लिया।

संबद्ध राज्यों से प्राप्त रिपोर्ट

बाल भवन जयपुर

बाल भवन ने पूरे वर्ष निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं :–

•दो दिवसीय "माटी" उत्सव का आयोजन किया गया। इस उत्सव के उद्देश्य थे – पर्यावरण संबंधी मुद्दों जैसे – वनों के घटते जाने, ओजोन परत का क्षय, घटते जल संसाधन आदि को प्रमुखता से उठाना। इस कार्यक्रम में क्ले–मॉडलिंग, पोस्टर–निर्माण तथा मिट्टी मृदा के औषधीय प्रयोग को समझाने जैसे कार्यकलाप किए गए।

•तंबाकूरोधी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें एक ओर तो बच्चों को तंबाकू का आदी होने से रोका गया जबकि जिन्हें पहले से यह लत लगी हुई है, उनकी लत छुड़ाने का भी प्रयास किया गया। इस अवसर पर नुक्कड़ नाटक, क्विज, वाद–विवाद, पोस्टर–निर्माण कविता–पाठ तथा मूवी शो आदि कार्यकलापों के माध्यम से तंबाकू–रोधी अभियान को प्रोत्साहित किया गया।

•विश्व विरासत दिवस के अवसर पर जयपुर चिड़ियाघर की सैर कराई गई, जहाँ बच्चों ने देश के विविध वन्य जीवों को देखा एवं उनके बारे में सीखा। अल्बर्ट म्यूजियम के दौर से भी बच्चों को इतिहास के दर्शन एवं इसकी महत्ता समझने का अवसर मिला।

•मुखौटे तथ कठपुतलियों, सृजनात्मक लेखन, डिजिटल फोटोग्राफी, खगोल विज्ञान एवं विज्ञान संबंधी कार्यकलापों का आयोजन किया गया।

•इतिहास–दर्शन दिवस एवं पतंग उड़ाने का दिवस मनाया गया।

•बाल भवन एवं 2 बाल केन्द्रों के बच्चों ने जन्माष्टमी के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया।

•बच्चों को बापू की शिक्षाओं तथा उनके अहिंसा एवं सत्याग्रह संबंधी विचारों से अवगत कराने के लिए गाँधी जयंती मनाई गई। इस अवसर पर सृजनात्मक लेखन, प्रदर्शन कलाओं, सृजनात्मक खेलों, चित्रकला तथा फोटो प्रदर्शनी आदि का आयोजन किया गया।

•केन्द्रीय महिला जेल में रहने वाले बच्चों के साथ दिवाली मनाई गई। जयपुर बाल भवन के बच्चों ने जेल परिसर को सजाया तथा इन बच्चों के साथ खेले और उन्हें मिठाईयाँ दी।

•निःशक्त (अक्षम) बच्चों के लिए "ट्रॉटज एलेन" नाम का विशिष्ट कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की सरंचना संवादात्मक थी, जिससे बच्चे एक–दूसरे से भी सीख सकें।

•"मैत्री मेला" नाम से एक आवास शिविर का आयोजन किया गया तथा विभिन्न स्कूलों से आए 1020 बच्चों ने प्रकृति की गोद में इस तीन दिवसीय शिविर का आनंद लिया।

•जयपुर साहित्य उत्सव में "छोटे हाथ–बड़ी बात" पुस्तक का विमोचन किया गया। कुछ युवा लेखकों ने इस पुस्तक में अपने लिखित अंशों को भी पढ़ा।

राज्य बाल भवनों की झलकियाँ
Nimbus of State Bal Bhavans

गरवारे सामुदायिक केन्द्र, औरंगाबाद

•थियेटर और फिल्म, कंप्यूटर एनिमेशन तथा डिज़ाईनिंग, फोटोग्राफी, रंगोली, चेहरा रंगना, लोक कलाएँ, रोबोटिक्स आदि कार्यकलापों से संबंधित कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

•चित्रकला, निबंध लेखन, मराठी सुगम संगीत, किक बाक्सिंग एवं करांटे आदि प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई।

•"गणपति विशेष" थीम पर पुस्तक मेले का आयोजन किया गया। श्री अनंत काले ने पुस्तकों का संकलन किया।

•"बाल अधिकार" पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 1050 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

•राष्ट्रीय शिक्षा दिवस, बाल दिवस, गणतंत्र दिवस तथा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया।

•स्वच्छता संदेश रैली का आयोजन किया गया। 570 बच्चों तथा उनके अभिभावकों ने इसमें भाग लिया।

•विद्यार्थियों ने महाराष्ट्र कामगार कल्याण केन्द्र द्वारा आयोजित नाटक प्रतियोगिता में भाग लिया और "माजा भारत–स्वच्छ भारत" नाटक आयोजित किया।

•एड्स जागरूकता पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें लगभग 300 विद्यार्थियों तथा अध्यापकों ने भाग लिया।

•रमन विज्ञान केन्द्र तथा दीक्षा भूमि तथा नागपुर के अन्य स्थानों पर शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया।

•5 बच्चों तथा उनके साथ आए दो एस्कार्टों ने बाल दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय बाल भवन के कार्यक्रमकों में भाग लिया।

•एक एस्कार्ट सहित दो विद्यार्थियों ने "जूनागढ़" में आयोजित राष्ट्रीय युवा पर्यावरणविद् सम्मेलन में भाग लिया तथा पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता एवं कृमि कंपोस्टिंग पद्धति पर परियोजना प्रस्तुति में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

•बाल श्री सम्मान 2011 के अंतर्गत तीन विद्यार्थियों अंकिता धवले (सृजनात्मक लेखन), कल्याणी तकलकर (वैज्ञानिक नव–प्रवर्तन) तथा रोहन दैयानकर (सृजनात्मक कला) ने बाल श्री सम्मान प्राप्त किया।

•बाल श्री 2012 के अंतर्गत दो विद्यार्थियों चैताली मुरांवीकर (वैज्ञानिक नव प्रवर्तन) तथा अपूर्वा जॉल्मींकर (सृजनात्मक लेखन) क्षेत्र में बाल श्री सम्मान प्राप्त किया।

•बच्चों ने "स्वच्छता अभियान" नाम से नुक्कड़ नाटक आयोजित किया।

•प्राकृतिक रंग बनाने संबंधी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

रंगप्रभात बाल भवन, तिरूवनंतपुरम

•10 दिवसीय बाल विकास मेले का आयोजन किया गया और इसमें दाँतों की चिकित्सा का कैम्प, वृक्षारोपण, "किरकारी बाल भवन" द्वारा "न्याय" का प्रस्तुतीकरण, कहानी वाचन, थियेटर कार्यशाला, चित्रकला प्रतियोगिता, केरल पुलिस विभाग द्वारा आयोजित नाटक "अम्मू", रेतपर कलाकृति कार्यशाला एवं कथकली कार्यशाला का आयोजन किया गया।

•स्वतंत्रता दिवस, राष्ट्रीय एकता दिवस, बाल दिवस, अध्यापक दिवस आदि दिवस मनाए गए।

•बाल थियेटर उत्सव का आयोजन किया गया।

•बाल भवन के बच्चों ने किलकारी बाल भवन, पटना में "काबुलीवाला और बेटी" नाटक का प्रदर्शन किया।

रूपायतन बाल भवन, जूनागढ़

•इस बाल भवन ने वर्ष भर में निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए –

•वृन्दावन सोलंगी के साथ सदस्य बच्चों के लिए चित्रकला कार्यशाला का आयोजन किया गया।

•ई – लर्निंग शिक्षा, सृजनात्मक कागज का काम, मूर्ति की कला, मेंहदी एवं कत्थक संबंधी कार्यशालाएँ आयोजित की गई।

•पदम्भूषण देबू चौधरी तथा पंडित विश्व मोहन भट्ट ने बच्चों के समक्ष अपनी प्रस्तुति दी।

•"स्पिक मैके" (हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत तथा युवाओं में संस्कृति के उत्थान हेतु संस्था) के माध्यम से राजस्थानी लोकनृत्य/संगीत तथा ओडिसी नृत्य पर प्रस्तुतियाँ आयोजित की गई।

•जूनागढ़ कृषि विश्वविद्यालय स्टेडियम में खेल प्रतियोगिताएँ आयोजित करवाई गई, जिसमें 2000 से भी अधिक बच्चों ने विभिन्न खेलों तथा एथलेटिक्स में भाग लिया।

•विख्यात वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों के आयोजित करवाए गए जिन्होंने अपने अनुभव बच्चों के साथ साझे किए।

•राष्ट्रीय एकता पर आधारित कार्यक्रम "एक डाल एक पंखी" की प्रस्तुति का आयोजन किया गया।

•बाल उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने विविध कलारूपों के माध्यम से अपने विचार प्रकट किये।

•रक्षा बंधन, नवरात्रि, स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस आदि पर्व मनाए गए।

जवाहर बाल भवन, इलाहाबाद

•जवाहर बाल भवन इलाहाबाद ने वर्ष भर में निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किये –

•पृथ्वी दिवस, राष्ट्रीय पुस्तक दिवस, विद्यार्थी दिवस, अध्यापक दिवस, राष्ट्रीय एकता दिवस, शहीद दिवस तथा राष्ट्रीय शिक्षा दिवस आदि मनाए गए। उपरोक्त प्रस्तुति कार्यक्रमों के अनुरूप वाद–विवाद, चित्रकला, स्लोगन–लेखन/पोस्टर निर्माण, निबंध लेखन आदि कार्यक्रम आयोजित किए गए।

•नृत्य, नाटक, चित्रकला, हस्तकला, विज्ञान, वाद्ययंत्र संगीत, कंठ संगीत, मिट्टी के मॉडल, राखी बनाने संबंधी कार्यशालाएँ आयोजित की गई।

•पंडित जवाहर लाल नेहरू की पुण्यतिथि 27 मई को सर्वधर्म प्रार्थना सभा आयोजित की गई।

•"डाक्यूमेंट्री फिल्म निर्माण" विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यशाला मीडिया स्टड़ीज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय से श्री धनंजय चोपड़ा के विशिष्ट सहयोग से आयोजित की गई।

•"ब्रह्मनन्द यात्रा" (खगोल) कार्यशाला पर आयोजन जवाहर अंतरिक्ष केंद्र, इलाहाबाद के श्री सुरूर फातिमा के मार्गदर्शन में किया गया।

•विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रभात–फेरियों का आयोजन किया गया।

•ग्रीष्मकालीन सत्र समाप्ति पर "सृजनात्मक बाल संध्या" का आयोजन किया गया जिसमें 200 बच्चों ने प्रस्तुतियाँ दीं और 800 से अधिक माता–पिता इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

•14 नवम्बर अर्थात् बाल दिवस के अवसर पर 19 स्कूलों से आए 300 बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया।

•एमिनेशन के प्राथमिक–तथा अग्रगामी दोनों स्तरों के लिए प्रशिक्षण–सह कार्यशाला का आयोजन किया गया।

•विमर्श मालवीय को बाल श्री 2011 के लिए बाल श्री सम्मान प्राप्त हुआ और उन्होंने विज्ञान भवन दिल्ली में माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री जी से पुरस्कार प्राप्त किया।

बाल भवन समिति बड़ोदरा

बाल भवन, बड़ोदरा ने वर्ष भर में निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए –

•14 अप्रैल – 31 मई के ग्रीष्म शिविर के दौरान, सृजनात्मक कलाएँ, प्रदर्शन कलाएँ, पुस्तकालय कार्यकलाप, विज्ञान क्लब, टेबल टेनिस प्रशिक्षण, बैडमिंटन प्रशिक्षण, एथलेटिक्स बास्केटबाल प्रशिक्षण, स्केटिंग, कराटें, शतरंज आदि से संबंधित कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। ग्रीष्मकालीन शिविर के दौरान आयोजित इन कार्यक्रमों में लगभग 3190 बच्चों ने भाग लिया।

•14 अप्रैल – 31 मई के ग्रीष्म शिविर के दौरान क्रिकेट हेतु प्रशिक्षण दिया गया और बाल भवन क्रिकेट अकादमी के बच्चों ने ओलंपिया समर स्पोर्टस फेस्टिबल 2014 में भाग लिया।

•सृजनात्मक शिल्प तथा सृजनात्मक शिल्प प्रतियोगिता पर कार्यशाला आयोजित की गई। प्रतियोगिता का आयोजन दो आयुवर्गों में किया गया और बच्चों को पुरस्कृत किया गया।

•गणेशजी की पर्यावरण अनुकूल मूर्ति बनाने संबंधी कार्यशाला आयोजित की गई। नाखूनों पर कलाकारी, टैटू बनाने, रंगोली मिट्टी के काम तथा बर्तन बनाने, मधुबनी पेंटिंग, गरबा नृत्य, सृजनात्मक लेखन, विज्ञान के मॉडल बनाने वैज्ञानिक प्रयोग, रोबोटिक्स, वैदिक गणित, वयस्कों हेतु जीवन–कौशल जैसी अनेक कार्यशालाएँ वर्षभर आयोजित की गई।

•अंतर–विद्यालयी एथलेटिक्स मीट का आयोजन मंजलपुर खेल परिसर में किया गया।

•विज्ञान के मॉडल निर्माण तथा विज्ञान प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

•कला सारथी आर्ट फाउंडेशन द्वारा आयोजित 13वीं अखिल भारतीय युवा एवं बाल कला प्रतियोगिता में बाल भवन के चौदह बच्चों ने भाग लिया।

•छुट्टियों में सृजनात्मक कला संबंधी विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया और इस कार्यशाला में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के 49 बच्चों ने भाग लिया।

•बाल भवन के 91 बच्चे बरूहद गुजरात संगीत समिति, अहमदाबाद द्वारा आयोजित संगीत, भारतनाट्यम, कत्थक एवं कीबोर्ड़ की प्रमाणपत्र परीक्षा में भाग लिया। इनमें से 73 इस परीक्षा में उत्तीर्ण हुए।

•निःशक्त (अक्षम) बच्चों के लिए अंतर विद्यालयी चित्रकला प्रतियोगिता, शिल्प कार्यशाला, राखी बनाने, नृत्य संबंधी, विद्याविहार स्कूल की यात्रा, सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेल संबंधी कार्यकलाप आदि विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

•बाल श्री 2011 में सृजनात्मक लेखन के क्षेत्र में मास्टर सृजन सेठ को तथा बाल श्री 2012 में सृजनात्मक कला के क्षेत्र में अपूर्व सृजनात्मकता के लिए पुरस्कृत किया गया। इन दोनों ने अपने पुरस्कार 29 जनवरी, 2015 को विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में मानव संसाधन विकास मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी के हाथों से प्राप्त किया।

•बाल श्री 2013 में भी मास्टर आदित्य वाद्य (सृजनात्मक लेखन) तथा मास्टर प्रदीपन प्रधान (वैज्ञानिक नव प्रवर्तन) में पुरस्कार हेतु चयनित हुए हैं।

•एक एस्कार्ट सहित चार बच्चों ने 14–21 नवंबर के दौरान राष्ट्रीय बाल भवन में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर में भाग लिया।

•पानी के पुनर्चक्रण, पुराने सामान को काम में लाने तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से संबंधित विषयों पर निबंध प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई।

विद्या बाल भवन, जिला हासन, कर्नाटक

बाल भवन द्वारा वर्ष भर में निम्नलिखित कार्यक्रमों को संचालित किया गया :–

– नेत्र दान के सम्बंध में जागरूकता लाने के लिए ''अन्धता निवारण''
सप्ताह का आयोजन किया गया।

– अम्बेडकर जयंती, विश्व विरासत दिवस, विश्व पृथ्वी दिवस, विश्व पुस्तक दिवस, अन्तर्राष्ट्रीय श्रम दिवस, विश्व खेल–कूद दिवस, विश्व रेड क्रास दिवस, दुग्ध दिवस, पर्यावरण दिवस, विश्व समुद्र दिवस, भारतीय राष्ट्रीय ध्वज अंगिकार दिवस, सद्‌भावना दिवस, शिक्षक दिवस, विश्व साक्षरता दिवस, हिन्दी दिवस, गाँधी जयंती, विश्व खाद्यान्न दिवस, बाल दिवस, बाल अधिकार दिवस, राष्ट्रीय एकता दिवस, राष्ट्रीय ऊर्जा संगठन दिवस, राष्ट्रीय युवा दिवस, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जन्म दिवस, गणतन्त्र दिवस, शहीद दिवस, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस विज्ञान दिवस मनया गया।

राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस, अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस, विश्व विकलांगता दिवस तथा विश्व जल दिवस के आयोजन किए गए।

– पानी का पुनः प्रयोग, पुराने सामान का पुनः प्रयोग तथा राष्ट्रीय संसाधन अनुरक्षण जैसे विषयों पर निबन्ध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

बाल भवन, गोपेश्वर

इस बाल भवन में वर्ष भर में निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन किया –

•विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के विषय में जागरूकता कार्यक्रम किये और बच्चों की चिकित्सा जाँच की।

•पृथ्वी दिवस के अवसर पर बच्चों को ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के बारे में जागरूक करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किये गए।

• आयोजन गर्मी की छुट्टियों के दौरान ट्रेकिंग, चित्रकला, शिल्प तथा छायांकन आदि कार्यकलापों से संबंधित कार्यशालाओं का किया गया।

•चित्रकला, प्रदर्शन कला, सृजनात्मक लेखन, कविता पाठ, खेल प्रतियोगिताएँ आदि, ऊर्जा संरक्षण विषय पर पेंटिंग तथा स्लोगन लेखन आदि प्रतियोगिताएँ करवाई गईं।

•बाल भवन में बैसाखी, ऊर्जा दिवस, विश्व रेड़ क्रास दिवस, विश्व संचार दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस, विश्व जनसंख्या दिवस, छायांकन दिवस, अध्यापक दिवस, साक्षरता दिवस, हिन्दी दिवस, गाँधी जयन्ती, विश्व डाक दिवस, रेड़ क्रास सप्ताह, बाल दिवस, एकता दिवस, एड्स दिवस, मानव अधिकार दिवस, गणतंत्र दिवस आदि मनाए गए।

•बंधेज एवं रंगाई, कंप्यूटर शिक्षा तथा छायांकन आदि से संबंधित कार्यशालाएँ आयोजित की गई।

•पक्षी–दर्शन शिविर का आयोजन किया गया।

•किसी आपदा के समय बच्चे किस प्रकार सही कदम उठाएँ – इस संबंध मे आपदा प्रबंधन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये गए।

बाल भवन मंडल, दमन

इस बाल भवन ने वर्ष भर में निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किये –

•सृजनात्मक विज्ञान एवं सृजनात्मक लेखन संबंधी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

•कला एवं शिल्प, पश्चिमी नृत्य, शास्त्रीय नृत्य, संगीत, नाटक, योग आदि विषयों पर ग्रीष्मकालीन शिविर में कार्यशालाएँ आयोजित की गई। इनमें लगभग 250 बच्चों ने भाग लिया।

•सभी ग्रीष्मकालीन कक्षाओं के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक मेगा इवेंट में भाग लिया।

•इस बाल भवन के बच्चों ने सांगली शतरंज चैम्पियनशिप में भाग लिया।

•पहली बाल भवन शतरंज चैम्पियनशिप आयोजित की गई और 220 बच्चों ने इसमें भाग लिया।

•नारियल पूर्णिमा उत्सव मनाया गया और 1100 बच्चों ने इसमें भाग लिया।

•तबला–साम्राज्ञी श्रीमती रिम्पा शिवा की प्रस्तुति का आयोजन किया गया।

•डब्लू. जेड. सी. सी. 80 के कलाकारों ने नारियली पूर्णिमा राज्यस्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया और बाल भवन के लगभग 600 बच्चे दर्शक के तौर पर इसमें शामिल हुए।

•स्वतंत्रता दिवस मनाया गया और बाल भवन के 120 सदस्य बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

•गाँधी जयंती के अवसर पर बाल भवन के बच्चों ने सर्वधर्म प्रार्थना तथा भजनों का आयोजन किया।

•पतंग उत्सव तथा सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया गया।

बाल भवन, कानपुर

बाल भवन ने वर्ष भर के दौरान निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किये –

•बाल श्री 2012 में कृतिका मिश्रा को सृजनात्मक लेखन में बालश्री पुरस्कार प्राप्त हुआ।

• आपदा प्रबंधन साँप के काटने पर क्या करें, तथा अग्निशमन आदि के तरीकों के विषय में बाल भवन के बच्चों के जागरूक किया गया।

•कंप्यूटर कोर्स, रंगोली, पश्चिमी नृत्य, छायांकन, सार्वजनिक संबोधन वाद्य यंत्र संगीत, मैक्रम कार्य, एम्ब्रायडरी, मोतियों का काम, फूल बनाने, गुड़िया बनाने, स्केटिंग, खिलौने बनाने आदि संबंधी कार्यशालाएँ आयोजित की गईं।

•विश्व पर्यावरण दिवस, स्वतंत्रता दिवस आदि मनाया।

•लड़कियों के लिए मेहंदी पर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया।

•पंडित जवाहर लाल नेहरू के जन्मदिन के अवसर पर चार दिवसीय बाल मेले का आयोजन किया गया। इसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेल प्रतियोगिताएँ, चित्रकला प्रतियोगिता, विज्ञान प्रदर्शनी आदि का आयोजन किया गया। इसके दौरान बच्चों के स्वास्थ्य की जाँच की गई।

अमित बाल भवन, फिरोजाबाद

इस बाल भवन ने वर्ष भर के दौरान निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किये –

•कंप्यूटर – प्राथमिक शिक्षा एवं टाईपिंग, सड़क सुरक्षा नियमों, संगीत, पेंटिंग गुड़िया बनाने, विश्व साक्षरता दिवस, हिंदी दिवस, सामाजिक न्याय दिवस, विश्व पर्यटन दिवस, संगमरमर का कार्य, आभूषण बनाने आदि विषयों से संबंधित कार्यशाला आयोजित की गई।

•इसने विश्व जनसंख्या दिवस, राष्ट्रीय ध्वज ग्रहण दिवस, विश्व शांति दिवस, स्वतंत्रता दिवस, सद्भावना दिवस, राष्ट्रीय रक्तदान दिवस, राष्ट्रीय खेल दिवस, परिवहन दिवस, राष्ट्रीय पक्षी दिवस, बाल दिवस, विश्व पर्यावरण संरक्षण दिवस, अंतर्राष्ट्रीय एड्स दिवस, राष्ट्रीय प्रदूषण सामाधान दिवस, राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस आदि मनाए गए।

•चाचा नेहरू सप्ताह मनाया गया जिसमें पतंग बनाने, ग्रीटिंग कार्ड बनाने, कार्टून बनाने, टॉक–शो, नृत्य–प्रस्तुत तथा लोकगीत आदि से संबंधित कार्यकलाप आयोजित किये गए।

जवाहर शिशु भवन, भोपाल

जवाहर बाल भवन, भोपाल महिला सशक्तिकरण के अन्तर्गत राज्य प्रायोजित प्रतिस्थापना है।

- वर्ष 2014 में प्रतिभा खोज कार्यक्रम की शुरूआत की गई जिसमें पंजीकृत 1800 बच्चों में से 600 बच्चों को प्रतिभा खोज में शामिल करते हुए प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- 81 बच्चों ने बाल श्री पुरस्कार के लिए राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया और कु. शिबा खान, कु0 मधु, कु0 कृति मालवीय को जूनागढ़ बाल भवन रूपायतन राष्ट्रीय पर्यावरणविद् सेमिनार (5 से 11 जनवरी, 2015) में सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ।

- जवाहर बाल भवन मंडल स्तरीय छः बाल भवनों का इन्दौर, उज्जैन, सागर, जबलपुर और ग्वालियर मुख्यालयों पर वित्तीय वर्ष 2012–2015 के दौरान संचालन कर रहा है। विभिन्न विधाओं में विभिन्न कार्यशालाओं में 1915 बच्चे लाभान्वित हुए हैं।
- 23 और 24 फरवरी को बालिका दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें पारंपरिक खेल, प्रश्नोत्तरी, राष्ट्रभक्ति गीत और नृत्य के कार्यक्रम हुए, जिसमें बच्चों ने पूरे उत्साह से भाग लिया।
- विभिन्न विषयों पर बच्चों को सामान्य प्रशिक्षण प्रदान किया गया, बच्चों को पाठ्यक्रम (मुक्त रखा एवं परीक्षा गया), ताकि उन्हें तनावरहित माहौल मिल सके।

किलकारी, बिहार बाल भवन

- 2014–15 की अवधि के दौरान किलकारी द्वारा 9 से 16 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए।
- रविवार को प्रातः 10:00 बजे से 5:00 बजे तक बच्चों को अंग्रेजी बोलने, हस्तशिल्प, फोटोग्राफी, शिल्पकला, गिटार, तबला, जूड़ो–करांटे, बैडमिंटन, जिमनास्टिक, शतरंज और फलाईंग सोसर का प्रशिक्षण दिया गया।
- किलकारी द्वारा 10 प्रकाशन अर्थात धुन खनकती (बाल गीतों का संकलन), अटकन–मटकन (कहानियाँ), अपना सपना (बच्चों के चित्रों पर आधारित), माँ की लोरियाँ (बाल–गीत), थोड़े से बच्चे और बाकी बच्चे (कहानियाँ), आप बड़े हो गए हैं (पोस्टर), आओ कार्टून बनाएं (चित्रकला), वीर कुंवर सिंह (कॉमिक्स) बच्चों की दुनिया (विचार और रेखाचित्र), मैं हूँ किलकारी (किलकारी की शुरूआत पर आधारित फाटोग्राफी पुस्तक), बाल बैंक (गुल्लक) प्रकाशित की जिसमें अब तक 2273 खातों में 2114248/– रू0 संग्रहित हो चुके और 3509173/– रू0 से ज्यादा राशि का लेन देन हुआ है।
- 25 सरकारी स्कूलों और 10 स्लम बस्तियों के लाभांर्थ एक चलता–फिरता पुस्तकालय भी स्थापित किया गया। इस पुस्तकालय से 2194 पुस्तकें हैं। बिहार दिवस पर इस समारोह के लिए शिक्षा विभाग द्वारा इसके छायाचित्रों को आत्म कथा में मुख्य मंत्री और राज्यपाल के पुरस्कार वितरित किए।
- बिहार के राज्यपाल ने इन छायाचित्रों के कलाकारों को पुरस्कृत किया। किलकारी के पास श्री ध्रुव जी टाटा ट्रक की सहायता से बाल केन्द्र परियोजना भी है जिसमें 10 सरकारी स्कूलों और अन्य जिलों को शामिल किया गया है। प्रत्येक केन्द्र द्वारा वार्षिक समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।
- बच्चों के अधिकारी विषय पर सृजनात्मक लेखन की कार्यशाला गया, भागलपुर, पटना, दरभंगा, कैमूर, छपरा, मुजफ्फरपुर, सहरसा, जुमई में यूनिसेफ की सहायता से आयोजित किया गया। ग्रीष्म शिविर का आयोजन 10 मई से 21 जून 2014 को आयोजन किया गया। इस शिविर में करीब 40 क्रियाकलाप रखे गए।
- 14 मार्च, 2015 को विश्व तितली दिवस मनाया गया, जिसमें 130 बच्चों ने भाग लिया। 20 मार्च 2015 को विश्व गौरेया दिवस का आयोजन हुआ जिसमें 150 बच्चों ने भाग लिया और उन्हें इस पक्षी की 20 प्रजातियों के बारे में अवगत कराया गया। इसके अलावा 3 बच्चों को सीसीआरटी द्वारा छात्रवृत्ति भी प्रदान की गई।
- बैडमिंटन खिलाड़ी श्री पवन, सोनम, आदित्य और शुभम को स्पोर्ट का सामान प्रदान किया गया।

वीना मेमोरियल बाल भवन, करोली

- समीक्षाधीन अवधि के दौरान मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया और इस दिशा में एक पोस्टर प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। बड़ी संख्या में लोगों ने अनिवार्य रूप से मतदान करने की शपथ ली। पॉलिटेकनिक के प्रधानाचार्य श्री यशवन्त पराशर तथा समन्वयकर्त्ता श्री हेमन्त कुमार इस अवसर पर उपस्थित थे।
- वीरा मैमोरियल सीनियर सैकण्डरी स्कूल में ग्रीष्म शिविर का आयोजन किया गया। इस माह पर्यन्त कार्यक्रम में बच्चों को जूड़ो–करांटे, कम्प्यूटर, मेहन्दी रचाना, चित्रकला, पेंटिंग आदि का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। शिविर उपरान्त बच्चों ने अपनी कलाकृतियाँ प्रदर्शित कीं।

- वीना जी की 15वी पुण्य–तिथि पर उनकी याद में एक 'प्ले–हाऊस' का भी उद्‌घाटन किया गया।
- वीना मेमोरियल शिक्षा संकुल सभागार में अभिनन्दन समारोह किया गया। गत् वर्ष के मेधावी तथा आर्थिक दृष्टि से कमजोर छात्रों के बी 16.5 लाख रू0 की छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गई।
- वीना छात्रवृत्ति की राशि को चालू वर्ष से बढ़ाकर 41 लाख रू0 कर दिया गया है।
- सीबीएसई स्कूल के नवनिर्मित ''प्ले हाऊस'' का उद्‌घाटन समारोह आयोजित किया गया। इसमें बच्चों के लिए स्वीमिंग पुल, मेरी–गो–राउण्ड, स्लाईड, इण्डोर स्वींग, खिलौना, स्कूटरों की सुविधा बच्चों को प्रदत्त की गई। पॉलिटेकनिक के प्रधानाचार्य श्री यशवन्त पराशा–आईटीआइ के श्री कृष्ण कान्त शर्मा और डिग्री कालेज के प्रधानाचार्य श्री रघुनन्दन सिंह तथा तकनीकी संस्थान के विभागाध्यक्ष श्री भारत सिंह एवं सभी स्टाफ सदस्य इस समारोह में उपस्थित थे।
- वीना मैमोरियल समूह के विभिन्न संस्थानों में स्वतंत्रता दिवस का उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। संरक्षक एवं मुख्य अतिथि श्री अजय सिंह ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। अपने मुख्य सम्बोधन में उन्होंने छात्रों पर सामाजिक बुराईयों, जाति प्रथा, क्षेत्रवाद तथा समाज से भ्रष्टाचार समाप्त करने पर बल डाला और श्रेष्ठ शिक्षण एवं प्रशिक्षण हासिल करने का आह्‌वान किया।
- शिक्षक दिवस का आयोजन सादगीपूर्वक मनाया गया।
- श्रीमती योगिता शर्मा ने डॉ0 राधा कृष्णन के जीवन और उनके युग पर प्रकाश डाला और छात्रों से उनके पद–चित्रों पर चलने की अपील की। उन्होंने सर्वोत्तम परीक्षा परिणाम देने वाले शिक्षकों को भी पुरस्कृत किया। बच्चों को मानेकशा ऑडिटोरियम दिल्ली छावनी में आयोजित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सीधे टी0वी0 प्रसारण पर बच्चों के साथ वार्त्ता भी दिखाई गई।

बाल भवन बोर्ड, दादर और नगर हवेली

- वर्ष के दौरान बाल भवन के बच्चों ने ताल कटोरा स्टेडियम, नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर की चैम्पियन शीप प्रतियोगिता में भाग लिया और बच्चे ने स्वर्ण पदक, 2 बच्चों ने रजत पदक तथा 1 बच्चे ने कांस्य पदक जीता।
- सदैव की भाँति बाल भवन ने 9–16 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए सृजनात्मक कला, सृजनात्मक लेखन वैज्ञानिक आविष्कार तथा कला प्रदर्शन के क्षेत्र में राष्ट्रीय बाल श्री पुरस्कार चयन का आयोजन किया गया।
- बाल भवन सिलवासा ने 2 अगस्त, 2014 (दादर और नगर हवेली मुक्तिदिवस) तथा 26 जनवरी, 2015 (गणरतंत्र दिवस) पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सक्रिय भाग लिया। इस अवसर पर बाल भवन के बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों को सभी ने खूब सराहा।

जवाहर शिशु भवन, हावड़ा कलकत्ता

इस बाल भवन ने वर्ष भर के दौरान निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए –

•गर्मी की छुट्‌टियों के दौरान कार्टून बनाने, स्केचिंग, पानी के रंगों से चित्रकारी, कत्थक, भारतनाट्‌यम, ओडिसी नृत्य, रविन्द्र संगीत, शिल्प एवं सृजन से संबंधित कार्यशालाएँ आयोजित की गईं।

•"बैठो और चित्र बनाओ" नामक 5 दिवसीय प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें 5–16 वर्ष के लगभग 2000 बच्चों ने भाग लिया।

•बालश्री 2011–12 में 6 बच्चों को बालश्री पुरस्कार हेतु चुना गया। ये संचारी सेनगुप्ता (सृजनात्मक प्रदर्शन), सोमाव्रत मित्रा (सृजनात्मक कला), अबुल होसैन काहन (सृजनात्मक कला), सायनतनी दास (सृजनात्मक कला), अचांतिका गुहा (सृजनात्मक कला), रूपसा ड़े (सृजनात्मक लेखन) – इन सभी बच्चों ने विज्ञान भवन, दिल्ली में मानव संसाधन विकास मंत्री श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी से पुरस्कार प्राप्त किये।

बाल भवन केंद्रापाड़ा – उड़ीसा

इस बाल भवन ने वर्ष भर में निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए –

•कीटों, पक्षियों एवं स्तनधारी जानवरों के बारे में समझाने एवं जानकारी जुटाने, अपशिष्ट पदार्थों के प्रबंधन, पर्यावरणीय समस्याओं तथा गर्मी की छुट्टियों के दौरान प्रकृति के अध्ययन आदि विषयों से संबंधित कार्यशालाओं का आयोजन किया।

•बाल भवन के पास कागज के रिसाईकलिंग के लिए अपनी इकाई है।

•इस बाल भवन ने सृजनात्मक कला, कला एवं शिल्प, सृजनात्मक लेखन, दैनिक जीवन में सृजनात्मक विज्ञान से संबंधित कार्यकलापों का आयोजन किया।

• खंड स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में विज्ञान प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया।

•250 बच्चों का नामांकन कम्प्यूटर शिक्षा के लिए हुआ और उन्हें कम्प्यूटर शिक्षा दी गई।

•बाल दिवस मनाया गया और इस अवसर पर कई कार्यकलापों का आयोजन किया गया।

•योग, फोटोग्राफी, सीखने में अक्षम बच्चों के लिए विशिष्ट साक्षरता कार्यक्रम, प्रदर्शन कला – ओडिसी गाने/नृत्य तथा वाद्ययंत्र संगीत आदि से संबंधित विषयों पर कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

श्री महात्मा गाँधी बाल भवन, पोरबंदर

इस बाल भवन ने वर्ष भर में निम्नलिखित कार्यकलाप आयोजित किए –

•सदस्य बच्चों को स्वास्थ्य, स्वच्छता, विज्ञान एवं तकनीकी के विषय में जानकारी दी गई।

•विज्ञान शो, विरासत भ्रमण, पक्षी दर्शन, आई.टी. प्रश्नोत्तरी, इन्दरोदा पार्क की यात्रा, बायोटेक प्रयोगशाला की यात्रा, गणित के जादू की कार्यशाला तथा पर्यावरण संबंधी खेलों आदि का आयोजन किया गया।

•विश्व स्वास्थ्य दिवस, स्वतंत्रता दिवस, विश्व ओजोन दिवस, वन्यजीवन सप्ताह, विश्व विज्ञान दिवस, विश्व बाल दिवस, प्रदूषण रोकथाम दिवस आदि महत्वपूर्ण दिवस मनाए गए।

•वक्तृतता (इलोक्यूशन) चित्रकला आदि प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं।

अनुभूति बाल भवन, बैंगलोर

इस बाल भवन में वर्ष भर में निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए –

•वाद्ययंत्र संगीत, चित्रण, चित्रकला तथा कला से संबंधित कार्यकलापों का नियमित आयोजन किया गया।

•बच्चों को राष्ट्रीय स्वच्छ भारत अभियान तथा राष्ट्रीय राहत कोष में भाग लेने/अंशदान करने हेतु प्रोत्साहित किया गया।

•अनाथालयों, वृद्धाश्रमों तथा निःशक्त (अक्षम) बच्चों के गृहों के दौरे आयोजित किये गए।

•बच्चों में सामाजिक मुद्दों के प्रति संवेदनशीलता जागृत करने के लिए नुक्कड़ नाटकों, "गो – ग्रीन" प्रतियोगिताएँ, एकता और आदि कार्यकलापों का आयोजन किया गया।

पठानिया बाल भवन, रोहतक

इस बाल भवन ने वर्ष भर में निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किये –

•हास्य कवि सम्मेलन तथा रक्तदान शिविर का आयोजन किया।

•स्वतंत्रता दिवस, अध्यापक दिवस तथा बाल दिवस मनाया गया।

लालचंदभाई वोरा बाल भवन, बागासरा

इस बाल भवन ने वर्ष भर में निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किये –

•शिक्षक दिवस तथा बाल दिवस मनाया गया।

• खेल प्रतियोगिता तथा जूनागढ़ बाल भवन भ्रमण कार्यक्रम आयोजन किया गया।

•बच्चों ने हंड़ाला तथा घांटियाँ गाँव में वृक्षारोपण किया।

बाल भवन कुरूक्षेत्र (हरियाणा)

•मौलाना अब्दुल कलाम आजाद की जन्मतिथि पर राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया। इस अवसर पर बच्चों के लिए निबन्ध लेखन एवं स्लोगन लेखन प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं।

केरल राज्य जवाहर बाल भवन, तिरूवअनंतपुरम

केरल राज्य जवाहर बाल भवन, तिरूवनंतपुरम बच्चों में सृजनात्मकता विकसित करने के लए शीर्षस्थ संस्थान के रूप में कार्यरत है। नियमित एवं अवकाशकालीन कक्षाओं में इस वर्ष कुल 2003 दाखिले हुए हैं। वर्ष पर्यन्त यहाँ अत्यन्त रंगारंग गतिविधियाँ संचालित की गई। नेमी मासिक कार्यक्रमों के अलावा यहाँ समय–समय पर त्यौहारों के अनुरूप कार्यक्रम आयोजित किए गए।

- 13 मई, 2015 को श्री के. मुरलीधरन के साथ विचार–विमर्श कार्यक्रम हुआ।
- विख्यात कवि वी. मधूसूदन नामर बाल भवन पधारे और बच्चों के साथ बातचीत की, जो एक स्मरणीय क्षण था।
- 20 तारीख से पुरस्कार कार्यक्रम हुए। ऍअरो मॉडलिंग, चित्रकला, मिट्टी के मॉडल शिल्प तथा कढ़ाई की प्रदर्शनी लगाई गई। इन दिनों छात्रों को फलाईंग भी कराई गई।
- स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहरण करके समारोह मनाया गया, जिसमें विधायक के मुरलीधरन मुख्य अतिथि थे।
- अगस्त, 2015 में दो छात्रों हरित राज एवं आर्च सुशीन्द्रन ने राष्ट्रीय स्तर के बाल श्री पुरस्कार चयन शिविर में भाग लिया।
- अथपुकलम आयोजन द्वारा ओणम का त्यौहार मनाया था। स्कूली बच्चों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं (चित्रकला तथा पुक्कलम आदि) का आयोजन किया गया। छात्रों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया।
- विजय दशमी पर दुर्गा पूजा, विद्यारम्भ की शुरूआत की गई। मलयाली साहित्य के मूर्धन्य विद्वान डॉ. एज मत्तुरराजराजा वर्मा ने अक्षर पूजा संस्कार और बच्चों को अक्षरों के रचना संसार से अवगत कराया। नवम्बर में बच्चों के लिए बाल दिवस का आयोजन किया गया। जनवरी माह में क्रिसमस एवं नव वर्ष आगमन का आयोजन हुआ।
- 28 तारीख को छात्रों के लिए पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न हुआ।

राजभाषा हिन्दी का कार्यान्वयन

राष्ट्रीय बाल भवन का हिंदी अनुभाग सरकारी कामकाज में राजभाषा के अधिकतम उपयोग को लगातार बढ़ावा देने की दिशा में काम कर रहा है। यह अनुभाग राष्ट्रीय बाल भवन के अधिकारियों/कर्मचारियों को अपना सरकारी कामकाज हिंदी में करने के लिए प्रेरित करता है।

2014–15 के दौरान, राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) का शत–प्रतिशत अनुपालन किया गया। राजभाषा के प्रयोग से संबंधित प्रगति रिपोर्ट – त्रैमासिक, अर्धवार्षिक और वार्षिक तथा वार्षिक मूल्यांकन रिपोर्ट मानव संसाधन और गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग को समय पर भेजी गईं। राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें कार्यक्रम के अनुसार आयोजित की गईं, जिनमें मंत्रालय के अधिकारियों, केन्द्रीय हिंदी सचिवालय परिषद् के साथ–साथ बाल भवन के अधिकारियों ने नियमित रूप से भाग लिया। इन बैठकों के कार्यवृत्त संबंधित सभी अधिकारियों को भेजे गए। लगभग सभी प्रकाशन, निमंत्रण–पत्र, पोस्टर, प्रमाण–पत्र हिन्दी अथवा द्विभाषी रूप में प्रकाशित किये गये। राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए अधिकारियों–कर्मचारियों को राजभाषा हिन्दी के प्रति जागरूक करने तथा कार्यालयी कार्यों को सुनियोजित तरीके से कार्यान्वित करने के उद्देश्य से जाँच–बिन्दु बनाये गये, ताकि उनका अनुपालन करते हुए वे अपने–अपने अनुभागों में राजभाषा संबंधी कार्यों को भली–भाँति कर सकें। इस संबंध में अनुभागों को व्यक्तिशः आदेश (व्यक्ति विशेष के नाम से) आदेश भी जारी किए गए। इन सभी आदेशों का अनुभागों द्वारा कड़ाई से पालन किया जा रहा है।

राजभाषा विभाग के वार्षिक कार्यक्रम का अनुपालन करने की दिशा में वर्ष में कम से कम चार हिंदी कार्यशालाएँ आयोजित करना आवश्यक है। इस उद्देश्य से वर्ष 2014–15 में चार हिन्दी कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। इन कार्यशालाओं में विभिन्न संस्थाओं के विशिष्ट व्यक्तियों एवं मंत्रालय के अधिकारियों को विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया, जिन्होंने राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी विभिन्न विषयों पर कार्यालय के अधिकारियों/कर्मचारियों का मार्गदर्शन किया। इन कार्यषालाओं में राश्ट्रीय बाल भवन के अधिकारियों/कर्मचारियों ने बहुत उत्साह से भाग लिया। 12 सितम्बर से 27 सितम्बर, 2014 तक राष्ट्रीय बाल भवन में 'हिन्दी पखवाड़ा' आयोजित किया गया। हिन्दी पखवाड़े के दौरान कार्यक्रम/प्रतियोगिताओं के अंतर्गत स्वरचित काव्य रचना एवं प्रस्तुतीकरण एवं प्रस्तुतीकरण प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी(लिखित), लघु नाटक लेखन प्रतियोगिता, सुलेख और श्रुतलेख प्रतियोगिता (वर्ग 'घ' के कर्मचारियों के लिए), नोटिंग–ड्राफ्टिंग प्रतियोगिता तथा टाइपिंग प्रतियोगिता आयोजित की गईं। इन प्रतियोगिताओं में हिंदी–अहिंदी भाषी तथा वर्ग 'घ' के कर्मचारियों ने बढ़–चढ़ कर भाग लिया और नकद पुरस्कार प्राप्त किये। वैसे तो राष्ट्रीय बाल भवन में प्रायः राजभाषा हिंदी में ही अधिकांश कर्य होता है किन्तु हिंदी पखवाड़े के दौरान अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा हिंदी में कार्य करने पर विशेष बल दिया जाता है। हिंदी अनुभाग का निरन्तर प्रयास रहता है कि सभी कार्यक्रमों की प्रेस विज्ञप्ति हिंदी में तैयार करके समाचार–पत्रों में भेजी जाए। इसके अतिरिक्त वर्षपर्यन्त बाल भवन में आयोजित कार्यक्रमों, साहित्यिक शिविरों तथा मौलिक लेखन गतिविधियों में भी इस अनुभाग का सहयोग रहा।

राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा वर्ष 2014–15 के दौरान नई पहल

राष्ट्रीय बाल भवन बच्चों को अभिव्यक्ति तथा विचारों की स्वतंत्रता प्रदान करने के उद्देश्य से इस दिशा में सतत कार्यशील हैं और इस अद्वितीय संस्थान में हमेशा नई पहल की जाती है। वर्ष 2014–15 भी एक उपलब्धिपरक समय रहा जिसमें हमने नई पहल को कार्यरूप दिया, जिनमें निम्न शामिल हैं :–

1 बाल भवनों ने पहली बार देश भर में सभी सदस्य छात्रों को शिक्षक दिवस पर प्रधान मंत्री के सम्बोधन को स्क्रीय भी प्रदर्शित किया।

2 अध्यक्ष की पहल पर – बाल भवन परिसर की भीतरी दीवारों पर सभी राज्यों की पेंटिंग के माध्यम से भारत की झलक प्रस्तुत करके टॉय ट्रेन की रोमांचक सवारी का आनन्द कई गुणा बढ़ गया है और इससे संस्थान की ख्याति में चार चांद लग गए हैं।

3 बच्चों का पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, नोबल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी, अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी श्री चेतन चौहान, विख्यात कठपुतली कलाकार दादी पद्‌म जी तथा महान लोक कलाकार पद्‌मश्री तीजन बाई जी सरीखी हस्तियों के साथ बच्चों के कराए गए विचार–विमर्श प्रेरणा दायक रहे हैं।

4 ग्रीष्मोत्सव के दौरान पहली बार बच्च एअरों प्लेनेट गए और सच्चे अर्थों में इसका आनन्द लिया।

5 राष्ट्रीय बाल भवन ने अपने सभी आगन्तुकों को दिखाने के लिए संस्थान के काम करने और उपलब्ध सुविधाओं के बारे में पूर्व सदस्य बच्चों, विशेषज्ञों तथा फोटोग्राफी अनुभाग के सदस्य बच्चों के माध्यम से एक डाक्यूमेन्टरी फिल्म का निर्माण कराया है।

6 राष्ट्रीय बाल भवन ने आई.जी.एन.सी.ए. स्थित कठपुतली कार्यशालाओं में अपने सदस्य छात्रों को भेजा। इस पहल के माध्यम से करीब 200 बच्चे लाभान्वित हुए हैं।

7 पहली बार हमने राष्ट्रपति भवन के स्टाफ सदस्य के बच्चों के लाभार्थ लिए सृजनात्मक कला के माध्यम से कार्यशालाओं की शुरूआत की।

8 राष्ट्रीय बाल सभा ने एक नई पहल से साक्षात्कार किया जिसमें ''बाल संसद'' के संचालन के माध्यम से सरकार के कामकाज के संचालन को समझने में मदद मिली।

9 बाल भवन ने प्रधानमंत्री के स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत एक विशेष पहल करते हुए स्वच्छता अभियान चलाया।

वर्ष 2014–15 के दौरान राज्य बाल भवनों/बाल केन्द्रों को दी गई सहायता (आवर्ती)

क्र. सं.	बाल भवन/बाल केन्द्र का नाम	राशि (रूपये)
1	उन्नयन बाल भवन	300,000.00
2	गोडावन बाल भवन, जयपुर	300,000.00
3	सरस बाल केन्द्र, जयपुर	300,000.00
4	परमसुख आदिवासी बाल केन्द्र, इलाहाबाद	300,000.00
5	ट्राईबल बाल भवन, (गाजीपुर)	300,000.00
	कुल	1,500,000.00

उत्तर पूर्व राज्यों को अनुदान

2014–15

क्र. सं.	बाल भवनों के नाम	धनराशि (रूपये)
1	डिपार्टमेंट ऑफ सोसियल वेलफेयर डायरेक्टोरेट काम्पलैक्स दूसरा एम.आर. गेट इम्फाल–795001 (मणिपुर)	300,000.00
2	नागालैण्ड बाल भवन, डिपार्टमेंट ऑफ सोसियल वेलफेयर, गर्वमेंट ऑफ नागालैण्ड, कोहिमा – 797001	300,000.00
3	डिपार्टमेंट ऑफ सोसियल वेलफेयर, गर्वमेंट ऑफ मिजोरम, आईजावाल मिजोरम	300,000.00
4	सेना बाल केन्द्र, मणिपुर	300,000.00
5	बाल केन्द्र चुराचन्दपुर, मणिपुर	300,000.00
	योग	1,500,000.00

बजट एवं लेखा

राष्ट्रीय बाल भवन की विभिन्न स्तरों की गतिविधियाँ मानव संसाधन विकास मंत्रालय, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग द्वारा पूर्णतः वित्तपोषित हैं।

वर्ष 2014–15 में 1445.31 लाख रुपए (रु. 617.77 लाख योजना में एवं 827.54 गैर–योजनागत) अनुदान राशि प्राप्त हुई थी।

योजना		योजनेत्तर	
सामान्य	38,606,772.00	वेतन शीर्ष	56,700,000.00
पूँजी	5,535,000.00	सामान्य शीर्ष	26,053,766.00
एससीएसपी	10,000,000.00		
एसटीएसपी	2,675,000.00		
एनईआर सामान्य	1,835,000.00		
एनईआर पूँजी	3,125,000.00		
योग	61,776,772.00	योग	82,753,766.00

राज्य बाल भवन/बाल भवन केन्द्रों को 2014–15 में (अनावर्ती) सहायता

क्र.सं.	बाल भवन/बाल केन्द्र का नाम	परियोजना प्रस्ताव हेतु जारी अनुदान	धनराशि (रूपये)
1	युनिक बाल भवन, समस्तीपुर, बिहार	चलता फिरता पुस्तकालय	787,000.00
2	श्री स्वामी नारायण बाल भवन, गुजरात	विज्ञान वाटिका	655,295.00
3	बाल भवन अमरेली	1. कम्प्यूटर लैब 2. बच्चों का पुस्तकालय 3. संगीत अनुभाग	806,000.00
4	डिविजनल बाल भवन डिपार्टमेंट ऑफ वुमन एण्ड चाईल्ड डवलपमेंट ग्वालियर	बाल पुस्तकालय	517,460.00
5	अमित बाल भवन, फिरोजाबाद	1. कम्प्यूटर कक्ष 2. शारीरिक शिक्षा केन्द्र	400,000.00
6	पं. कन्हैया लाल पुंज बाल भवन	1. बाल पुस्तकाल 2. प्रदर्शन कला	826,993.00
7	शिव शारीरिक शिक्षा पर्यावरण और उत्थान, बाल भवन	बाल पुस्तकालय	630,699.00
8	भारती बाल केन्द्र, मथुरा	कम्प्यूटर कक्ष	500,000.00
9	डिस्ट्रिक्ट बाल भवन, चित्तुर	1. सृजनात्मक कला 2. प्रदर्शन कला 3. सिलाई कक्ष 4. दृश्य–श्रव्य उपकरण 5. बाल पुस्तकालय	1,000,000.00
10	जवाहर बाल भवन, इलाहाबाद	कम्प्यूटर कक्ष	401,500.00
11	बाल भवन सोसाइटी, वडोदरा	आऊटडोर स्वास्थ्य खेल केन्द्र	713,224.00
	योग		7,238,171.00

अध्यक्षों की सूची– 1955 से

क्र.सं.	नाम	अवधि
1.	श्रीमती इंदिरा गाँधी	10.03.1955 से मार्च 1966
2.	डॉ. कर्ण सिंह	12.03.1966 से 21.04.1967
3.	श्रीमती पुपुल जयकर	22.04.1967 से 28.09.1974
4.	श्रीमती राज थापर	28.09.1974 से 1976
5.	श्रीमती इंदिरा गाँधी	25.10.1976 से मार्च 1977
6.	श्रीमती रेणुका देवी बराकातकी	04.11.1977 से सितम्बर 1979
7.	श्रीमती राशिदा हक चौधुरी	सितम्बर 1979 से दिसम्बर 1979
8.	श्रीमती पुपुल जयकर	24.02.1981 से 22.09.1981
9.	श्रीमती मेखला झा	25.09.1981 से 23.03.1988
10.	श्रीमती शांता गुप्ता, उपाध्यक्ष (कार्यवाहक अध्यक्ष)	सितम्बर 1987 से 10.05.99
11.	प्रो. जे. एस. राजपूत	11.05.1990 से 09.04.1992
12.	बेगम बिल्कीस लतीफ	10.04.1992 से 09.04.1997
13.	श्रीमती सरोज दूबे	24.04.1997 से 24.08.1998
14.	श्रीमती स्वराज लांबा, उपाध्यक्ष (कार्यवाहक अध्यक्ष)	सितम्बर, 1998 से 15.02.1999
15.	श्री अजय सिंह	16.02.1999 से 15.02.2004
16.	श्री के. एम. आचार्य	22.03.2004 से 02.06.2004
17.	श्री रामशरण जोशी	03.06.2004 से 31.10.2004

18.	बेगम बिल्कीस लतीफ	12.05.2005 से जून 2010
19.	श्रीमती अंशु वैश	जून 2010 से अगस्त 2011
20.	श्रीमती गीता धर्मराजन	03.08.2011 से 28.08.2013
21.	श्रीमती शालू जिंदल	02 जनवरी 2014 से ....

उपाध्यक्षों की सूची– 1965 से

क्र.सं.	नाम	अवधि
1.	श्री आर. जगन्नाथ राव	1965 से 1966
2.	श्रीमती पुपुल जयकर	1966 से 1967
3.	श्रीमती राज थापर	1967 से 1970
4.	श्रीमती शीला धर	1970 से 1977
5.	सुश्री सुरेन्द्र सैनी	1977 से 1981
6.	सुश्री मीना स्वामीनाथन	1981 से 1982
7.	श्रीमती रजनी कुमार	1982 से 1986
8.	श्रीमती शांता गुप्ता	1986 से 1990
9.	श्रीमती गायत्री रे	1992 से 1997
10.	श्रीमती स्वराज लांबा	12.12.1997 से 11.12.2002
11.	श्रीमती ज़ेना विजय कुमार	26.07.2004 से 25.07.2009
12.	श्री ब्रजेश प्रसाद	28.07.2009 से 27.07.2014
13.	डॉ0 इन्दूमती राव	23.03.2015 से ....

दिल्ली में स्थित बाल केन्द्रों की सूची

क	दक्षिण दिल्ली	12
ख	पश्चिम दिल्ली	12
ग	पूर्वी दिल्ली	12
घ	उत्तरी दिल्ली	14
		50

	पूर्वी दिल्ली (12)	
1	गर्वमेंट सर्वोदय सीनियर सैकेण्ड्री को–एजूकेशन विद्यालय आनन्द विहार रेलवे स्टेशन आनन्द विहार, दिल्ली–92	
2	एम0सी0 प्राइमरी स्कूल राठी मील के पीछे, बलबीर नगर शाहदरा, दिल्ली–32	
3	एम0सी0 प्राइमरी स्कूल ढक्का चौक के समीप और ढक्का बस स्टॉप, ढक्का गाँव, दिल्ली–09	
4	राजेन्द्र आश्रम (डी पार्क के समीप) एस – 160, पाण्डव नगर, दिल्ली – 92	
5	शिब्बन मॉर्डन पब्लिक स्कूल डी – ब्लॉक मेन रोड, बृजपुरी दिल्ली – 94	
6	प्रतिभा विकास विद्यालय ईएसआई के समीप, इन्दिरा गाँधी अस्पताल गेट नं0 4, सूरजमल विहार, दिल्ली – 92	
7	बाल विकास विद्यालय त्रिलोक पुरी बी – ब्लॉक, त्रिलोकपुरी, चाँद सिनेमा के पास, दिल्ली	
8	सर्वोदय बाल विद्यालय पूर्वी विनोद नगर, पॉकेट–सी, मयूर विहार, फेस–।।, बस स्टॉप के पास, दिल्ली – 91	
9	बाबू राम सीनियर सैकेण्डरी स्कूल भोला नाथ नगर, गऊशाला के समीप शाहदरा, दिल्ली – 32	

10	एम0सी0डी0 प्रोजेक्ट कार्यालय पुरानी इमारत, ई – ब्लॉक मेन बस स्टैण्ड के समीप हनुमान मन्दिर के पीछे, कृष्णा नगर, दिल्ली – 51	
11	एस0 सी0 प्राइमरी स्कूल डी0डी0ए0 फलैट्स के पास, और सी0जी0एच0एस0 डिस्पेंसरी, मानसरोवर पार्क, शाहदरा, दिल्ली – 32	
12	सर्वोदय गर्वमेंट गर्ल्स सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल, विवेक विहार दिल्ली ।	

दक्षिणी दिल्ली (12)

क्र0 सं0	विद्यालय का नाम
1	प्रयास ऑबजर्वेशन होम फोर बॉयस कोटला फिरोज़शाह क्रिकेट स्टेडियम के पीछे, दिल्ली गेट, नई दिल्ली–2
2	एम0सी0 प्राइमरी स्कूल हुमायूँपुर गाँव, नई दिल्ली – 29
3	केन्दीय विद्यालय आई0आई0टी0 गेट, दिल्ली – 30
4	गर्वमेंट गर्ल्स सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल मदन पुर खादर, दिल्ली – 76
5	केन्द्रीय विद्यालय एन0सी0ई0आर0टी0 कैम्पस कुतुब होटल के सामने, दिल्ली – 26
6	देव समाज मॉर्डन स्कूल नं0 2 सुख देव विहार, मसीह गढ़ समीप एस्कोर्ट हर्ट अस्पताल, नई दिल्ली – 22
7	एम0सी0 प्राइमरी स्कूल सैक्टर – 9, आर0के0 पुरम, दिल्ली – 22
8	योगी अरविन्द सर्वोदया विद्यालय सै0 – 5, डॉ0 अम्बेडकर नगर, दिल्ली–62
9	राजा राम मोहन राय सर्वोदया कन्या विद्यालय हौजरानी, गॉव मालवीय नगर, नई दिल्ली – 17
10	एम0सी0 प्राइमरी स्कूल

	सब्ज़ी मण्डी के समीप, के ब्लॉक कालकाजी, नई दिल्ली – 19
11	चिल्ड्रन्स होम फोर बॉयस (सी0एच0बी0) डिपार्टमेंट ऑफ सोशल वेलफेयर गर्वमेंट ऑफ एन0सी0टी0 ऑफ दिल्ली कस्तूरबा निकेतन कॉम्पलेक्स लाजपत नगर, नई दिल्ली – 24
12	एम0सी0 प्राइमरी स्कूल जी – ब्लॉक कृष्णा मार्किट, गुरूद्वारा के सामने, लाजपत नगर, नई दिल्ली – 24

पश्चिमी दिल्ली (12)

क्र0 सं0	विद्यालय का नाम
1	एम0सी0 प्राइमरी स्कूल आदर्श नगर (समीप, मदर डेयरी, आदर्श नगर पार्क), दिल्ली – 33
2	कॉन्टोनमेंट बोर्ड सैकेण्ड्री स्कूल वार सेमेन्ट्री रोड, उरी एंक्लेव बारार सक्वेयर, दिल्ली कैन्ट, दिल्ली – 64
3	एम0 सी0 प्राइमरी स्कूल प्रभात रोड, रामजस लेन, करोल बाग नई दिल्ली – 05
4	गर्वमेन्ट गर्ल्स सैकेण्ड्री स्कूल डिप्टी गंज, सदर बाजार, दिल्ली – 06
5	सर्वोदया कन्या विद्यालय राजौरी गार्डन एक्सटेंशन, नई दिल्ली – 27
6	एम0 सी0 आदर्श स्कूल रानी बाग मुल्तानी मौहल्ला, नई दिल्ली
7	सर्वोदय कन्या विद्यालय डिस्ट्रीक्ट सेंटर, विकास पुरी, दिल्ली – 18
8	एम0 सी0 प्राइमरी स्कूल

	मेट्रो पिल्लर नं. 224, शादी खामपुर गाँव, पश्चिमी पटेल नगर, नई दिल्ली – 08
9	बाल निकेतन निर्मल छाया कॉम्पलेक्स जेल रोड, हरी नगर के पास, दिल्ली
10	बालिका गृह निर्मल छाया कॉम्पलेक्स बालिका गृह, जेल रोड हरी नगर, दिल्ली – 64
11	एम0सी0 प्राइमरी बॉयस मॉर्डन स्कूल मज़लिस पार्क – 2, गली नं0 12, समीप जल बोर्ड, दिल्ली – 33
12	बाबा खड़क सिंह मार्ग डीआईजेड क्षेत्र, ब्लॉक नं0 82–92 गेरराज़ बी, 89 के समीप, ब्लॉक राजा बाजार (बांग्ला साहिब के सामने) नई दिल्ली – 01

उत्तरी दिल्ली (14)

क्र0 सं0	विद्यालय का नाम
1	निगम प्रतिभा विकास विद्यालय निमड़ी कालोनी निमड़ी कालोनी बस स्टाप के पास, दिल्ली 7 32
2	नवोदया विद्यालय मुंगेशपुर, गाँव कुतुब गढ. के समीप नई दिल्ली – 110039
3	बाल सहयोग भवन डिसपेंसरी ई – ब्लॉक, नाँगलोई नं0 2, दिल्ली
4	गर्वमेंट को–एजूकेशनल सैकेण्ड्री स्कूल सैक्टर – 2, रोहिणी, दिल्ली – 85
5	सर्वोदय विद्यालय रोहिणी सैक्टर – 7, नाहर पुर दिल्ली – 85
6	प्रतिभा विकास विद्यालय रोहिणी सैक्टर – 11, दिल्ली – 85
7	एम0सी0 बालिका विद्यालय बी टी ब्लॉक, समीप सिंगल पुर गाँव पानी की टंकी, शालीमार बाग, दिल्ली।
8	सर्वोदय विद्यालय

	जे0जे0 कालोनी, वज़ीरपुर, दिल्ली – 52
9	एम0सी0 मॉडल स्कूल आई–ब्लॉक, जहाँगीर पुरी मार्किट के समीप दिल्ली – 33
10	झरोंदा कलाँ वेलफेयर सी0आर0पी0एफ0 झरोंदा कलाँ केन्द्र, दिल्ली – 72
11	एम0सी0 मॉडल स्कूल सी–7, लारेंस रोड, गुरूद्वारा के समीप दिल्ली – 35
12	ग्रामीण महिला सिलाई संघ समीप पल्ला डी0टी0सी0 बस स्टाप दिल्ली – 36
13	रिचमण्ड ग्लोबल स्कूल एन0एस0 रोड, मिंयावाली नगर इन्द्र एंक्लेव के सामने, पश्चिम विहार नई दिल्ली – 81
14	एस0डी0 पब्लिक स्कूल समीप गेला राम डेंटल अस्पताल पीतमपुरा, दिल्ली – 88

भारत में 12 सितम्बर, 2015 तक संबंद्ध बाल भवनों एवं बाल भवन केन्द्रों की सूची

पूर्वी क्षेत्र

पश्चिम बंगाल

1. श्री दीपांकर बर्धन, फोन नं. 2223–1551 / 6878 / 6667,
अध्यक्ष (9830167549) E-mail: ncm.va.academy@gmail.com
E-mail : dbardhan43@gmail.com

श्री सुदीप श्रीमाल
निदेशक(9830352353), E-mail: display1944@gmail.com
जवाहर शिशु भवन
94 / 1, चौरंगी रोड़
कोलकाता–700020
(पश्चिम बंगाल)

2 श्री भाग्यघर मुलिक फोन नं. 033–26532317
अध्यक्ष (09903689797) Email-prabal.jsb@gmail.com
श्री प्रबल दत्ता
निदेशक, (9433532682)
जवाहर शिशु भवन
पोस्ट ऑफिस बालिटीकुरी
जिला– हावड़ा– 711113
(पश्चिम बंगाल)

उड़ीसा

3 श्री विरेन्द्र कुमार मिश्रा फोन नं. 0674–3269166
अध्यक्ष (09437628016) मो0 नं. 09237197667
श्री रमेश चन्द्र सामंतरे E-Mail:-madhushreya73@erediffimail.com
निदेशक (09692282775, 9439365654, 09238320843)
राज्य जवाहर बाल भवन
सरकारी स्टेट, पोखारीपुट मेन रोड़
एरोड्रोम एरिया,
भुवनेश्वर –751020 (उड़ीसा)

4 श्रीमती रेखांजलि बेहेरा E-Mail:-Jyotiramayee2000@yahoo.co.in

अध्यक्ष (9438339228)
श्री धीरेन्द्र कुमार मोहंती
निदेशक (9437504626)
जिला जवाहर बाल भवन
ज्योतिर्मयी महिला समिति
आर–8 ग्वाल सिंह, पोस्ट आफिस ठाकुरपटना
केंद्रपाड़ा –754250 (उड़ीसा)

5 डॉ. सरोज कुमार महापात्रा — E-Mail:-opjs@angul.jspl.com
अध्यक्ष (9777444550)
श्री छंद चरण दास
निदेशक (9777444490)
जिंदल बाल भवन
पो.ओ. जिंदल स्कूल कैम्पस
जिंदल नगर, अंगुल – 759001
(उड़ीसा)

मणिपुर

6 श्री इबोबी सिंह — फोन नं. 0385–2448532
निदेशक, — मो0 नं0 – 08794611546
मणिपुर बाल भवन,
सामाजिक अधिकारिता विभाग,
निदेशालय परिसर
दूसरा एम.आर. गेट, इम्फाल–795001
मणिपुर सरकार

झारखंड

7. श्री गणेश रेड्डी — फोन नं. 651–2482777, 2481777
सचिव (9431176777 / 9334466777 — E-Mail:-mail2cf@gmail.com
9431166777) — Jsbb@citizensfoundation.org
E-mail : Secretary@citizensfoundation.org
सुश्री आभा शर्मा
निदेशक (09234461444)
झारखंड स्टेट बाल भवन
सिटीजन फाउंडेशन
7, बेतार केन्द्र, निवारन पुर
रांची–834002 (झारखंड)

8. श्री एन.पी. सिंह — E-Mail:-ashalatakendra@yahoo.co.in

अध्यक्ष (09771604277)
श्री बी. एस. जयसवाल
निदेशक (09431127778, 09835327133, 06542.27766)
आशा–लता बाल भवन
सैक्टर 5–डी
बोकारो स्टील सिटी–827006
जिला बोकारो (झारखंड)

नागालैंड

9 श्री टी मेरांगतसुंगबा अय्यर
निदेशक (9862046430)
सामाजिक अधिकारिता विभाग
नागालैंड, कोहिमा – 797001

दूरभाष : 0370–2245761
Email – socialwelfarengl@gmail.com

मिज़ोरम

10 सुश्री एलिन वेनलाजवानी
अध्यक्ष (9436151720, घर–0389–2345849)
बाल भवन
मिजोरम बाल भवन सोसाइटी
सामाजिक अधिकारिता विभाग
मिजोरम सरकार
आईज़ावल – 796007 (मिजोरम)

दूरभाष : 0389–2300866
E-Mail:-avzawni@gmail.com

बिहार

11 श्री आर.के. महाजन
अध्यक्ष (9471002795)
सुश्री ज्योति परिहार
निदेशक (9199018002)
बिहार बाल भवन ''किलकारी''
राष्ट्र भाषा परिषद कैम्पस
सैदपुर, पटना–4, बिहार

दूरभाष: 0612–2661295
E-Mail:-info@kilkaribihar.org
E-Mail:-kilkari2008@yahoo.com.in
E-Mail:-jyoti_parihar@yahoo.com

12 श्री नीरज कुमार सिंह
अध्यक्ष (9939704543)
श्री अर्जुन कुमार
(9430254194)
यूनिक बाल भवन

दूरभाष: 06275–244442
E-Mail:-Ucesociety@yahoo.com
E-mail:-Ucesociety80@yahoo.com

रन बाय यूनिक क्रिएटिव एजुकेशनल सोसाइटी
स्टेशन रोड़, सिंघीयाघाट
जिला समस्तीपुर–848236 (बिहार)

पश्चिम क्षेत्र
संघ शासित प्रदेश

13 श्री आशीष कुन्द्रा
दूर. 0260–2642700 / 2230700
श्रीमती मोनिका सोनी
निदेशक(9725055127)
बाल भवन बोर्ड
सरकिट हाऊस के सामने
दादर एवं नगर हवेली संघ क्षेत्र
सिलवासा–396230

दूर. 0260–2642287
E-mail:-sonimonika72@gmail.com

14. सुश्री मिताली नामचुन
सुश्री श्रुति पलिवाल
निदेशक (9825143963)
बाल भवन बोर्ड,
फुटबाल पार्क, मोती दमन–396220
संघ शासित प्रदेश दमन और दिउ

दूरभाषः 0260–2230941

15. श्री आशीष कुन्द्रा
अध्यक्ष , प्रशासनिक,
दमन, दिउ
दूर.0260–2642700 / 2230700
E-Mail:-administrator-dd-@nic.in
श्री परमजीत बारीया
निदेशक(09662433966)
E-Mail: premjitbaria66@gmail.com
बाल भवन बोर्ड
समीप जिला पुस्तकालय
लूहारवाडा, दीव –362520
(दमन और दिउ)

दूरभाष : 02875–254516
E-Mail:-balbhavandiu@gmail.com

महाराष्ट्र

16. श्री विनोदजी तवाडे
अध्यक्ष

दूरभाष : 022–23614189,
E-Mail:-Jawaharbalbhavanmumbai@gmail.com

मंत्री, स्कूल शिक्षा, सरकार महाराष्ट्र
मुम्बई (022–22873572)
श्री संदीप संघवे
निदेशक (9969075714)
महाराष्ट्र राज्य जवाहर बाल भवन
नेताजी सुभाष पथ,
चरनी रोड़ (पश्चिम)
मुम्बई –400004 (महाराष्ट्र)

17 श्री दीपक मोहन पोस्कर — E-Mail:-Meera.pauskar@gmail.com
अध्यक्ष (08275086669,
08275086667)
श्रीमती मीरा मोहन पोस्कर
निदेशक (09422716215)
सांई बाल भवन
श्रीमाता निर्मला देवी नृत्या झंकार
प्लाट नं0 68, सैक्टर – ए
4 नं0 पुलिस चौकी के पास,
सिडको, औरंगाबाद–430001 (महाराष्ट्र)

18 श्री राजेन नाथू पाटिल — E-Mail:-Jaihindbalbhavan@gmail.com
अध्यक्ष
श्री सुनील मोरे
निदेशक(9421525926)
जय हिंद बाल भवन
जय हिंद कालोनी
दिओपुर, धुले ' 424002
(महाराष्ट्र)

19 डॉ. उल्हास एन. गाओली — दूरभाषः (0240–2484794)(0240–2472234)
अध्यक्ष (09325210656) — E-Mail:-sps@garwarepoly.com
E-Mail:-ulhasgaoli@gmail.com
E-Mail:-gcccidco@gmail.com

श्री सुनील सुतवाने
निदेशक (09881122737) — E-Mail:-sps@garwarepoly.com
गरवारे बाल भवन
एन–7, बी–1, सिडको
औरंगाबाद–431003 (महाराष्ट्र)

20 सुश्री शैला फैडनाविस
अध्यक्ष (9623459992)
डॉ. रंजना पारधी
निदेशक (9623139006)
ताराबाई संगरपावर बाल भवन
221/बी, बजाज नगर,
नागपुर–440010 (महाराष्ट्र)

दूरभाष : 0712–2243127
E-Mail:-bms_paranjape@yahoo.com
E-Mail:-bmsansthan@gmail.com

21 बाल मंदिर संस्था बाल भवन
बजाज नगर, नागपुर (महाराष्ट्र)

गुजरात

22 सुश्री विद्याबन शाह
अध्यक्ष (09818186569)
श्री मनसुखभाई जोशी
सचिव (09825229900) (घर– 0281–2440930)
बाल भवन
चिल्ड्रन ड्रीम लैंडस
नेहरू उद्यान रेस कोर्स
राजकोट–360001 (गुजरात)

दूरभाष : 0281–2440930
E-Mail:-balbhavanrajkot@gmail.com
Website:-www.balbhavanrajkot.org

23 श्री शुभांगिनी देवी गायक
अध्यक्ष (9825058586)
सुश्री श्वेता व्यास,
निदेशक (0999923158)
बाल भवन सोसाइटी
शायाजी बाग के पीछे
करालीबंग, बड़ौदरा–390018
(गुजरात)

दूरभाष : 0265–2792718–2795937
E-mail:- balbhavanbrd@gmail.com

24	27श्री श्री हार्दिक भालिया अध्यक्ष (09574142844) श्री धवल जोशी निदेशक (09638690787) कुसम बहन, अदानी बाल भवन, अक्षयगढ़– 362229, केशोड, जिला जूनागढ, (गुजरात)	दूरभाष : 02871–236039 / 309909 E-Mail:- balbhavan@gurukulmail.com
25.	श्री हेमंत नानावती अध्यक्ष (09825268645) श्री महेश जानी निदेशक (09979794041) रूपायतन बाल भवन, गिरी टेलेटी, भवनाथ, जूनागढ़– 362004 (गुजरात)	दूरभाष : 0285–2627573 E-Mail:-emantdnanavaty@gmail.com E-Mail:-rupayatanbalbhavan@gmail.com E-Mail:-rupayatanbalbhavan@gmail.com E-Mail:-balbhavan18@gmail.com दूरभाष : 079–2310477,09909011297
	श्री जर्नादनभाई पाण्ड्या अध्यक्ष (919429274158) E-Mail:-janpandya@yahoo.com janardanpandya2012@gmail.com श्री दिलीपभाई वी भट्ट निदेशक(9898726098)E-Mail:- shilpimage@gmail.com बालश्री वी. एन. सोलंकी (मोगर) बाल भवन सैक्टर–28, बी / एच दत्त मंदिर, गाँधीनगर– 382028(गुजरात)	दूरभाष :079–23210477 E-Mail:-balbhavan18@gmail.com
27.	श्री चेतन शाह अध्यक्ष (09869555335) श्री देवचंद सावलिया निदेशक(09426965234) लालचंद भाई वोरा बाल भवन द्वारा बाल केलावनी मंदिर, बागासरा जिला – अमरेली (गुजरात)	दूरभाष :02796– 222479 E-Mail:-vvmst@rediffmail.com
28.	श्री शास्त्री स्वामी भानू प्रकाशदासजी, अध्यक्ष (9825230451) श्री केतनभाई बी पटेल निदेशक (942623451)	दूरभाषः 0286–2243790 फैक्स नं. 0286–2240791 E-Mail:-swamijipbr@yahoo.co.in E-Mail:-swamijipbr@gmail.com

श्री शैलेशभाई के. पटेल
उपनिदेशक (9426536628)
श्री महात्मा गाँधी बाल भवन,
श्री स्वामीनारायण गुरूकुल कैम्पस
छाया मेन रोड़, पो.ओ.–छाया
जिला पोरबंदर– 360575 (गुजरात)

Website : www.pbrssp.org

29. श्री जितेन्द्र एन. सोलंकी
अध्यक्ष (09426567778)
E-Mail:-jeetsolanki_12@yahoo.in

दूरभाष : 0268–2568851

श्री जसभाई एम. पटेल
निदेशक(9925520841)
दूरभाष : 02692–271518
श्री एन. के. सोलंकी, (मोगर) बाल भवन,
समीप ओवरब्रिज, आश्रम रोड
जिला नादियाड – 387001 (गुजरात)

30. श्री जवाहरभाई मेहता
अध्यक्ष (0796460026)
श्री. हीरा पाल शाह
निदेशक(9426715034)
बाल भवन,
श्री गिरधरभाई बाल संग्रहालय कैम्पस
पुस्तकालय चौक
अमरेली– 365601 (गुजरात)

E-Mail:-nileshkumarpathak@yahoo.com

31. श्री भरत एस. पटेल
अध्यक्ष
E-Mail:-bharat92004@yahoo.com

दूरभाष : 0286–2566196

श्री जैमिनी कुमार बी मेहता
निदेशक(0268–2529699)
E-Mail:-jaminihts@hotmail.com
सरदार पटेल बाल भवन
सामने मिल रोड आरटीओ
नादियाड़, जिला – खेडा– 387001
(गुजरात)

32	सुश्री प्रीति मेहता अध्यक्ष(09426914395) श्री कुणाल मेहता निदेशक(09408377381) पार्थ एक्टविटीज बाल भवन अनेरी महिला विकास मंडल, प्लाट नं. 2225/बी, 'पूजा पार्क' सामने अंखर वाड़ी मंदिर, वाघावाडी रोड़, भावनगर– 364002 (गुजरात)	दूरभाष : 078–2470523 E-Mail:-privij64mehta@gmail.com
33.	शिशु विहार बाल भवन कृष्णा नगर, भावनगर – 364001 (गुजरात)	E-Mail:-mail@shishuvihar.org
34.	श्री स्वामी रामकिशनदासजी अध्यक्ष (09173416091) पटेल भारतीबेन बी निदेशक(9713540556) श्री स्वामीनारायण बाल भवन धर्मपुर, मालानपाडा तलुक धर्मपुर, जिला वलासाड 396050 (गुजरात)	दूरभाष: 02633–240107 मो. 9913458525 E-Mail:-gandhinagargurukul@gmail.com E-Mail:- S.malanpada@yahoo.in
	गोवा	
35.	सुश्री कुंदा एस. छोदंकर होन. अध्यक्ष श्री संतोष एस. अमोनकर, निदेशक बाल भवन बोर्ड, परेड ग्राउंड के सामने, कंपाल, पणजी– 403001, (गोवा)	फोन नं. 0832–2226823/2223002 फैक्स 0832–2223001 E-Mail:-goabalbhavan@yahoo.in
	राजस्थान	
36.	श्री रणजीत सिंह कौमत	फोन नं. 0141–2359917

अध्यक्ष (9920410307)
सुश्री चरणजीत ढिल्लों
निदेशक (9829056002)
बाल भवन
508, अंजनी मार्ग,
हनुमान नगर, एक्सटेंशन
सिरसी रोड, जयपुर– 302021 (राजस्थान)

E-Mail:-Dhillon_charan@gmail.com
balbhavanjaipur@gmail.com

37. प्रो. तरूण रॉय चौधुरी
निदेशक (9928054008)
कार्या0 07464–220281
निवास 07464–220281
वीना मेमोरियल बाल भवन
वीना मेमोरियल एसएसईडब्ल्यूए सोसायटी
वीना मार्ग, गुलाब बाग
करौली–322241 (राजस्थान)

E-Mail:-vmsseewa@yahoo.com
E-Mail:-pvms525@gmail.com

उत्तर क्षेत्र

संघशासित

38. श्री सुरिन्दर कुमार
संचालक सचिव,
बाल भवन चंडीगढ़
द्वारा इंडियन कांउसिल फॉर चाइल्ड वेलफेयर
यू.टी. ब्रांच, सैक्टर 23–बी, हरियाणा सरकार,
चंडीगढ़–160023 (हरियाणा)

मो. 09780300625

हरियाणा

39. श्री कुशमामदर यादव
सामान्य सचिव, बाल भवन हिसार,
द्वारा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद,
जिला ब्रांच, हिसार (हरियाणा)

दूरभाष : 01662–237027
मो.09896890315
E-Mail:-dccw.hisar@gmail.com

40. श्री सी. जी. रजीनी कंथन,
आईएएस

दूरभाषः 01744–222340
फैक्स – 01744–220935

	अध्यक्ष (01744–220271) श्री वज़ीर सिंह ढांगी निदेशक (09416096715) बाल भवन द्वारा बाल कल्याण जिला परिषद, सैक्टर 13, अर्बन स्टेट, कुरूक्षेत्र (हरियाणा)	E-Mail:-dccwkurukshetra@gmail.com
41.	श्री ए. एस. दहिया निदेशक, बाल भवन रोहतक, द्वारा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद जिला ब्रांच, रोहतक–124001 (हरियाणा)	दूरभाष : 01262–253819 E-Mail:-dcworohtak@gmail.com
42.	श्री मनोज तिवारी निदेशक सलवान बाल भवन सलवान पब्लिक स्कूल, सैक्टर–15 (भाग–।।), गुड़गांव – 122001 (हरियाणा)	फोन नं. 0124–4886050–90 मो. 09811285244 E-Mail:-admin@salwangurgaon.com balbhavan@salwangurgaon.com
43	श्री बी.बी.एस. पठानिया अध्यक्ष(09416050347, 9254377414) सुश्री अंशु पठानिया निदेशक (09991699935) पठानिया बाल भवन, पठानिया पब्लिक स्कूल 8 केएम स्टोन, गोहाना रोड, रोहतक, हरियाणा	दूरभाष: 01262–275220, 277414 मो. 09254377414, 09254350348 E-Mail:-ppsrohtak@gmail.com E-Mail:-patanshul@gmail.com
44	श्री सी. एम. भटनागर बाल भवन, फरीदाबाद द्वारा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद जिला शाखा, एन.आई.टी. बस स्टैंड के पास, फरीदाबाद–121001 (हरियाणा)	दूरभाष: 1290–2418215

45 श्री कमलेश चेहर
निदेशक(01666–222602)
श्री निखिल गजराज (आइएएस)
अध्यक्ष(01666–248880)
द्वारा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद
बरनाला रोड, सिरसा–125055 (हरियाणा)

E-Mail:-dccwsirsa197@gmail.com

पंजाब

46. श्री नरिन्दर कुमार बंसल
अध्यक्ष (9814035161)

दूरभाष : 01635–221186
E-Mail:-srbm_kkp@rediffmail.com

श्रीमती सुनीता मेहता
निदेशक(9872628027)
बाल भवन
सदाराम बंसल मैमोरियल सीनियर सैकेंडरी स्कूल,
जैतू रोड, कोटकपुरा– 151204
(पंजाब)

E-Mail:-nkbansal61@gmail.com

जम्मू व कश्मीर

47. डॉ. सुशील राजदान
अध्यक्ष (09419196696)
श्रीमती ललिता नंदा
निदेशक (09596958200)
जम्मू बाल भवन
87–पंजीतिरथी, जम्मू–18001(जम्मू व कश्मीर)

48. डॉ. सुशील राजदान
अध्यक्ष (09419196696)
डॉ. रेनू नंदा
निदेशक(09419196696)(घर 0191–2553726),
शांति निकेतन बाल भवन
गार्डन एवेन्यू, लेन नं 1,

E-Mail:- listenrenu@yahoo.com

गेस्ट हाऊस रोड़, डाकघर – विनायक बाजार,
जम्मू तवी – 180001(जम्मू व कश्मीर)

49. सुश्री अतीक बानो
अध्यक्ष (09419039897)
सुश्री नुज़हत नाज
निदेशक(09622735593,
घर – 01954–222127)
कश्मीर बाल भवन,
मजलीसन–निसा जम्मू व कश्मीर
सौपोर कश्मीर–193201

दूरभाष : 01954–223507
E-Mail:
meerasmahalmuseum@gmail.com

उत्तरा खण्ड

50. श्री प्रतीक पंवार
निदेशक(9412054216)
आर्च बाल भवन
एमडीडीए डुप्लेक्स विला, रु 3 शहास्त्राधारा रोड,
देहरादून, उत्तराखंड 248001

E-Mail:- arch.birdcount@gmail.com

51. श्री मनोज रावत
अध्यक्ष (09412109401)
श्री विनोद रावत
निदेशक(09410343001,0958825001,
09758825001)
बाल भवन
द्वारा जनशिक्षा समिति
गोपेश्वर, चमोली(उत्तराखंड)

दूरभाष: 01372–252381,253300
E-Mail:-vinodrawatnd@gmail.com
E-Mail:-
manojrawat401401@yahoo.co.in

हिमाचल प्रदेश

52. श्री राजेश सप्रू
अध्यक्ष (09811007030)
श्री राकेश खेर,
निदेशक(09218606017)
आधारशिला बाल भवन
पालमपुर,
जिला कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश)
पिन–176102

मो. 09218606017
घर– 09218506018
E-Mail:-kherrk@hotmail.com

53. श्री श्रेय अवस्थी
अध्यक्ष (09457500001)
डॉ. सुधीर अवस्थी,
निदेशक(09882562212, 9418065112)
अवर ओन बाल भवन ,कांगडा
अवर ओन अंग्रेजी स्कूल, शाहपुर
जिला कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश)
पिन – 176206

फोन नं. 01892–238112, 239002
E-Mail:-awasthi35@yahoo.com

दक्षिण क्षेत्र–1

आंध्रप्रदेश

54. श्री रामी रेडडी
निदेशक
बाल भवन
कॉलेज रोड़ गड़वाल
जिला – महबूब नगर,
आंध्र प्रदेश – 509125
(तेलंगाना)

दूरभाष : 09441255177

55. श्री वसुदेव नायडू
उपशिक्षा अधिकारी
जिला बाल भवन,
द्वारा बापुर कोलेक्टोरेट बिल्डिंग
ग्रामसपेट, कोलेक्टोरेट पोस्ट ऑफिस
चित्तूर, जिला – चित्तूर , आंध्र प्रदेश–517001

दूरभाष: 9949347832
E-Mail:-distbalabhavan@gmail.com

56.	श्रीमती डी. झांसी निदेशक जिला बाल भवन द्वारा /जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम, हनमकोंडा, जिला – वारंगल –506001 (आंध्र प्रदेश)	दूरभाषः 09912500516 E-Mail:-jhansi.bbwgl@gmail.com
57.	श्री डी रोनाल्ड रोज जिला – कोलेक्ट और मजिस्ट्रेट अध्यक्ष (08462.225503) श्री वी. प्रभाकर निदेशक(09440037622) जिला बाल भवन, तिलक रोड, सामने – फायर स्टेशन, निजामाबाद–503001 (तेलांगाना)	दूरभाष : 08462–225503 E-Mail:-saiprabhu11@gmail.com
58	श्री टी.एस. बाबू उपशिक्षा अधिकारी बाल भवन द्वारा/आंध्र एकेडमी ऑफ आर्टस, मुतयलमपडु, समीप– एसबीआई, विजयवाड़ा, कृष्णा जिला– 500011 (आंध्र प्रदेश)	दूरभाष : 09989361436 कार्यालय–9989911160
59.	डॉ. एस. रमेश निदेशक चाचा नेहरू बाल भवन समीप–एसबीआई, मेन रोड, राजम, सरिकाकुलम जिला, – 532127 (आंध्रप्रदेश)	दूरभाष : 09440585616 09348363738 E-Mail:-drsumkiramesh@gmail.com

60.	श्री पालाबिंडाला वकैया सुपरीटेंडेंट(9440440939) जिला बाल भवन, क्वार्टर नं0 ए/285, हिल कालोनी नालगौंडा जिला, नागार्जुन सागर आंध्रप्रदेश, पिन– 508202	दूरभाषः 08680–276622
61.	प्रो. के.वी. रमना अध्यक्ष (9848078948) श्री एन. वैकंटसवारलु निदेशक(9963470838, 0891–2732171) वीसीएसपी बाल भवन विशाखा चाइल्ड स्पोनसरशिप प्रोग्राम आफिस नं. 3, सूर्या किरन अपार्टमेंट, पैलेस लेआउट, पेडावालटेर विशाखापटनम–530017, (आंध्रप्रदेश)	E-Mail:-vcspbalbhavan@yahoo.in
62.	डॉ. एस.वी. सुब्बाराव अध्यक्ष (08623–225001) श्री एस. राधाकृष्णन निदेशक, बाल भवन, द्वारा/ स्पेस केन्द्रीय स्कूल स्पेस विभाग आईएसआरओ– एसडीएससी षार, श्रीहरिकोटा–524124 (आंध्रप्रदेश)	फैक्स नं 08623–222311 E-Mail:-sradha@shar.gov.in
63.	सुश्री जी. सुभद्रा देवी निदेशक (9848627158, 9299808660) घर – 0861–2325659 नेल्लोर बाल भवन 120, द्वारका टावर, टेकेमिट्टा, नेल्लोर –524003 (आंध्रप्रदेश)	Email: subhadra.govindaraja.gmail.com

64. श्री सिद्धार्थ जैन
अध्यक्ष
जिला कॉलेक्टर–कम–मजिस्ट्रेट
जिला–चित्तूर
श्री सी. सुब्रामण्यम
निदेशक/सुप्रीटेंडेंट
जिला बाल भवन
107, आर एण्ड बी बिल्डिंग
सरोजिनी देवी रोड
समीप रंजना पार्क, तिरूपति
जिला चित्तूर – 517501
(आन्ध्रप्रदेश)

दूरभाष : (917723445, 08897393736)
Email: dbbtpt@gmail.com
Email: subbu.chinnakotla@gmail.com

कर्नाटक

65. सुश्री भावना रमना
अध्यक्ष
श्री के. एच. ओबालप्पा
बाल भवन सोसाइटी
कुब्बन पार्क, डिपार्टमेंट ऑफ वुमन
एण्ड चाइल्ड डवलपमेंट
कर्नाटका सरकार,
बैंगलूरू– 560001 (कर्नाटक)

मो. 9341052284
दूरभाष: 080–22864189
फैक्स 22864189
Email: secybalbhavan.bng@gmail.com

66. सुश्री मंजुला रमन
अध्यक्ष (9448042138)
श्री अश्विन रमन
निदेशक(9731918029,
080– 25581237)
अनुभूति बाल भवन,
192, ब्लाक 4, 12–ए मेन रोड,
कोरमंगला लेआउट, बेंगलूरू–560034
(कर्नाटक)

दूरभाष: 080–25581238
E-Mail:-manjularaman@ gmail.com

67. श्री केशव कुमार
निदेशक
नतनम बाल नाट्य केन्द्र
प्रथम क्रास, चेनल एरिया,
राजेन्द नगर, शिमोगा–577201
(कर्नाटक)

फोन नं. 08182–223402
फैक्स नं 08182–277251
E-Mail:-manjuk821@gmail.com

68. श्रीमती हबीबा एन. पाशा
निदेशक एवं अध्यक्ष
(08262–223140, मो. 9611967170)
माउंटेन व्यू बाल भवन,
विद्या नगर, चिकमंगलूर–577101
(कर्नाटक)

E-Mail:-mvi_school@yahoo.co.in

69. श्री गोपाल
निदेशक, बाल भवन
एन 13/28 जोसफ नगर
सागर–577401 (कर्नाटक)

दूरभाषः 08183–236228/
9341994750

70. श्री महालिंगा राजू,
अध्यक्ष (9035221552)
श्री के.जी. नटराज
निदशक(9448610448)
विद्या बाल भवन,
सामने रेलवे स्टेशन, बनवारा
आरसिकेरे–तालुक हसन जिला
– 573103 (कर्नाटक)

दूर. 01874–235018, 7026418709
E-Mail:-krnataraj1970@gmai.com

दक्षिण क्षेत्र – II

केरल

71. सुश्री एस.एस. जया
अध्यक्षा
श्री एम.के. वर्गीस
निदेशक(9847225223)
जवाहर बाल भवन
चेम्बुक्कवु, त्रिचूर–680020 (केरल)

दूरभाष : 0487–2370560,2332909
E-Mail:-balbhavanthrissur@gmail.com

72. श्री ई. मैरीदासन
अध्यक्ष (9400081711, 0474–2741711)
कार्यकारी निदेशक
जवाहर बाल भवन, कोल्लम
शास्त्री जंक्शन, कोल्लम –691001 (केरल)

E-Mail:-balbhavanklm@gmail.com

73. जिला कॉलेक्टर अलापुजहा
अध्यक्ष
श्रीमती डी विजयालक्ष्मी
निदेशक (09447755055)
जवाहर बाल भवन
पैलेस वर्ल्ड, अल्पुझा– 6880011 (केरल)

दूरभाषः 0477–2260622

74. श्री के. मुरलीधरन
अध्यक्ष (9495305555)

दूरभाषः 0471–2316477
E - Mail:- jawaharbalbhavan@gmail.com

श्री एम संतोष कुमार
निदेशक(9446772851)
केरल राज्य जवाहर बाल भवन,
कनककुन्नु, विकास भवन, पोस्ट आफिस,
तिरुवनंथपुरम–695033
(केरल)

jawaharbalbhavantum@gmail.com

75. डॉ. एन. राधा कृष्ण
(9447047100)
श्री एस. हरी कृष्णन
निदेशक(9387803639)
रंग प्रभात बाल भवन
अलुम्तरा, वेंन्जारामुडु,
पोस्ट आफिस,
तिरुवनंथपुरम – 695607
(केरल)

फोन नं. 0472–2872344
Website:- www.rangaprabath.com
Email: rangaprabhath@yahoo.com

76. श्री आर. सुधाकरन
सविच (09447128586)
श्री एम. नंदकुमार
आईएएस. निदेशक
सुहरूथ बाल भवन, सुरूथ नाटक कलारी
विथुरा– 695551(केरल)

फोन 04722–858688
मो. 09447128586
Email:
vithurasuhruthbalbhavan@gmail.com

77 डॉ. एम. सुभद्रा नायर
अध्यक्ष
श्री के. एन. आनन्द कुमार
निदेशक
श्री सत्य सांई बाल भवन
श्री सत्य सांई ओरफांगे ट्रस्ट
9/1108 अजित बिल्डिंग संस्था मंगलम
तिरूवनंथपुरम – 695010 (केरल)

फोन 0471–2721422, 2115161
फैक्स नं. 0471–2723522
E - Mail:- saigraman@gmail.com

तमिलनाडु

78 जवाहर बाल भवन
सरकारी सगील कालेज कैंपस
ग्रीनवेज रोड,
चेन्नई–600004(तमिलनाडु)

दूरभाष: 044–28192152
मो. 9444461186

79. श्री एस. कुमार
सहायक निदेशक
जवाहर बाल भवन
सिंधरम पिल्लै प्राइमरी स्कूल,
विल्लीवक , पैरियार नगर,
चेन्नई –600008 (तमिलनाड)

80. जवाहर बाल भवन
व्यासर पाडी,
चेन्नई–6001018 (तमिलनाडु)

81. श्री वी. जयपाल
क्षेत्रीय सहायक निदेशक,
जवाहर बाल भवन
नं0 73–ए, मीतू स्ट्रीट
कांचीपुरम – 631502, जिला – तमिलनाडु

044–23624238
मो. 944133105
E - Mail:- artandculture@tn.gov.in

82. श्री बी. हेमन्तन
सहायक निदेशक,
जवाहर बाल भवन
तिरूमति लक्ष्मीलोकनाथन आरकोट
जिला वेलोर (तमिलनाडु)

83. जवाहर बाल भवन
तिरूवनमलय, तमिलनाडु

84. श्री हेमानाथन
निदेशक
जवाहर बाल भवन
सरकारी संगीत स्कूल कैम्पस
शारदा कॉलेज रोड,
फेयरलैंड पोस्ट–सालेम – 636016
(तमिलनाडु)

दूरभाषः 0427–2443594, 2330021
फैक्स – 0427–33004, 330021

85. श्री थिलैई शिवाकुमार
निदेशक
जवाहर बाल भवन
राथिनासभापति पर्यावरणीय कैंपस 117–ए, डॉ. सान सलैई
एल.आई.सी. के पीछे, नामक्कल–637001
(तमिलनाडु)

86 जवाहर बाल भवन
सम्पत नगर ईरोड, (तमिलनाडु)

87. जवाहर बाल भवन
उथगामंडलम
(तमिलनाडु)

88 श्री तिरू आर. गणशेकरन
निदेशक
जवाहर बाल भवन पुड्डूकोट्टई,
क्षेत्रीय आर्ट एवं कल्चर सेन्टर, 22/13 स्मद स्कूल स्ट्रीट
काज़ा नगर,
त्रिचुरापल्ली–620020 (तमिलनाडु)

मो. 09443153122
दूरभाष: 0431–2423122
E - Mail:-artandculture@tn.gov.in

89. कार्यक्रम अधिकारी
करूर जिला जवाहर बाल भवन,
करूर–639001

90. श्री आर. मुत्थु
निदेशक
जवाहर बाल भवन, तंजावर रजियोनल असिस्टेंट कल्चर क्षेत्रीय आर्ट सकंल्चर सैंटर नं0 5
मणी महलाई स्ट्रीट, मुथमैल नगर मैडिकल कालेज रोड, तंजावर – 613009(तमिलनाडु)

दूरभाष: 04362–30121
फैक्स : 04362–30121

91. कार्यक्रम अधिकारी
जवाहर बाल भवन
राज्य सरकारी संगीत स्कूल कैंपस
कार्पोरेशन प्ले ग्राउंड, विल्लूपुरम्, –605602
(तमिलनाडु)

92. कार्यक्रम अधिकारी
जवाहर बाल भवन कडलूर,
जिला सरकारी संगीत विद्यालय
कैम्पस – 2
पुडुयीरू, कडलूर–607001
(तमिलनाडु)

93. श्री वी. जयबाल
क्षेत्रीय सहनिदेशक
आर्ट एवं कल्चर सैंटर 16/157
अलागार कोविल सलाई,
मदुरै–625009(तमिलनाडु)

फोन 0452–22661795
मो. 09842761765
E - Mail:- artandculture@tngovt.in

94. कार्यक्रम अधिकारी,
जवाहर बाल भवन,
नं. 84, सत्यमूर्ति स्ट्रीट,
शिवगंगा – 630561

95. जवाहर बाल भवन
अली नगराम
थेनी(तमिलनाडु)

96. श्री एस. कुमार
निदेशक
जवाहर बाल भवन,
तिरूनलवेल्ली
क्षेत्रीय आर्ट एवं कल्चर सैंटर
तमिलनाडु, देव कल्चर सैंटर बिल्डिंग
820/8, ट्रैक्टर स्ट्रीट, एन.जी.ओ.ए. कालोनी
तिरूनलवेल्ली–627011(तमिलनाडु)

97. जवाहर बाल भवन
थिरूचन्दूर सलाई,
तूतीकोरिन–628008(तमिलनाडु)

98. जवाहर बाल भवन
नागरकोईल
जिला कन्याकुमारी (तमिलनाडु)

संघशासित क्षेत्र

99. श्री एल. कुमार
अध्यक्ष (0413–2207201)
श्री एस. नन्द कुमार
निदेशक, जवाहर बाल भवन नं0 1
मरियामलाई, अदिगल सलाई
पुराने बस स्टैंड के पास
पुड्डूचेरी–605001

फोन नं. 0413–2225751,
2207206, 2207201
E - Mail:- jbbpondy@gmail.com

मध्य क्षेत्र

उत्तर प्रदेश

100. श्री हरीभाऊ खाण्डेकर
अध्यक्ष (09839807482)
श्री नीरज प्रकाश दीक्षित
निदेशक (09839024864)
बाल भवन,
16/99–ए, फूल बाग,
कानपुर–208009 (उत्तर प्रदेश)

दूरभाष: 0512-2313129
E-Mail:balbhawan3129@gmail.com

101. सुश्री जयदास गुप्ता
निदेशक, जवाहर बाल भवन,
जवाहर लाल नेहरू मेमोरियल फंड,
आनंद भवन, इलाहाबाद–211002 (उत्तर प्रदेश)

दूरभाष: 0532–2467078
फैक्स नं. 0532–2467096
मो. 09335411450
E-Mail:-jlnmdald@dataone.in

102. सुश्री राजेश्वरी श्रीधर
अध्यक्ष (5446248000)
सुश्री तापसी चक्रवर्ती
निदेशक(05446248280)
बाल भवन एनएच–2, क्वाटर नं. डी–215,
एनटीपीसी कालोनी, रिहंद नगर
जिला–सोनभद्र–231223 (उत्तर प्रदेश)

E-Mail:-hkjain@ntpc.co.in

103 सुश्री संतोष मदान
निदेशक, बाल भवन ऊर्जा विहार
एन.टी.पी.सी.
फिरोज गाँधी, थर्मल पावर प्रोजेक्ट,
डाकघर, ऊँचाहार, जिला रायबरेली–229406 (उत्तर प्रदेश)

दूरभाषः 05311–232430
मो. 09871094763, 80099200067
E-Mail:balbhawanunchahar@gmail.com

104. श्री ओ.पी. चौधरी
अध्यक्ष
डॉ. राजकुमारी,
निदेशक(9838335726)
पंडित कन्हैया लाल पुंज बाल भवन,
सीतामणि, संत रविदास नगर,
जिला, भदौही– 221309 (उत्तर प्रदेश)

दूरभाषः 9838335726
05414–236762
E-Mail:balbhavansitamarthi@rediffmail.com

105. सुश्री रेनू जैन
अध्यक्ष (09719717951)
डॉ. अमित जैन,
निदेशक(09837208441)
अमित बाल भवन, गांधी पार्क
439, इन्द्रा कॉलोनी, स्ट्रीस नं0 4
रायपुर रोड़, फिरोजाबाद–283203
(उत्तर प्रदेश)

E-Mail:dr.amit0190@gmail.com
Dramit.0190@gmail.com

106. श्रीमती प्रीति वर्मा
सचिव, बाल भवन
एनटीपीसी पोस्ट ऑफिस
विद्युत नगर, जिला– गौतमबुध नगर
201008
(उत्तर प्रदेश)

दूरभाषः. 0120–2805846
मो. 9871864951 / 9650994626
E-Mail:-balbhavandadri@gmail.com

107. श्री गुलाम हसनैन
अध्यक्ष (9412144548)
श्री अली माकिन नकवी
निदेशक(094110071882)
बाल भवन, अमरोहा
नवादा ग्रामोद्योग विकास समिति
मोहल्ला बागला, अमरोहा
जे.पी. नगर–244221 (उत्तर प्रदेश)

दूरभाष: 05922–259665,259665
E-Mail:-ngvs2008@gmail.com

108. सैयद शाबीह अब्बास नक्वी
अध्यक्ष (9411431912)
श्री शोभित कुमार रस्तोगी
निदेशक(9760036522)
बाल भवन
यूनिटी चिल्ड्रन एकेडमी सिरसी
मो. .सराय सदाक, डालन सिरसी
मुरादाबाद–248001 (उत्तर प्रदेश)

मो.09411431912
E-Mail:-kingshabih@gmail.com

109. डॉ. अवनेन्द्र कौशिक
अध्यक्ष (9453878628)
डॉ. शिव शंकर
निदेशक(09889259229)
शिव शारीरिक शिक्षा एजुकेशन पर्यावरण सोसाइटी(स्पीडस)
460, समीप गायत्री मंदिर
आंतिया तलाब
झांसी–284001 (उत्तर प्रदेश)

E-Mail:-speedjhansi@gmail.com

मध्य प्रदेश

110. श्री पवन तिवारी
सहायक निदेशक (9425121695)
संभागीय बाल भवन
(महिला एवं बाल विकास विभाग), स्टेडियम मध्य प्रदेश सरकार,
129, मयूर नगर, ग्वालियर–474011
(मध्य प्रदेश)

E-Mail:-
balbhawangwalior129@gmail.com
E-Mail:-vijaybalvikas@gmail.com

111. श्री अखिलेश जैन
सहायक आयोजक
इंदौर बाल भवन,
29/3, ओल्ड पलासिया,
महिला एवं बाल विकास विभाग,
मध्य प्रदेश सरकार
इंदौर –452001(मध्य प्रदेश)

दूरभाषः 0731–2576332
मो. 09826816863
फैक्स नं 0731–2566331
E-Mail:-Indore2007@Redifmail.com
balbhavanind@gmail.com
ddweindore@gmail.com

112. श्रीमती मनीशा लुंबा
निदेशक,
बाल भवन, केशरवानी कॉलेज,
लोहियापुल, गराह फाटक,
जबलपुर (मध्य प्रदेश)

दूरभाषः 9826385681

113. सुश्री करूणा खरे
निदेशक
बाल भवन मध्य प्रदेश सरकार, सागर
एचआईजी–1, पदमाकर नगर राजाकेदी, मकरोनिया,
सागर –470003 (मध्य प्रदेश)

दूरभाषः 07582–230221
मो. 09425096898
E-Mail:-shine.hemant18@gmail.com
divbalbhavansagar@gmail.com

114. श्रीमती तृप्ति त्रिपाठी
निदेशक(09425394800)
जवाहर बाल भवन, भोपाल
1250–II स्टॉप, तुलसी नगर, भोपाल

दूरभाषः 0755–2558059
E-Mail:-balbhavan3@gmail.com
jawaharbalbhavanbpl@gmail.com

– 462003 (मध्य प्रदेश)

115. डॉ रज़िया खान
अध्यक्ष एवं निदेशक,
(9826090513,9165002756)
अभिनव बाल भवन,
केयर ऑफ कैरियर वेलफेयर सोसायटी,
239, पुतलीघर कॉलोनी, शाहजहांनाबाद,
भोपाल–462001 (मध्य प्रदेश)
मो.9753589295
E-Mail:- balnhavan3@gmail.com
E-Mail:-abhinavbb.123@gmail.com

सहायक संयोजक
116 बाल भवन उज्जैन
वुमन एण्ड चाइल्ड डवलपमेंट सेक्शन
मध्य प्रदेश सरकार
के समीप विक्रम कीर्ति मंदिर
काठी रोड, उज्जैन– 456010
(मध्य प्रदेश)
मो.98930–08817

117. सुश्री रामा मुकुटी
निदेशक (9425889970)
बाल भवन
पीली कोठी, रीवा – 486001
(मध्य प्रदेश)
दूरभाषः 07662–254379
E-Mail:-balbhavan@gmail.com

<u>छत्तीसगढ़</u>

118 सुश्री शिशिर सिन्हा
अध्यक्ष
जिंदल बाल भवन,
जिंदल स्टील एवं पावर लिमिटेड
पोस्ट बाक्स नं. 16, खर्सिया रोड़
रायगढ़–496001 (छत्तीसगढ़)
दूरभाषः 07762–227001
मो.9303451988
E-Mail:-raigarh@jspl.com
Shishir.sinha@jspl.com

12.09.2015 को बाल केन्द्रों की सूची

1. श्री राज कुमारी
अध्यक्ष (09473997367)
श्री राज मणि कौल
निदेशक(09956259934)
परमसुख आदिवासी बाल केन्द्र,
धउखर, कोरांव
इलाहाबाद –212306(उत्तर प्रदेश)
E-Mail:-rajm8247@gmail.com

2. श्री चन्द्र भुषण मिश्रा
अध्यक्ष (9415635383, 9621313320)
श्री हौशिला प्रसाद तिवारी
निदेशक(09415266619, 09918974324)
उन्नयन बाल केन्द्र
मेजा रोड़, इलाहबाद (उत्तर प्रदेश)
E-Mail:-balkendramejaroad@gmail.com

3. डॉ. अशोक कुमार सिंह
अध्यक्ष (09919322221, 0981932221)
श्री बच्चन सिंह,
निदेशक(07523945652)
ट्राईबल बाल केन्द्र
पूर्व माध्यमिक विद्यालय,
संयुक्त नगर, बवाडे,
पोस्ट भिखखीचौरा,
जनपद गाजीपुर (उत्तर प्रदेश)
E-Mail:-shashankmohan.rai@gmail.com

4. श्री हिमांशु कुमार सिंह
निदेशक(09450321867)
गिरीवासी वनवासी बाल केन्द्र
गिरीवासी वनवासी सेवा प्रकल्प,
एकलव्य नगर, घोड़ावाल,
सोनभ्रद, (उत्तर प्रदेश) – 231210
E-Mail:-knmishra.v&m@gmail.com

5. श्रीमती अनिता श्रीवास्तव
अध्यक्ष एवं निदेशक,
(09717385288)
बाल भवन केन्द्र,
द्वारा /बाल भवन समिति,
डी–1, एनटीपीसी कॉलोनी,
सेक्टर–33, नोएडा –201301
(उत्तर प्रदेश)

दूरभाषः 0120–4945188
E-Mail:-anita.s167@gmail.com

6. सुश्री हीरा देवी
अध्यक्ष (9457028252)
श्री एच. के. भट्ट
निदेशक(09412626588)
भारती बाल केन्द्र
ग्राम व डाकखाना बाटी
मथुरा– 281004(उत्तर प्रदेश)

E-Mail:-bhartimitral1816@rediffmail.com

7. श्री आशीष कुन्द्रा
अध्यक्ष
श्रीमती मोनिका सोनी
अध्यक्ष (9725055127)
खानवेल बाल केन्द्र
बाल भवन बोर्ड
सरकुट हाऊस के सामने
यू.टी. दादरा और नगर हवेली
सिलवासा–396230

दूरभाषः 0260–2642287
E-Mail:-sonimonika72@gmail.com

8. श्री आशीष कुन्द्रा
फोन 0260–2642700/2230700
श्रीमती मोनिका सोनी, निदेशक
9725055127
दापड़ा बाल केन्द्र

9. श्री आर.पी.एस. चौहान
अध्यक्ष
(भारतीय जनकल्याण शिक्षा समिति)
एफ–2, कावेरी रॉयल अपार्टमेंट
स्वर्ण जयंती नगर,
ए.डी.ए. कालोनी, रामघाट रोड
अलिगढ़–202001(उत्तर प्रदेश)

10 चुराचान्दपुर बाल केन्द्र
केयरऑफ रेंगकाई सीनियर सरकारी स्कूल
रेंगकाई चुराचान्दैपुर, मणिपुर

11. बाल केन्द्र
जिला नालगोंडा
तेलंगाना

12. सुश्री चमनजीत ढिल्लों
निदेशक
सरस बाल केन्द्र
खिरनी फाटक, राजकीया प्राथमिक विद्यालय, अमर नगर, रेलवे क्रॉसिंग के समीप, खातीपुरा, जयपुर (राजस्थान)–302012

13. गोदावन बाल केन्द्र
राजस्थान पुलिस अकादमी कैम्पस
नेहरू नगर, पेंनपिच, जयपुर (राजस्थान) – 302006

14. नागालैंड बाल भवन
कोहिमा

15. सेनापति बाल केन्द्र
केयरऑफ ब्राइघट स्कूल, सेनापति बाजार
मणिपुर

31.03.2015 को राष्ट्रीय बाल भवन कार्मिकों की सूची

क्र.सं.	नाम	पदनाम
ग्रुप क		
1.	डॉ. उषा कुमारी एम.सी.	निदेशक, रा.बा.भ.
2.	श्रीमती इंद्राणी चौधुरी	उप निदेशक (कार्यक्रम समन्वयक एवं अनुसंधान)
3	श्री मुकेश गुप्ता	उप निदेशक (प्रशासन)
4	श्रीमती आशा भट्टाचर्जी	सहायक निदेशक (विज्ञान)
ग्रुप ख		
5.	डॉ. रश्मि शर्मा	क्यूरेटर (संग्रहालय)
6.	श्री राजेन्द्र कुमार वधवा	प्रभारी अधिकारी (फोटोग्राफी)
7.	श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा	प्रभारी अधिकारी (बा.भ.के.)
8.	श्री राणा प्रताप मुखर्जी	प्रभारी अधिकारी (प्रदर्शन कला)
ग्रुप ग		
9.	श्री राजीव गुप्ता	सहायक लेखा अधिकारी
10.	श्री दिनेश कुमार	अनुभाग अधिकारी
11.	श्री एस. एन. शर्मा	सुरक्षा अधिकारी व केयरटेकर
12.	श्रीमती गुरदीप कौर	कार्यालय सहायक
13.	श्री राजू टंडन	कार्यालय सहायक
14.	श्री जगदीश कुमार कोली	प्रबंधक (प्रकाशन)
15.	श्रीमती परमिंदर बासु चौधरी	कार्यक्रम संयोजक
16.	श्री अश्विनी कुमार भट्ट	संयोजक (आविष्कारक क्लब)
17.	श्री ऋषभ अरोड़ा	वरिष्ठ प्रशिक्षक (कम्प्यूटर)
18.	श्री आशीष भट्टाचार्जी	वरिष्ठ प्रशिक्षक (छायांकन)

19.	जय भगवान राणा	वरिष्ठ प्रशिक्षक (शारीरिक शिक्षा)
20.	श्री मनोज कुमार मिश्रा	वरिष्ठ प्रशिक्षक (रेडियो एवं इलैक्ट्रॉनिक)
21.	श्री जगदीप सिंह बेदी	सहायक प्रबन्धक (प्रदर्शन कला)
22.	श्री नत्थी लाल यादव	कलाकार (प्रदर्शन कला)
23.	श्री रहमत खान लंगा	कलाकार (प्रदर्शन कला)
24.	श्री भगवती प्रसाद पाण्डेय	कलाकार (प्रदर्शन कला)
25.	श्री चन्द्रमणि	कलाकार (प्रदर्शन कला)
26.	श्रीमती नेहा वत्स	कलाकार (प्रदर्शन कला)
27.	श्री मोती लाल	कनिष्ठ मॉडलर
28.	श्री मेहताब हुसैन	कनिष्ठ प्रशिक्षक (काष्ठ शिल्प)
29.	श्री नागेन्दर सिंह बिष्ट	कनिष्ठ प्रशिक्षक (मिट्टी)
30.	श्री देवेन्द्र कुमार	कनिष्ठ प्रशिक्षक (जिल्दसाजी)
31.	श्री जय प्रकाश तँवर	कनिष्ठ प्रशिक्षक (काष्ठ शिल्प)
32.	श्री काशी नाथ	कनिष्ठ प्रशिक्षक (मॉडलिंग)
33.	श्री राजीव कुमार	कनिष्ठ प्रशिक्षक (बुनाई)
34.	श्री अमित सिंह	कनिष्ठ प्रशिक्षक (डार्क रूम)
35.	मो. अनिरूल इस्लाम	कनिष्ठ प्रशिक्षक (चित्रकला)
36.	श्री धीरेन्द्र कुमार	कनिष्ठ प्रशिक्षक (ऐंअरो मॉडलिंग)
37.	श्रीमती उषा किरण बरूआ	कनिष्ठ प्रशिक्षक (शारीरिक शिक्षा)
38.	श्री नीरज कुमार	कनिष्ठ प्रशिक्षक (शारीरिक शिक्षा)
39.	श्री मोहन कुमार	कनिष्ठ प्रशिक्षक (जूडो)
40.	श्री ओ. पी. शर्मा	कलाकार
41.	श्री वासुदेव	कनिष्ठ कलाकार
42.	श्रीमती स्मृति अरोड़ा	कनिष्ठ कलाकार (संग्रहालय)
43.	श्री सतीश पारचा	पर्यवेक्षक (बा.भ.के.–उच्च ग्रेड)
44.	श्रीमती चन्द्रकांता शर्मा	पर्यवेक्षक
45.	श्री संजय कुमार जैन	पर्यवेक्षक
46.	श्री चमन लाल	उ0श्रे0लिपिक
47.	श्री विनोद सिंह बिष्ट	उ0श्रे0लिपिक
48.	श्रीमती सीमा चौहान माथुर	उ0श्रे0लिपिक
49.	श्री जगदम्बा प्रसाद	उ0श्रे0लिपिक
50.	श्रीमती माया रानी	उ0श्रे0लिपिक
51.	श्री चिरंजी लाल	उ0श्रे0लिपिक

52.	श्रीमती विनोद सांगवान	कनिष्ठ आशुलिपिक (हिन्दी)
53.	श्रीमती अनीता राय	कनिष्ठ आशुलिपिक (हिन्दी)
54.	श्री मदन लाल मेहता	इलैक्ट्रीशियन
55.	श्री अरविंद कुमार चौहान	स्टेज टेक्नीशियन व इलैक्ट्रीशियन
56.	श्री मनोज कुमार वर्मा	कनिष्ठ इलैक्ट्रीशियन
57.	श्री सुनील कुमार	चालक
58.	श्री बृज कुमार	चालक
59.	श्री हर्ष मणि सेमवाल	चाालक
60.	श्री प्रदीप भट्ट	चालक
61.	श्री आर.के. रामास्वामी	तकनीकी सहायक
62.	श्री अश्विनी कुमार	तकनीकी सहायक
63.	श्रीमती रजनी देवी	वार्डन, हॉस्टल
64.	सुश्री प्रतिज्ञा	कनिष्ठ पुस्तकालयाध्यक्ष व प्रशिक्षक
65.	सुश्री निधी सरियाल	कनिष्ठ अनुसंधान सहायक (संग्रहालय)

रख–रखाव विभाग (ग्रुप डी)

66.	श्री राम सिंह साही	रसोईया
67.	श्री गोपाल राम आर्या	पुस्तकालय परिचारक
68.	श्री स्वरूप राम	बस कंडक्टर व क्लीनर
69.	श्री गैंदा राम	माली
70.	श्री गुसाँई राम	माली
71.	श्री रमेश कुमार	माली
72.	श्री सुरेन्द्र सिंह	माली
73.	श्री रति राम	माली
74.	श्री साहब सिंह मीना	माली
75.	श्री जय राम	माली
76.	श्री सुखदेव	चपरासी
77.	श्री रमेश प्रसाद यादव	चपरासी
78.	श्री प्रेम सिंह साही	चपरासी
79.	श्रीमती गीता साही	चपरासी
80.	श्री जगदीश चन्द्र	चपरासी
81.	श्री सुधीर कुमार	चपरासी
82.	श्री मुन्ना लाल	मददगार

83.	श्री तिलक राम	मददगार
84.	श्री जसवंत सिंह सैनी	मैदान रक्षक
85.	श्री महेश कुमार	मैदान रक्षक
86.	श्री कैलाश चन्द	अनुभाग परिचारक
87.	श्री गोविंद सिंह बिष्ट	अनुभाग परिचारक
88.	श्री नेत्र सिंह बिष्ट	अनुभाग परिचारक
89.	श्री राम दीन	अनुभाग परिचारक
90.	श्री जाने	अनुभाग परिचारक
91.	श्री राम विनोद सिंह	अनुभाग परिचारक
92.	श्री तारकेश्वर गोंद	अनुभाग परिचारक
93.	श्री मोहन सिंह सैनी	बेलदार
94.	श्री लायक सिंह	बेलदार
95.	श्री राम दुलारे	बेलदार
96.	श्री महादेव	बेलदार
97.	श्री कँवर भान	बेलदार
98.	श्री प्रकाश	चौकीदार
99.	श्री मोहन लाल	चौकीदार
100.	श्री डूँगर सिंह	चौकीदार
101.,	श्री अशोक कुमार तोमर	चौकीदार
102.	श्री धनपाल सिंह	चौकीदार
103.	श्री जय चंद	चौकीदार
104.	श्री हरेन्दर सिंह	चौकीदार
105.	श्री दुर्गा प्रसाद	चौकीदार
106.	श्री महिन्द्र सिंह	चौकीदार
107	श्री उमेश कुमार	चौकीदार
108.	श्री किशन लाल	चौकीदार
109.	श्री बिल्लू	चौकीदार
110.	श्री बिशन स्वरूप	चौकीदार
111.	श्री रमेश कुमार	सफाई कर्मचारी
112.	श्री काली चरण	सफाई कर्मचारी
113.	श्रीमती किरन देवी	सफाई कर्मचारी
114.	श्री दास	सफाई कर्मचारी
115.	श्री होरी लाल	सफाई कर्मचारी
116.	श्री नितिन	सफाई कर्मचारी
117.	श्रीमती अनुराधा	सफाई कर्मचारी
118.	श्री बाबू लाल मीना	सफाई कर्मचारी